

जनता देश संगठन का
संघर्षो भरा सफर
प्रिंट मिड़िया/अखबारों के द्वारा

शैखूल हिंद की सुविधाएं बढ़ाए

मैडिकल कॉलेज सहारनपुर के लोगों की आवश्यकता बता सौंपा ज्ञापन



शुक्रवार को सहारनपुर कलक्ट्रेट में मांगों को लेकर प्रदर्शन करते जनता देश संगठन के कार्यकर्ता। ' हिन्दुस्तान

सहारनपुर, संवाददाता। पीजाआई के बराबर सुविधाओं की मांग को लेकर धरण प्रदर्शन किया गया। साथ ही लोगों की आवश्यकता को देखते हुए मैडिकल कॉलेज को बहाल किया जाएं। शुक्रवार को जनता देश संगठन के तत्वाधान में गांधी पार्क स्थित मैदान में कार्यकर्ता एकत्र हुए। जहां से पैदल मार्च के माध्यम से कलक्ट्रेट परिसर में पहुंच कर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को मांगों का ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांग करते हुए कहा कि शैखल हिंद मौलान महमूद हसन मैडिकल कॉलेज को बहाल किया जाए। मैडिकल कॉलेज सहारनपुर के लोगों की आवश्यकता है। साथ ही मैडिकल कॉलेज को पीजीआई के बराबर सुविधाएं दी जाएं। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार, राष्ट्रीय महासचिव पिंकी पवन शिंदे, राजेश्वर सैनी, अशोक यादव, नेहा , मुकेश कुमार, महीपाल रहे।

पीजीआई में समुचित चिकित्सा उपलब्ध कराने की मांग की



सहारनपुर (दैनिक हाक) : पिलखनी स्थित पीजीआई में समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने की मांग को लेकर जनता देश संगठन के कार्यकर्ताओं ने आज प्रदर्शन कर धरना दिया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। आज हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर जेडीएस के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर ध रना दिया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पिलखनी स्थित मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज पीजीआई में सुविधा बहाल नहीं की गयी है। जिस कारण रोगियों को अन्य राज्यों की ओर रूख करना पड़ता है और कई गंभीर मरीजों को अपनी जान तक भी गंवानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में एकमात्र पीजीआई मेडिकल कॉलेज है वहां पर स्वास्थ्य सुविधाएं नाम की कोई चीज नहीं है और सहारनपुर के मरीजों को गंभीर हालत में पीजीआई चंडीगढ़, देहरादून व दिल्ली जाना पड़ता है और कई लोगों की तो रास्ते में ही मौत हो जाती है। उनका कहना था कि जब इतना बड़ा हॉस्पिटल बना है, तो यहां पर सुविधाएं बहाल कर आसपास के लोगों को परेशानी से बचाया जाए, ऐसा ना होने पर उन्होंने आगे भी आंदोलन की चेतावनी दी। प्रदर्शनकारियों में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, डॉक्टर केपी सिंह, गौरव सुखीजा, लोकेश कटारिया, गुलाब सिंह, राजीव गांधी, अशोक यादव आदि शामिल रहे।

पीजीआई में समुचित चिकित्सा उपलब्ध कराने की मांग को दिया धरना



सहारनपुर। पिलखनी स्थित पीजीआई में समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने की मांग को लेकर जनता देश संगठन के कार्यकर्ताओं ने आज प्रदर्शन कर धरना दिया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

आज हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर जेडीएस के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पिलखनी स्थित मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज पीजीआई में सुविधा बहाल नहीं की गयी है। जिस कारण रोगियों को अन्य राज्यों की ओर रूख करना पड़ता है और कई गंभीर मरीजों को अपनी जान तक भी गंवानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में एकमात्र पीजीआई मेडिकल कॉलेज है वहां पर स्वास्थ्य सुविधाएं नाम की कोई चीज नहीं है और सहारनपुर के मरीजों को गंभीर हालत में पीजीआई चंडीगढ़, देहरादून व दिल्ली जाना पड़ता है और कई लोगों की तो रास्ते में ही मौत हो जाती है। उनका कहना था कि जब इतना बड़ा हॉस्पिटल बना है, तो यहां पर सुविधाएं बहाल कर आसपास के लोगों को परेशानी से बचाया जाए, ऐसा ना होने पर उन्होंने आगे भी आंदोलन की चेतावनी दी। प्रदर्शनकारियों में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, डॉक्टर केपी सिंह, गौरव सुखीजा, लोकेश कटारिया, गुलाब सिंह, राजीव गांधी, अशोक यादव आदि शामिल रहे।

मेडिकल कालेज में सुविधाओं को लेकर धरना दिया



सहारनपुर। जनता देश संगठन जेडीएस द्वारा आज ध रना स्थल पर मांगों को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला विंग पिंकी पवन शिंदे के नेतृत्व में आज ध रना स्थल पर मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज पीजीआई में सुविधा बहाल करने को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया और एक ज्ञापन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपा गया उनकी मांग थी कि सहारनपुर में एकमात्र पीजीआई मेडिकल कॉलेज है वहां पर स्वास्थ्य सुविधाएं नाम की कोई चीज नही है और सहारनपुर के मरीजों को गंभीर हालत में पीजीआई चंडीगढ़,देहरादून दिल्ली जाना पड़ता है और कई लोगों की तो रास्ते में ही मौत हो जाती है उनका कहना था कि जब इतना बड़ा हॉस्पिटल बना है तो यहां पर सुविधाएं बहाल कर आसपास के लोगों को परेशानी से बचाया जाए ऐसा ना होने पर उन्होंने आगे भी आंदोलन की चेतावनी दी मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी,डॉक्टर के पी सिंह, गौरव सुखीजा,लोकेश कटारिया, गुलाब सिंह,राजीव गांधी,अशोक यादव के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

निकलते हैं तो अभिभावकों को हर समय चिंता रहती है। इसलिए अभिभावकों की बात मानें। प्रधानाचार्य डाक्टर संजीव जैन ने आभार व्यक्त किया। इस दौरान टीआई सुधीर कुमार, टीएसआई संजय सिंह व स्कूल का स्टाफ मौजूद रहा।

किसी भी शिक्षण संस्थान के 100 गज के दायरे में तम्बाकू विक्रेतन प्रतिबन्धित है। अस्पताल के आस-पास के क्षेत्र जनकपुरी रोड़ में चाय की दुकानों, पर 18 साल से कम उम्र के व्यक्ति द्वारा तम्बाकू विक्रेतन पर भी जुमार्ना किया गया। आज के प्रर्वतन कार्य में जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ से मुदस्सर अली (जिला सलाहकार), श्रीमति कविता कुमारी (सोशल वर्कर), प्रतीक क्लाईव (डीईओ) एवं पुलिस विभाग से जनकपुरी थाना के एसआई विरेन्द्र कुमार, उनकी टीम एवं चौकी कैम्प सदर थाना से एसआई अरविन्द कुमार व टीम उपस्थित रहे।

पीजीआई में समुचित चिकित्सा उपलब्ध कराने की मांग को दिया धरना



सहारनपुर। पिलखनी स्थित पीजीआई में समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने की मांग को लेकर जनता देश संगठन के कार्यकताओं ने आज प्रदर्शन कर धरना दिया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

आज हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर जेडीएस के कार्यकताओं ने प्रदर्शन कर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पिलखनी स्थित मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज पीजीआई में सुविधा बहाल नहीं की गयी है। जिस कारण रोगियों को अन्य राज्यों की ओर रूख करना पड़ता है और कई गंभीर मरीजों को अपनी जान तक भी गंवानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में एकमात्र पीजीआई मेडिकल कॉलेज है वहां पर स्वास्थ्य सुविधाएं नाम की कोई चीज नहीं है और सहारनपुर के मरीजों को गंभीर हालत में पीजीआई चंडीगढ़, देहरादून व दिल्ली जाना पड़ता है और कई लोगों की तो रास्ते में ही मौत हो जाती है। उनका कहना था कि जब इतना बड़ा हॉस्पिटल बना है, तो यहां पर सुविधाएं बहाल कर आसपास के लोगों को परेशानी से बचाया जाए, ऐसा ना होने पर उन्होंने आगे भी आंदोलन की चेतावनी दी। प्रदर्शनकारियों में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, डॉक्टर केपी सिंह, गौरव सुखीजा, लोकेश कटारिया, गुलाब सिंह, राजीव गांधी, अशोक यादव आदि शामिल रहे।

मेडिकल कालेज में सुविधाओं को लेकर धरना दिया



सहारनपुर। जनता देश संगठन जेडीएस द्वारा आज धरना स्थल पर मांगों को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला विंग पिंकी पवन शिंदे के नेतृत्व में आज धरना स्थल पर मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज पीजीआई में सुविधा बहाल करने को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया और एक ज्ञापन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम जिलाधिकारी कार्यालय में सौंपा गया उनकी मांग थी कि सहारनपुर में एकमात्र पीजीआई मेडिकल कॉलेज है यहा पर स्वास्थ्य सुविधाएं नाम की कोई चीज नही है और सहारनपुर के मरीजों को गंभीर हालत में पीजीआई चंडीगढ़,देहरादून दिल्ली जाना पड़ता है और कई लोगो की तो रास्ते में ही मौत हो जाती है उनका कहना था कि जब इतना बड़ा हॉस्पिटल बना है तो यहां पर सुविधाएं बहाल कर आसपास के लोगों को परेशानी से बचाया जाए ऐसा ना होने पर उन्होंने आगे भी आंदोलन की चेतावनी दी मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी,डॉक्टर के पी सिंह, गौरव सुखीजा,लोकेश कटारिया, गुलाब सिंह,राजीव गांधी,अशोक यादव के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।

पीजीआई में समुचित चिकित्सा उपलब्ध कराने की मांग की



सहारनपुर (दैनिक हाक) : पिलखनी स्थित पीजीआई में समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने की मांग को लेकर जनता देश संगठन के कार्यकर्ताओं ने आज प्रदर्शन कर धरना दिया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। आज हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर जेडीएस के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर ध रना दिया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पिलखनी स्थित मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज पीजीआई में सुविधा बहाल नहीं की गयी है। जिस कारण रोगियों को अन्य राज्यों की ओर रूख करना पड़ता है और कई गंभीर मरीजों को अपनी जान तक भी गंवानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में एकमात्र पीजीआई मेडिकल कॉलेज है वहां पर स्वास्थ्य सुविधाएं नाम की कोई चीज नहीं है और सहारनपुर के मरीजों को गंभीर हालत में पीजीआई चंडीगढ़, देहरादून व दिल्ली जाना पड़ता है और कई लोगों की तो रास्ते में ही मौत हो जाती है। उनका कहना था कि जब इतना बड़ा हॉस्पिटल बना है, तो यहां पर सुविध एं बहाल कर आसपास के लोगों को परेशानी से बचाया जाए, ऐसा ना होने पर उन्होंने आगे भी आंदोलन की चेतावनी दी। प्रदर्शनकारियों में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, डॉक्टर केपी सिंह, गौरव सुखीजा, लोकेश कटारिया, गुलाब सिंह, राजीव गांधी, अशोक यादव आदि शामिल रहे।

कव्वाली व भक्ति संगीत से पहले के बाद कार्यक्रम का विश्राम पर हिंदू, मुस्लिम, सिख,इसाई मौजूद रहे।

मेडिकल कालेज में सुविधाओं को लेकर धरना दिया

सहारनपुर। जनता देश संगठन जेडीएस द्वारा आज धरना स्थल पर मांगों को लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला विंग पिंकी पवन शिंदे के नेतृत्व मे आज धरना स्थल पर मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज पीजीआई मे सुविधा बहाल करने को लेकर धरना प्रदर्शन किया गया और एक ज्ञापन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम जिलाधिकारी कार्यालय मे सौपा गया उनकी मांग थी कि सहारनपुर में एकमात्र पीजीआई मेडिकल कॉलेज है यहा पर स्वास्थ्य सुविधाएं नाम की कोई चीज नही है और सहारनपुर के मरीजों को गंभीर हालत में पीजीआई चंडीगढ़,देहरादून दिल्ली जाना पड़ता है और कई लोगो की तो रास्ते मे ही मौत हो जाती है उनका कहना था कि जब इतना बड़ा हॉस्पिटल बना है तो यहां पर सुविधाएं बहाल कर आसपास के लोगों को परेशानी से बचाया जाए ऐसा ना होने पर उन्होंने आगे भी आंदोलन की चेतावनी दी मुख्य रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी,डॉक्टर के पी सिंह, गौरव सुखीजा,लोकेश कटारिया, गुलाब सिंह,राजीव गांधी,अशोक यादव के अलावा अन्य लोग मौजूद रहे।



पीजीआई में समुचित चिकित्सा उपलब्ध कराने की मांग को दिया धरना

सहारनपुर। पिलखनी स्थित पीजीआई में समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने की मांग को लेकर जनता देश संगठन के कार्यकर्ताओं ने आज प्रदर्शन कर धरना दिया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

आज हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर जेडीएस के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पिलखनी स्थित मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज पीजीआई में सुविधा बहाल नहीं की गयी है। जिस कारण रोगियों को अन्य राज्यों की ओर रूख करना पड़ता है और कई गंभीर मरीजों को अपनी जान तक भी गंवानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में एकमात्र पीजीआई मेडिकल कॉलेज है वहां पर स्वास्थ्य सुविधाएं नाम की कोई चीज नहीं है और सहारनपुर के मरीजों को गंभीर हालत में पीजीआई चंडीगढ़, देहरादून व दिल्ली जाना पड़ता है और कई लोगों की तो रास्ते में ही मौत हो जाती है। उनका कहना था कि जब इतना बड़ा हॉस्पिटल बना है, तो यहां पर सुविधाएं बहाल कर आसपास के लोगों को परेशानी से बचाया जाए, ऐसा ना होने पर उन्होंने आगे भी आंदोलन की चेतावनी दी। प्रदर्शनकारियों में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, डॉक्टर केपी सिंह, गौरव सुखीजा, लोकेश कटारिया, गुलाब सिंह, राजीव गांधी, अशोक यादव आदि शामिल रहे।



पीजीआई में समुचित चिकित्सा उपलब्ध कराने की मांग को



सहारनपुर (दैनिक हाक) : पिलखनी स्थित पीजीआई में समुचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराये जाने की मांग को लेकर जनता देश संगठन के कार्यकर्ताओं ने आज प्रदर्शन कर धरना दिया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। आज हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर जेडीएस के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन कर धरना दिया। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि पिलखनी स्थित मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज पीजीआई में सुविधा बहाल नहीं की गयी है। जिस कारण रोगियों को अन्य राज्यों की ओर रूख करना पड़ता है और कई गंभीर मरीजों को अपनी जान तक भी गंवानी पड़ती है। उन्होंने कहा कि सहारनपुर में एकमात्र पीजीआई मेडिकल कॉलेज है वहां पर स्वास्थ्य सुविधाएं नाम की कोई चीज नहीं है और सहारनपुर के मरीजों को गंभीर हालत में पीजीआई चंडीगढ़, देहरादून व दिल्ली जाना पड़ता है और कई लोगों की तो रास्ते में ही मौत हो जाती है। उनका कहना था कि जब इतना बड़ा हॉस्पिटल बना है, तो यहां पर सुविधाएं बहाल कर आसपास के लोगों को परेशानी से बचाया जाए, ऐसा ना होने पर उन्होंने आगे भी आंदोलन की चेतावनी दी। प्रदर्शनकारियों में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, डॉक्टर केपी सिंह, गौरव सुखीजा, लोकेश कटारिया, गुलाब सिंह, राजीव गांधी, अशोक यादव आदि शामिल रहे।

मेडिकल कॉलेज में मिलेगी सीटी स्कैन की सुविधा

जनता ट्रेरा संगठन के संघर्ष की बदौलत PGI में एक और सुविधा उपलब्ध।

आयुष्मान कार्ड धारकों का सीटी स्कैन होगा निशुल्क, 75 फीसदी से भी अधिक पूरा हो चुका है कार्य



राजकीय मेडिकल कॉलेज के वेयरहाउस में रखे सीटी स्कैन मशीन के पार्ट्स एवं जनरेटर। स्रोत : राजकीय मेडिकल कॉलेज

संवाद न्यूज एजेंसी

सरसावा। राजकीय मेडिकल कॉलेज में सीटी स्कैन मशीन स्थापित करने का कार्य अंतिम दौर में चल रहा है। सीटी स्कैन मशीन को ऑपरेट करने के लिए बड़ा डीजी सेट जनरेटर भी मेडिकल कॉलेज में पहुंच गया। जबकि सीटी स्कैन मशीन पूर्व में ही वेयर हाउस में आकर रखी जा चुकी है। नए साल से सीटी स्कैन की सुविधा रोगियों को मिलनी शुरू हो जाएगी।

निजी सीटी स्कैन सेंटर पर भारी कीमत चुकाकर सीटी स्कैन कराने वाले मरीजों को जल्द ही राजकीय मेडिकल कॉलेज से बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है। मरीजों की सुविधा के लिए शासन स्तर पर दी गई सहायता के उपरांत राजकीय मेडिकल कॉलेज पिलखनी में सीटी स्कैन मशीन के इंस्टॉलेशन का कार्य 75 फीसदी से भी अधिक पूरा हो चुका है। मेडिकल कॉलेज के रेडियोलॉजी विभाग में सीटी स्कैन मशीन के लिए बिजली की सप्लाई के लिए अलग से हैवी ड्यूटी वायरिंग की गई है। साउंड प्रूफ कक्ष भी बन चुका है।

मेडिकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ. संगीता अनेजा ने बताया कि सीटी स्कैन मशीन संबंधित पार्ट्स वेयरहाउस में आ चुके हैं। आज बड़ा डीजी जनरेटर सेट भी मेडिकल कॉलेज को प्राप्त हो गया है। जल्दी ही विभिन्न पार्ट्स को जोड़कर सीटी स्कैन मशीन का इंस्टालेशन कर दिया जाएगा। प्राचार्या ने संभावना जताई कि इसी माह सीटी स्कैन मशीन का को स्थापित करने का कार्य पूर्ण होने के बाद नव वर्ष में मशीन कार्य करना आरंभ कर देगी।

सीटी स्कैन मशीन को ऑपरेट करने के लिए राज्य के मेडिकल कॉलेज के पास पहले से ही दो सीनियर रेजीडेंट्स रेडियोलॉजिस्ट उपलब्ध हैं। प्राचार्या ने कहा कि सीटी स्कैन मशीन की जांच सरकारी दरों पर होगी, जबकि आयुष्मान कार्ड धारकों के लिए सरकारी नीति के अनुसार निःशुल्क व्यवस्था रहेगी।

मरीजों के लिए फैक्टर की सुविधा उपलब्ध, बाहर इलाज कराने की जरूरत नहीं

मेडिकल कॉलेज में अब हीमोफीलिया का भी इलाज संभव

संवाद न्यूज एजेंसी

सहारनपुर। विश्व हीमोफीलिया दिवस बुधवार यानी आज मनाया जाएगा। यह अनुवांशिक बीमारी है, जो माता-पिता से बच्चे में आती है। बच्चा इस बीमारी से ग्रसित है तो उसमें पैदा होते ही या फिर पांच साल की उम्र तक लक्षण नजर आ सकते हैं। राहत की बात यह है कि राजकीय मेडिकल कॉलेज में इसका इलाज संभव है।

हीमोफीलिया में शरीर पर लाल और काले चकत्ते पड़ जाते हैं, साथ ही हल्की सी चोट या खरोंच लगने पर खून

विश्व हीमोफीलिया दिवस

अनुवांशिक बीमारी है हीमोफीलिया, जो माता-पिता से बच्चे में आती है

बहने लगता है जो रुकता नहीं है। हीमोफीलिया के मरीजों को इलाज के लिए पहले दिल्ली, लखनऊ, चंडीगढ़ भेजा जाता था, लेकिन राजकीय मेडिकल कॉलेज पिलखनी में हीमोफीलिया मरीजों के लिए फैक्टर की सुविधा है। जिससे अब हीमोफीलिया के मरीजों को बाहर जाकर इलाज कराने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

130 मरीजों का इलाज नियमित रुप से चल रहा है मेडिकल कॉलेज में

यहां मेरठ, बिजनौर, मुजफ्फरनगर आदि जिलों से मरीज इलाज कराने पहुंच रहे हैं। मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. सुधीर राठी ने बताया कि कॉलेज में हीमोफीलिया के मरीजों को फैक्टर देने की सुविधा है। वर्तमान में करीब 130 मरीजों का इलाज नियमित रूप से चल रहा है।

फैक्टर भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। मरीजों को किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाती। उन्होंने बताया कि हीमोफीलिया के मरीजों को लगने वाले फैक्टर संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज लखनऊ से आते हैं, जो सरकार द्वारा भेजे जाते हैं।

जांच के बाद सामने आने वाली मरीज की रिपोर्ट के आधार पर मरीज को फैक्टर दिया जाता है। फैक्टर अलग-अलग तरह के होते हैं। जिसके लिए अब मरीजों को भटकना नहीं पड़ेगा।

इसके अलावा उन्हें कहीं बाहर जाकर इलाज के लिए परेशान नहीं होना पड़ेगा।

नियमित इलाज जरूरी

हीमोफीलिया की नोडल डॉ. अभिलाषा स्मिथ बताती हैं कि हीमोफीलिया बीमारी का नियमित इलाज जरूरी है। जो मरीज अपने चिकित्सक के संपर्क में नियमित रूप से बना रहता है और इलाज लेता रहता है वह लंबा जीवन जी सकता है। ऐसे में जरूरी है कि इलाज न छोड़ें।

Amar Ujala Dehradun; 17/04/24, Page NO-02

पंजाब केसरी
THU,05 DECEMBER 2024
EDITION: UTTAR PRADESH KESARI, PAGE NO. 1

आधकारागण साहत ग्राम प्रधान एव साचव उपास्थत रह। (संजय)

जनता देश संगठन स्थापना दिवस पर जारी करेगा घोषणा-पत्र



सहारनपुर (ब्यूरो): हसनपुर चौक स्थित जनता देश संगठन कार्यालय पर आज प्रैसवार्ता का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य आने वाले 10 दिसम्बर को संगठन के 5वें स्थापना दिवस पर घोषणा-पत्र जारी करना है। इस दौरान जे.डी.एस. के सभी पदाधिकारियों ने स्थापना दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों एवं घोषणा-पत्र के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पत्रकारों को जानकारी देते हुए जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला विंग सुश्री पिंकी पवन शिंद एडवोकेट, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, राजेश्वर दास सैनी, सुभाष बर्मन प्रदेश अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, बबीता कश्यप प्रदेश अध्यक्ष महिला विंग, श्रीमती कविता संगठन मंत्री, उमा देवी प्रचार मंत्री, प्रवेश विधानसभा अध्यक्ष, सुमन देवी विधानसभा उपाध्यक्ष महिला विंग आदि मौजूद रहे। (संजय)

गोगा म्हाडी सुधार सभा के प्रधान

अवैध कॉलोनी के विरुद्ध कार्रवाई

और अवैध रूप से कब्जा गई भूमि

मंडल स्तर का कार्यकर्ता सम्मेलन

बुलाने का निर्देश दिया है जिसके

अंबेडकर शीघ्र ही तिथि

सम्मेलन में लाने का काम करें।



जेडीएसके पांचवें स्थापना दिवस पर घोषणा पत्र होगा जारी: सुरेश

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन की आयोजित बैठक में आगामी 10 दिसंबर को संगठन की स्थापना दिवस पर घोषणा पत्र जारी किए का निर्णय लिया गया। आज हसनपुर चौक, दिल्ली मार्ग स्थित कार्यालय पर आयोजित बैठक में संगठन अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने बताया कि संगठन का मुख्य उद्देश्य आने वाली 10 दिसम्बर को संगठन के पाँचवे स्थापना दिवस पर घोषणा पत्र जारी करना है। इस अवसर पर जनता देश संगठन सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग सुश्री पिंकी पवन शिंद (एड.), राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगे राम कश्यप (पूर्व प्रधान), राजेश्वर दास सैनी, मुख्य सलाहकार, सुभाष बर्मन प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, श्रीमति बबीता कश्यप, प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग, श्रीमति कविता संगठन मंत्री, श्रीमति उमा देवी प्रचार मंत्री, श्रीमति प्रवेश विधानसभा अध्यक्ष, श्रीमति सुमन देवी विधानसभा उपाध्यक्ष महिला विंग आदि सदस्य मौजूद रहे।

जनता देश संगठन का पांचवा स्थापना दिवस 10 दिसम्बर को



सहारनपुर(पश्चिमी प्रान्त बुलेटिन सं.)। जनता देश संगठन के द्वारा संगठन के कार्यालय पर एक सार्वजनिक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेसवार्ता मे संगठन से जुड़े कई पदाधिकारी व कार्येकर्ता मौजूद रहे। प्रेसवार्ता मे जनता देश संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारीयो ने बताया की प्रेस वार्ता का मुख्य उदेश्य आने वाली 10 दिसम्बर 2024 को संगठन के पाँचवे स्थापना दिवस पर घोषणा पत्र जारी करना है। उन्होंने संगठन से जुड़े सभी पदाधिकारीयो से आह्वान किया की संगठन को मजबूती प्रदान करें।इस अवसर पर जनता देश संगठन के तमाम पदाधिकारी, संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग पिंकी पवन शिंद, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगे राम कश्यप , राजेवर दास सैनी, मुख्य सलाहकार सुभाष बर्मन प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, बबीता कश्यप, प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग, कविता संगठन मंत्री उमा देवी प्रचार मंत्री, प्रवेश, सुमन देवी आदि सदस्यगण मौजूद रहे।

जेडीएसके पांचवें स्थापना दिवस पर घोषणा पत्र होगा जारी: सुरेश



सहारनपुर। जनता देश संगठन की आयोजित बैठक में आगामी १० दिसंबर को संगठन की स्थापना दिवस पर घोषणा पत्र जारी किए का निर्णय लिया गया। आज हसनपुर चौक, दिल्ली मार्ग स्थित कार्यालय पर आयोजित बैठक में संगठन अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने बताया कि संगठन का मुख्य उद्देश्य आने वाली १० दिसम्बर को संगठन के पाँचवे स्थापना दिवस पर घोषणा पत्र जारी करना है। इस अवसर पर जनता देश संगठन सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग सुश्री पिंकी पवन शिंद (एड.), राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगे राम कश्यप (पूर्व प्रधान), राजेश्वर दास सैनी, मुख्य सलाहकार, सुभाष बर्मन प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, श्रीमति बबीता कश्यप, प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग, श्रीमति कविता संगठन मंत्री, श्रीमति उमा देवी प्रचार मंत्री, श्रीमति प्रवेश विधानसभा अध्यक्ष, श्रीमति सुमन देवी विधानसभा उपाध्यक्ष महिला विंग आदि सदस्य मौजूद रहे।

जिला जज ने किया विद्वान अधिवक्ता

DAT NEWS
हर खबर आप तक
वर्ष : 10 अंक : 280
कानपुर नगर से प्रकाशित
गुरुवार 12 दिसम्बर 2024
पृष्ठ : 08 मूल्य : 2 रुपये

दैनिक अयोध्या टाइम्स
सच्चा आपकी-आवाज हमारी
RNI NO.: UPHIN/2015/67284

गुफरान मलिक
मंडल ब्यूरो चीफ
सहारनपुर मंडल
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें।
9412496725, 7860645182

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, असम/त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान में प्रसारित

सहारनपुर में मनाया गया जनता देश संगठन का पांचवा स्थापना दिवस

रिपोर्ट गुफरान मलिक सहारनपुर मंडल ब्यूरो चीफ दैनिक अयोध्या टाइम्स हिंदी समाचार पत्र। आपको बता दे कि सहारनपुर में जनता देश संगठन का पांचवा स्थापना दिवस मनाया गया है। जनता देश संगठन की स्थापना 10 दिसंबर 2019 में की गई थी जिसकी कोर कमेटी तैयार हुई थी जिसमें सुरेश कुमार फौजी नफे सिंह सहित कई लोग शामिल थे। कार्यक्रम में काफी लोग पहुंचे खासकर महिलाओं ने काफी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

जनता देश संगठन शिक्षा स्वास्थ और रोजगार पर खास ध्यान देता है सहारनपुर के पिलखनी में बने सेखुल हिंद मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज की बहाली के लिए भी जनता देश संगठन ने काफी संघर्ष किया है। 10 दिसंबर 2024 को जनता देश संगठन को चलते हुए पूरे 5 साल हो गए हैं। जिसका सहारनपुर के अंबाला रोड किसान हाउस के पास एक बैंकेट हॉल में पांचवा स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर मोहम्मद एहतेशाम मलिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूरज जी ने की और संचालन मांगेराम ने किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर मोहम्मद एहतेशाम मलिक के साथ कई पार्षद भी कार्यक्रम में शामिल हुए जिनमें डॉक्टर मोहम्मद मोहतसीम पार्षद अहमद मलिक भी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनता देश संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने कहा है कि जनता देश संगठन सर्व समाज के सम्मान व अधिकार की लड़ाई लड़ रहा है। जनता देश संगठन का केवल एक ही मकसद है सर्व समाज को उसका अधिकार पूरे सम्मान के साथ दिया जाए।

कार्यक्रम को जनता देश संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे ने भी संबोधित किया पिंकी पवन शिंदे ने कहा है।

कि जनता देश संगठन भारत की हर मूलभूत समस्याओं पर आवाज उठाएगा उन्होंने कहा है कि सरकार को पढ़ने वाली सभी किताबों से जीएसटी हटानी चाहिए ताकि गरीब के बच्चे भी अच्छी से अच्छी किताब पढ़ सके पिंकी पवन शिंदे ने यह भी कहा है कि दुनिया के किसी भी मुल्क में पढ़ने वाली किताबों पर टैक्स नहीं है लेकिन भारत में पढ़ने वाली किताबों पर भी टैक्स लगा दिया है जिसकी वजह से गरीब के बच्चे किताबें नहीं पढ़ पा रहे हैं यह लगा हुआ टैक्स सरकार को हटाना होगा। इसके अलावा जनता देश संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार को घेरा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर मोहम्मद एहतेशाम मलिक ने कहा है कि जनता देश संगठन के उद्देश्य जनहित में है जनता देश संगठन वो लड़ाई लड़ रहा है जिससे सर्व समाज का विकास होगा हम पूरी तरह से जनता देश संगठन का समर्थन करते हैं।





DAT NEWS
हर खबर आप तक
वर्ष : 10 अंक : 279
कानपुर नगर से प्रकाशित
बुधवार 11 दिसम्बर 2024
पृष्ठ : 08 मूल्य : 2 रुपये

दैनिक अयोध्या टाइम्स
सच्चा आपकी-आवाज हमारी
RNI NO.: UPHIN/2015/67284

गुफरान मलिक
मंडल ब्यूरो चीफ
सहारनपुर मंडल
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें।
9412496725, 7860645182

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, असम/त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान में प्रसारित

सहारनपुर में मनाया गया जनता देश संगठन का पांचवा स्थापना दिवस

रिपोर्ट गुफरान मलिक सहारनपुर मंडल ब्यूरो चीफ दैनिक अयोध्या टाइम्स हिंदी समाचार पत्र। आपको बता दे कि सहारनपुर में जनता देश संगठन का पांचवा स्थापना दिवस मनाया गया है। जनता देश संगठन की स्थापना 10 दिसंबर 2019 में की गई थी जिसकी कोर कमेटी तैयार हुई थी जिसमें सुरेश कुमार फौजी नफे सिंह सहित कई लोग शामिल थे। कार्यक्रम में काफी लोग पहुंचे खासकर महिलाओं ने काफी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। जनता देश संगठन शिक्षा स्वास्थ और रोजगार पर खास ध्यान देता है सहारनपुर के पिलखनी में बने सेखुल हिंद मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज की बहाली के लिए भी जनता देश संगठन ने काफी संघर्ष किया है। 10 दिसंबर 2024 को जनता देश संगठन को चलते हुए पूरे 5 साल हो गए हैं। जिसका सहारनपुर के अंबाला रोड किसान हाउस के पास एक बैंकेट हॉल में पांचवा स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर मोहम्मद एहतेशाम मलिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूरज जी ने की और संचालन मांगेराम ने किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर मोहम्मद एहतेशाम मलिक के साथ कई पार्षद भी कार्यक्रम में शामिल हुए जिनमें डॉक्टर मोहम्मद मोहतसीम पार्षद अहमद मलिक भी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनता देश संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने कहा है कि जनता देश संगठन सर्व समाज के सम्मान व अधिकार की लड़ाई लड़ रहा है। जनता देश संगठन का केवल एक ही मकसद है सर्व समाज को उसका अधिकार पूरे सम्मान के साथ दिया जाए। कार्यक्रम को जनता देश संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे ने भी संबोधित किया पिंकी पवन शिंदे ने कहा है कि जनता देश संगठन भारत की हर मूलभूत समस्याओं पर आवाज उठाएगा उन्होंने कहा है कि सरकार को पढ़ने वाली सभी किताबों से जीएसटी हटानी चाहिए ताकि गरीब के बच्चे भी अच्छी से अच्छी किताब पढ़ सके पिंकी पवन शिंदे ने यह भी कहा है कि दुनिया के किसी भी मुल्क में पढ़ने वाली किताबों पर टैक्स नहीं है लेकिन भारत में पढ़ने वाली किताबों पर भी टैक्स लगा दिया है जिसकी वजह से गरीब के बच्चे किताबें नहीं पढ़ पा रहे हैं यह लगा हुआ टैक्स सरकार को हटाना होगा। इसके अलावा जनता देश संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार को घेरा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर मोहम्मद एहतेशाम मलिक ने कहा है कि जनता देश संगठन के उद्देश्य जनहित में है जनता देश संगठन वो लड़ाई लड़ रहा है जिससे सर्व समाज का विकास होगा हम पूरी तरह से जनता देश संगठन का समर्थन करते हैं।





जनता देश संगठन ने मनाया अपना पांचवा स्थापना दिवस

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन के पांचवें स्थापना दिवस पर महिलाओं को सशक्त करने और युवाओं को रोजगार देने के साथ-साथ जन समस्याओं के निवारण पर रूपरेखा तय की गई अम्बाला रोड़ स्थित किसान फार्म हाउस पिलखनी, में जनता देश संगठन (जेडीएस) ने अपना पाचवा स्थापना दिवस मनाया। स्थापना दिवस के अवसर पर संगठन ने घोषण पत्र जारी किया। घोषणा पत्र जारी करते हुवे जेडीएस संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) साहब ने कहा कि संगठन का घोषणा पत्र देश क बिगड़ते वर्तमान हालातों एवं उनके समाधानों के रूप में विकल्प प्रस्तुत करता है। ताकि देश के नौजवानों को रोजगार, देश के आग नागरिक को अच्छा स्वास्थ्य, उनके बच्चों का अच्छी शिक्षा प्राप्त हो सके। उन्होनें देश की वर्तमान सरकार से अपील की है



कि एक बार घोषणा पत्र को समीक्षा करे ताकि देश के आम नागरिकों की समस्याओं का हल तलाशा जा सके। सगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा मजिला विंग, एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुवे महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव एवं असमानता पर चिंता व्यक्त की और कहा कि सदियों से महिलाएं हिंसा, प्रताडना एव भेदभाव का शिकार हुई हैं। संगठन के स्थापना दिवस पर मुख्य अतिथि डा. अहतेशाम मलिक (पार्षद, एवं जिला कार्यकारणी सदस्य व वरिष्ठ समाजसेवी) ने विषेश रूप संगठन के तमाम पदाधिकारियों व सदस्यगणों का आभार एवं धन्यवाद अदा करते हुवे कहा कि जनता देश संगठन में देश के सभी धर्मों के लोगों का समान रूप से समावेश है। कार्यक्रम को एड़वोकेट रजनीश कुमार, कानूनी सलाहाकार, राजेश्वर दास रानी, मुख्य सलाहाकार, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग श्रीमति बबीता कश्यप, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, चौ. पवन सिंह, जिला पंचायत सदस्य सूरज प्रधान, सभापति दुष्यंत कुमार, मोहनलाल हरियाणा इत्यादि ने विशाल जनसमूह को संबोधित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन राष्ट्रीय प्रवक्ता, पूर्व प्रधान एवं वरिष्ठ समाजसेवी मांगेराम कश्यप ने किया।

स्टेडियम में आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन पर सेंट मेरीज स्कूल की विजेता टीम पुरस्कारों के साथ● सौ. स्टेडियम

लक्ष्य हासिल कर 155 रन बनाए तथा फाइनल मुकाबला जीत विजेता रही। विजेता व उप विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार वितरण उप्र किक बाक्सिंग संघ सचिव अरविंद शेरवालिया ने किया। समीर खान, मुस्तकीम अंसारी, अमित कुमार, शाहरून, शिव नन्दन, विष्णु चाहर, शाकिर, लाल धर्मेन्द्र प्रताप, तन्जीम, सीमा, राकेश व सौरभ रेफरी रहे। अश्वनी कुमार श्रीवास्तव, प्रीति, आदेश आदि उपस्थित रहे।



अंबाला रोड स्थित किसान हाउस में जनता देश संगठन के स्थापना दिवस पर आयोजित समारोह को संबोधित करते राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी● जागरण

जेडीएस ने स्थापना दिवस मनाया

जासं, सहारनपुर : जनता देश संगठन (जेडीएस) ने अपना पांचवां स्थापना दिवस उत्साह के साथ मनाया। साथ ही संगठन का घोषणा पत्र जारी किया। पिलखनी के किसान फार्म हाउस में कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जेडीएस संस्थापक अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने कहा कि संगठन का घोषणा पत्र देश के बिगड़ते हालात एवं उनके समाधानों के विकल्प प्रस्तुत करता है, ताकि नौजवानों को रोजगार, आम नागरिक को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाएं व उनके बच्चों का अच्छी शिक्षा मिल सके। राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव एवं असमानता पर चिंता व्यक्त की। डा. अहतेशाम मलिक कहा कि संगठन में देश के सभी धर्मों के लोगों का समान रूप से समावेश है। इस दौरान एड. रजनीश कुमार, राजेश्वर दास सनी, सुभाष बर्मन, बबीता कश्यप रहे। संचालन मांगेराम कश्यप ने किया।

प्रदर्शन

जनता देश संगठन के कार्यकर्ताओं और समूह सखियों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने की मांग की

अंदर मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक, बाहर चलता रहा हंगामा

संवाद न्यूज एजेंसी

सहारनपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्किट हाउस सभागार में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था को लेकर बैठक की। जबकि जनता देश संगठन के कार्यकर्ता और समूह सखियों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने की मांग को लेकर नारेबाजी कर हंगामा किया। करीब एक घंटा दस मिनट तक चले हंगामे के बाद संगठन के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम सदर और मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात एक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

सोमवार को विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में बैठक की। उनके पहुंचने के करीब 15 मिनट बाद जनता देश संगठन के कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए सर्किट हाउस पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था में लगी पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने संगठन के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर ही रोक दिया। इसे लेकर संगठन के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर हंगामा कर दिया।



सर्किट हाउस पर मुख्यमंत्री की बैठक के दौरान न्याय की मांग करतीं महिलाएं। संवाद

संगठन के संस्थापक सुरेश कुमार फौजी और राष्ट्रीय महासचिव वरिष्ठ नेता पिंकी पवन शिंदे ने कहा कि वे समूह सखियों की विभिन्न मांगों को लेकर पिछले छह माह से संघर्ष कर रहे हैं। उन्हें मुख्यमंत्री या जिलाधिकारी को ही ज्ञापन सौंपना है। एसडीएम सदर सुबोध कुमार के काफी देर तक समझाने के बाद उन्होंने बमुश्किल ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में उन्होंने समूह सखियों का वेतन आठ सौ रुपये से बढ़ाकर ग्रुप डी कर्मचारी के बराबर 18 हजार रुपये मासिक करने, विभाग में महिलाओं की स्थायी नियुक्ति करने और इन महिलाओं को मातृत्व लाभ अधिनियम के तहत संपूर्ण सुविधाएं दिलाने की मांग की।

साहब कार्रवाई के लिए दो माह से भटक रहीं हूं

पति की असामायिक मृत्यु के आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर बड़ौत निवासी दिशा अपने बेटे और परिजनों के साथ सर्किट हाउस पहुंची। पुलिसकर्मियों द्वारा बाहर ही रोके जाने पर उन्होंने कहा कि कार्रवाई की मांग को लेकर वह पिछले दो माह से भटक रही है। आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी आरोपियों को बचा रहे हैं। काफी जद्दोजहद के बाद उसका ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट गजेंद्र कुमार ने लिया।

मकान खाली कराने की मांग को लेकर पहुंची नेशनल खिलाड़ी

नेशनल खेलों में पदक जीतने का दावा करने वाली ईदगाह रोड निवासी प्रीति भारद्वाज भी मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के लिए पहुंची। अंदर जाने से रोकने पर प्रीति ने बताया कि काफी समय पहले उनके बुजुर्गों ने लीज पर मिले मकान के एक कमरे को पुलिस चौकी के लिए दिया था। आरोप लगाया कि अब उनके मकान पुलिस वाले खाली नहीं कर रहे हैं।

AMAR UJALA, Dt. 18/03/25, Page No- 02

पंजाब केसरी
MON,16 SEPTEMBER 2024
EDITION: UTTAR PRADESH KESARI, PAGE NO. 1

समूह-सखी महिलाओं की समस्याओं को लेकर डी.एम. को सौंपा ज्ञापन

सहारनपुर, 15 सितम्बर (ब्यूरो): जनता देश संगठन के बैनर तले समूह-सखी महिलाओं ने धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा और समस्याओं के समाधान की मांग की। जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में बताया कि समूह-सखी महिलाओं जोकि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत है उनको उचित वेतन नहीं मिल रहा है जबकि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है तथा इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रुपए प्रतिमाह प्राप्त होता।

शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्राम में होने वाला खर्च यह स्वयं निर्वहन करती हैं जिस कारण से यह महिलाएं अपना जीवन-यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही हैं। जनता देश संगठन ने समूह-सखी महिलाओं को बेसिक वेतन 18 हजार रुपए पति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार उपरोक्त महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है तो संगठन कड़े कदम उठाने को मजबूर होगा।



सहारनपुर: धरना देती महिलाएं। (संजय)

ज्ञापन देने वालों में संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग पिंकी पवन शिंदे, बबीता देवी कश्यप, अध्यक्षा समूह-सखी रोजेश्वर दास सैनी, मुख्य सलाहकार मंडल अध्यक्ष अनुज कर्णवाल, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी मानविक सिंह व रश्मी सैनी आदि शामिल रहे।

पंजाब केसरी
TUE,15 OCTOBER 2024
EDITION: UTTAR PRADESH KESARI, PAGE NO. 1

समूह-सखी महिलाओं को उचित वेतन दिए जाने की मांग, जे.डी.एस. ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

सहारनपुर, 14 अक्तूबर (ब्यूरो): समूह-सखी महिलाओं को उचित वेतन दिए जाने की मांग को लेकर जनता देश संगठन ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को एक ज्ञापन प्रेषित किया।

हकीकत नगर स्थित रामलीला मैदान में धरना देते हुए जनता देश संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन देते हुए कहा कि समूह-सखी महिलाओं, जो कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत है, उनको उचित वेतन नही मिल रहा है। जबकि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है।

इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रुपए प्रतिमाह दिया जाता है जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या कार्यक्रम में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती हैं जिस कारण यह महिलाएं अपना जीवन यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही है।

जनता देश संगठन ने समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रुपए प्रतिमाह करने, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत सम्पूर्ण सुविधाएं प्राप्त होने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि सरकार महिलाओं की समस्याओं का समाधान नहीं करती है तो संगठन कड़े कदम उठाने को मजबूर होगा।

इस अवसर पर संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला विंग सुश्री पिंकी पवन शिंदे, श्रीमती बबीता देवी कश्यप, अध्यक्षा समूह-सखी रोजेश्वर दास सैनी, मुख्य सलाहकार जे.डी.एस. प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, कविता, ऊषा, फूलबानो, अनिता, उमा देवी, दीपमाला, कोमल, सोनिया, मधुबाला, संजीता आदि मौजूद रहे।



हकीकत नगर स्थित रामलीला मैदान में धरना देती समूह-सखी महिलाएं एवं संगठन के पदाधिकारी। (संजय)

सखी समूह ने मांगा 18 हजार रुपये वेतन

जागरण संवाददाता, सहारनपुरः राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत समूह सखी महिलाओं का वेतन 18 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने और स्थाई नियुक्ति दिए जाने की मांग को लेकर जनता देश संगठन ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

जनता देश संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन सिदे के नेतृत्व में सोमवार को समूह सखी से जुड़ी महिलाएं हकीकत नगर स्थित धरनास्थल पर एकत्र हुई। धरने के बाद महिलाएं कलेक्ट्रेट पहुंचीं और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशिक्षु अधिकारी अपूर्वा को दिया। ज्ञापन में कहा कि समूह सखी महिलाओं को मात्र 800 रुपये मानदेय दिया जाता है। बेसिक वेतन 18 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग रखी। अध्यक्ष सुरेश कुमार, प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, बबीता देवी कश्यप, राजेश्वर, सुभाष बर्मन,



धरना स्थल पर मांगो को लेकर जनता देश संगठन के बैनर तले प्रदर्शन करती समूह सखी की महिलाएं ● जागरण

कविता, उषा, फूलबानो, अनिता, उमा देवी, दीपमाला, कोमल, सोनिया, मधुबाला, संगीता आदि मौजूद रही।

पदोन्नति एवं एएसपी देने की मांग

सहारनपुर : न्यू माधोनगर निवासी रहतूलाल ने मुख्य सचिव वन विभाग के नाम भेजे ज्ञापन में कहा कि उसके बेटे पुष्पेंद्र कुमार लेमन वन विभाग में कनिष्ठ सहायक हैं, जिसे 30 सितंबर 2024 को 17 वर्ष दो माह सेवा में पूरे हो गए। वन विभाग के मंडलीय स्तर कार्यालय में जिन कर्मचारियों की सेवा 10 वर्ष से कम की है, उनकी पदोन्नति की गई है। परंतु पुष्पेंद्र की सेवा 17 वर्ष से भी अधिक होने पर भी उसको द्वितीय एएसपी एवं पदोन्नति नहीं दी गई।

दैनिक जागरण 15/10/2024 पेज 4

15/10/2024 जनवाणी Page-6

मांगों को लेकर प्रदर्शन कर जेडीएस ने सौंपा ज्ञापन

समूह सखी महिलाओं को उचित वेतन नहीं मिल रहा

● जनवाणी संवाददाता, सहारनपुर

जनता देश संगठन (जेडीएस) के कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। वही समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त सम्बंधी मांगो को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन सहारनपुर के जिलाधिकारी को सौपा। जनता देश संगठन (जेडीएस) के कार्यकर्ताओं ने धरना स्थल पर एकत्र होकर जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन में मांग करी कि समूह सखी महिलाओं को उचित वेतन नही मिल रहा है। जब कि इन समूह सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। तथा इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। जब कि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह सखी स्वयं से निवहन करती



मांगो को लेकर प्रदर्शन करती महिलाएं।

है। जिस कारण यह महिलाएं अपना जीवन-यापन उचित रूप जीवन-यापन नही कर पा रही है। संगठन समूह-सखी महिलाओं की निम्नलिखित मांगों का समर्थन करता है और सरकार से यह मांग करता है कि समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है। तो संगठन कड़े कदम उठाने को मजबूर होगा।

इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगे राम कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग पिंकी पवन शिदि, समूह-सखी संघर्ष समिति (एस-4) जिला सहारनपुरकी अध्यक्षा बबीता कश्यप, जेडएस के मुख्य सलाहकार रोजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, समूह सखी कविता, उषा, फूल बानो, अनिता,उमा देवी, दीपमाला, कोमल, सोनिया, मधुबाला, संजीता, आदि मौजूद रही।

समूह सखियों ने की मानदेय देने की मांग

संवाद न्यूज एजेंसी

सहारनपुर। जनता देश संगठन के नेतृत्व में समूह सखियों ने कलक्ट्रेट में प्रदर्शन पर जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने कहा कि समूह सखियों को उचित मानदेय देना चाहिए; जो वेतन मिलता है, उसमें परिवार का पालन-पोषण नहीं हो सकता।

सोमवार को जनता देश संगठन की महिला विंग की राष्ट्रीय महासचिव अधिवक्ता पिंकी पवन शिंदे ने कहा कि समूह सखियों से हर क्षेत्र में काम कराया जाता है, लेकिन उनको वेतन न के बराबर मिलता है, जबकि समूह सखियां पूरी मेहनत के साथ कार्य करती हैं। उन्होंने कहा कि जनता देश संगठन समूह-सखी महिलाओं का



हकीकत नगर धरना स्थल पर धरना प्रदर्शन करते जनता देश संगठन के कार्यकर्ता। संवाद

पूरी तरह समर्थन करती हैं। सरकार ने अगर समस्या का समाधान नहीं किया तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

इस दौरान सुरेश कुमार, मांगेराम कश्यप, बबीता देवी कश्यप, राजेश्वर दास सैनी, सुभाष बर्मन, कविता, फुलबानों अनिता, उमा देवी, दीपमाला, कोमल, मधुबाला, सोनिया, संगीता मौजूद रहे।

16 अक्टूबर 2024 अमर उजाला Page 8



शनिवार को सहारनपुर में हकीकत नगर स्थित श्री रामलीला मैदान में धरना देते जनता देश संगठन के कार्यकर्ता।

समूह सखी को स्थाई नियुक्ति देने की मांग

सहारनपुर। जनता देश संगठन के बैनर तले समूह सखी महिलाओं ने स्थाई नियुक्ति देने की मांग की है। मुख्यमंत्री के नाम दिए ज्ञापन में समूह सखी महिलाओं ने कहा कि वह राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत कार्यरत हैं और उनसे अलग अलग क्षेत्रों में काम लिया जाता है लेकिन वेतन के नाम पर महज 800 रुपए मिलते हैं। कहा उन्हें स्थाई नियुक्ति के साथ 18 हजार वेतन दिया जाए। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश फौजी, समूह सखी की अध्यक्ष बबिता कश्यप, राजेश्वर सैनी, राष्ट्रीय महासचिव पिंकी पवन शिंदे, मीनाक्षी रहे।

सखी समूह ने मांगा 18 हजार रुपये वेतन

जागरण संवाददाता, सहारनपुरः राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत समूह सखी महिलाओं का वेतन 18 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने और स्थाई नियुक्ति दिए जाने की मांग को लेकर जनता देश संगठन ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

जनता देश संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन सिदे के नेतृत्व में सोमवार को समूह सखी से जुड़ी महिलाएं हकीकत नगर स्थित धरनास्थल पर एकत्र हुई। धरने के बाद महिलाएं कलेक्ट्रेट पहुंचीं और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशिक्षु अधिकारी अपूर्वा को दिया। ज्ञापन में कहा कि समूह सखी महिलाओं को मात्र 800 रुपये मानदेय दिया जाता है। बेसिक वेतन 18 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग रखी। अध्यक्ष सुरेश कुमार, प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, बबीता देवी कश्यप, राजेश्वर, सुभाष बर्मन, कविता, उषा, फूलबानो, अनिता, उमा देवी, दीपमाला, कोमल, सोनिया, मधुबाला, संगीता आदि मौजूद रही।



धरना स्थल पर मांगों को लेकर जनता देश संगठन के बैनर तले प्रदर्शन करतीं समूह सखी की महिलाएं ● जागरण

पदोन्नति एवं एएसपी देने की मांग

सहारनपुर : न्यू माधोनगर निवासी रहतूलाल ने मुख्य सचिव वन विभाग के नाम भेजे ज्ञापन में कहा कि उसके बेटे पुष्पेंद्र कुमार लेमन वन विभाग में कनिष्ठ सहायक हैं, जिसे 30 सितंबर 2024 को 17 वर्ष दो माह सेवा में पूरे हो गए। वन विभाग के मंडलीय स्तर कार्यालय में जिन कर्मचारियों की सेवा 10 वर्ष से कम की है, उनकी पदोन्नति की गई है। परंतु पुष्पेंद्र की सेवा 17 वर्ष से भी अधिक होने पर भी उसको द्वितीय एएसपी एवं पदोन्नति नहीं दी गई।

दैनिक जागरण 15/10/2024 पेज-4

15/10/2024 जनवाणी Page - 6

मांगों को लेकर प्रदर्शन कर जेडीएस ने सौंपा ज्ञापन

समूह सखी महिलाओं को उचित वेतन नहीं मिल रहा

● जनवाणी संवाददाता, सहारनपुर

जनता देश संगठन (जेडीएस) के कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों को लेकर जमकर प्रदर्शन किया। वही समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त सम्बंधी मांगो को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन सहारनपुर के जिलाधिकारी को सौपा। जनता देश संगठन (जेडीएस) के कार्यकर्ताओं ने धरना स्थल पर एकत्र होकर जमकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन में मांग करी कि समूह सखी महिलाओं को उचित वेतन नही मिल रहा है। जब कि इन समूह सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। तथा इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। जब कि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह सखी स्वयं से निवहन करती



मांगों को लेकर प्रदर्शन करती महिलाएं।

है। जिस कारण यह महिलाएं अपना जीवन-यापन उचित रूप जीवन-यापन नही कर पा रही है। संगठन समूह-सखी महिलाओं की निम्नलिखित मांगों का समर्थन करता है और सरकार से यह मांग करता है कि समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है। तो संगठन कड़े कदम उठाने को मजबूर होगा।

इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगे राम कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग पिंकी पवन शिंदे, समूह-सखी संघर्ष समिति (एस-4) जिला सहारनपुरकी अध्यक्षा बबीता कश्यप, जेडएस के मुख्य सलाहकार रोजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, समूह सखी कविता, उषा, फूल बानो, अनिता,उमा देवी, दीपमाला, कोमल, सोनिया, मधुबाला, संजीता, आदि मौजूद रही।

स्थायी नियुक्ति व वेतन बढ़ाने को लेकर किया प्रदर्शन

▶▶जनता देश संगठन ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा



सहारनपुर (दैनिक हाक) : जनता देश संगठन के कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगो को लेकर जिला मुख्यालय पर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया तथा मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपये प्रतिमाह किए जाने की मांग की। जनता देश संगठन के कार्यकर्ता हकीकत नगर स्थित धरना स्थल पर एकत्र हुए तथा अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए संगठन के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने कहा कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन के तहत स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत समूह सखी महिलाओं को उचित वेतन नहीं मिल रहा है, जबकि इन महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। तथा इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। उनका कहना था कि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च समूह सखी अपनी जेब से करती है, जिस कारण यह महिलाएं अपना जीवन-यापन उचित रूप नही कर पा रही है।

राष्ट्रीय महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्षा सुश्री पिंकी पवन सिंदे ने मांग की कि समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नही करती है। तो संगठन कड़े कदम उठाने को मजबूर होगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगे राम कश्यप, समूह सखी संघर्ष समिति की जिला अध्यक्ष बबीता कश्यप, जेडएस के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, समूह सखी कविता, उषा, फूल बानो, अनिता, उमा देवी, दीपमाला, कोमल, सोनिया, मधुबाला, संजीता, आदि मौजूद रही।

सखी समूह ने मांगा 18 हजार रुपये वेतन

जागरण संवाददाता, सहारनपुरः राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत समूह सखी महिलाओं का वेतन 18 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने और स्थाई नियुक्ति दिए जाने की मांग को लेकर जनता देश संगठन ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

जनता देश संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन सिदे के नेतृत्व में सोमवार को समूह सखी से जुड़ी महिलाएं हकीकत नगर स्थित धरनास्थल पर एकत्र हुई। धरने के बाद महिलाएं कलेक्ट्रेट पहुंचीं और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशिक्षु अधिकारी अपूर्वा को दिया। ज्ञापन में कहा कि समूह सखी महिलाओं को मात्र 800 रुपये मानदेय दिया जाता है। बेसिक वेतन 18 हजार रुपये प्रतिमाह, करने की मांग रखी। अध्यक्ष सुरेश कुमार, प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, बबीता देवी कश्यप, राजेश्वर, सुभाष बर्मन,



धरना स्थल पर मांगों को लेकर जनता देश संगठन के बैनर तले प्रदर्शन करतीं समूह सखी की महिलाएं ● जागरण

कविता, उषा, फूलबानो, अनिता, उमा देवी, दीपमाला, कोमल, सोनिया, मधुबाला, संगीता आदि मौजूद रही।

पदोन्नति एवं एएसपी देने की मांग

सहारनपुर : न्यू माधोनगर निवासी रहतूलाल ने मुख्य सचिव वन विभाग के नाम भेजे ज्ञापन में कहा कि उसके बेटे पुष्पेंद्र कुमार लेमन वन विभाग में कनिष्ठ सहायक हैं, जिसे 30 सितंबर 2024 को 17 वर्ष दो माह सेवा में पूरे हो गए। वन विभाग के मंडलीय स्तर कार्यालय में जिन कर्मचारियों की सेवा 10 वर्ष से कम की है, उनकी पदोन्नति की गई है। परंतु पुष्पेंद्र की सेवा 17 वर्ष से भी अधिक होने पर भी उसको द्वितीय एएसपी एवं पदोन्नति नहीं दी गई।

मानदेय वृद्धि व नियमितीकरण की मांग को लेकर समूह सखियों ने किया धरना-प्रदर्शन

दैनिक अयोध्या टाइम्स–
सहारनपुर। जनता देश संगठन व समूह सखी संघर्ष समिति से जुड़ी महिलाओं ने विभिन्न मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर नारेबाजी के बीच प्रदर्शन धरना दिया तथा प्रदर्शन करते हुए धरने पर बैठ गई। इस दौरान जनता देश संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौपते हुए कहा कि समूह सखी महिलाओं उचित नहीं है। जबकि महानगर में होने वाली किसी भी बैठकव्कार्यक्रम में उनके कम से कम 50 रूपए प्रतिदिन खर्च हो जाते है जो उन्हें स्वयं निर्वहन करना पड़ता है। इस कावरण यह महिलाएं अपना जीवन सरकार महिलाओं की मांगों क समाधान नहीं करती तो संगठन कड़ा उठाने को मजबूर होगा। धरना–प्रदर्शन व ज्ञापन सौपने वालो में राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय



मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौपकर समस्याओं का समाधान कराए जाने की मांग की।
समूह सखी संघर्ष समिति से जुड़ी महिलाएं आज जनता देश संगठन के बैनर तले जिला मुख्यालय पहुंची जहां उन्होंने हकीकत नगर स्थित धरना स्थल पर नारेबाजी के बीच जोकि पिछले काफी सालों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत है, को उचित वेतन नही मिल रहा है। जबकि इन समूह सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन्हें बहुत ही न्यूनतन वेतन 800 रूपए प्रति माह दिया जाता है जोकि बिल्कुल भी यापन सही तरीके से नहीं कर पा रही है। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार से मांग की कि समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह किया जाए तथा विभाग में स्थायी नियुक्ति कर सभी सुविधाएं दिलाई जानी चाहिए। समूह सखी संघर्ष समिति की अध्यक्ष बबीता कश्यप ने कहा कि यदि अध्यक्षा महिला विंग सुश्री पिंकी पवन शिंदे, श्रीमती बबीता देवी कश्यप, अध्यक्षा समूह सखी राजेश्वर दास सैनी, मुख्य सलाहकार जेडीएस प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बर्मन, समूह सखी कविता, उषा, फूलबानो, अनीता, उमा देवी, दीपमाला, कोमल, सोनिया, मधुबाला, संजीता आदि मौजूद रही।

शहर 30S

वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन

सहारनपुर। जनता देश संगठन द्वारा हकीकतनगर स्थित धरनास्थल पर प्रदर्शन किया गया। मांगों को लेकर डीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन कर रही समूह सखी महिलाओं ने कार्य अनुसार वेतन ना मिलने पर नाराजगी जाहिर की। जनता देश संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगे राम कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव पिंकी पवन शिंदे, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, सहारनपुर समूह सखी संघर्ष समिति अध्यक्ष बबीता कश्यप, रोजेश्वर दास सैनी, समूह सखी कविता, उषा, उमा रहीं।

समूह सखी ने लगाया एडीओ पर भ्रष्टाचार का आरोप

गंगोह। समूह सखी की दूसरी ट्रेनिंग के 20 हजार रुपये देने से इनकार पर ब्लाक में तैनात एडीओ पंचायत को नामजद कर अभद्रता करने व पद से हटाने की धमकी देने का आरोप लगाया है। कोतवाली में दी गई तहरीर में मेनका पत्नी संजीव निवासी ग्राम माधोपुर ने कहा कि वह समूह सखी के पद पर कार्यरत हैं। आरोप है कि 11 अक्टूबर को एडीओ के बुलावे पर वह साथी के साथ गई तो एडीओ ने दुर्व्यवहार किया। एडीओ अमित कुमार ने आरोपों को निराधार बताया।

मानदेय वृद्धि व नियमितीकरण की मांग को लेकर समूह सखियों ने किया धरना-प्रदर्शन



विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन व समूह सखी संघर्ष समिति से जुड़ी महिलाओं ने विभिन्न मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर नारेबाजी के बीच प्रदर्शन धरना दिया तथा मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपकर समस्याओं का समाधान कराए जाने की मांग की। समूह सखी संघर्ष समिति से जुड़ी महिलाएं आज जनता देश संगठन के बैनर तले जिला मुख्यालय पहुंची जहां उन्होंने हकीकत नगर स्थित धरना स्थल पर नारेबाजी के बीच प्रदर्शन करते हुए धरने पर बैठ गई। इस दौरान जनता देश संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपते हुए कहा कि समूह सखी महिलाओं जोकि पिछले काफी सालों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत हैं, को उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जबकि इन समूह सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन्हें बहुत ही न्यूनतन वेतन 800 रूपए प्रति माह दिया जाता है जोकि बिल्कुल भी उचित नहीं है। जबकि महानगर में होने वाली किसी भी बैठक/कार्यक्रम में उनके कम से कम 50 रूपए प्रतिदिन खर्च हो जाते हैं जो उन्हें स्वयं निर्वहन करना पड़ता है। इस कावरण यह महिलाएं अपना जीवन यापन सही तरीके से नहीं कर पा रही है। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार से मांग की कि समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह किया जाए तथा विभाग में स्थायी नियुक्ति कर सभी सुविधाएं दिलाई जानी चाहिए। समूह सखी संघर्ष समिति की अध्यक्ष बबीता कश्यप ने कहा कि यदि सरकार महिलाओं की मांगों क समाधान नहीं करती तो संगठन कड़ा उठाने को मजबूर होगा। धरना-प्रदर्शन व ज्ञापन सौंपने वालों में राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग सुश्री पिंकी पवन शिंदे, श्रीमती बबीता देवी कश्यप, अध्यक्षा समूह सखी राजेश्वर दास सैनी, मुख्य सलाहकार जेडीएस प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बर्मन, समूह सखी कविता, उषा, फूलबानो, अनीता, उमा देवी, दीपमाला, कोमल, सोनिया, मधुबाला, संजीता आदि मौजूद रही।

अयोध्या में हर वर्ष

पंजाब केसरी
MON,07 JULY 2025
EDITION: UTTAR PRADESH , PAGE NO. 1

प्रदेश सरकार द्वारा प्राइमरी स्कूल बंद किए जाने का निर्णय गैर संवैधानिक है: सुरेश कुमार फौजी



पत्रकारों से वार्ता करते राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी। (संजय)

सहारनपुर, 6 जुलाई (ब्यूरो): जे.जे. पुरम स्थित जनता देश संगठन कार्यालय पर एक प्रैसवार्ता हुई जिसमें पत्रकारो को जानकारी देते हुए संस्था एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा राज्य में 5000 प्राइमरी स्कूल बंद किया जाने का निर्णय गैर संवैधानिक तथा अनुच्छेद 21 ए का खुला उल्लंघन है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के विरुद्ध है। जो राज्य के लाखों बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

उन्होंने कहा कि देश की आने वाली पीढ़ी को निरक्षर रखने की इस योजना का जनता देश संगठन कड़ा विरोध करता है और यह मांग करता है कि सरकार अपने इस फैसले को तुरंत वापस ले। अन्यथा संगठन राज्य सरकार के खिलाफ पूरे राज्य में शिक्षा बचाओ देश बचाओ महा आंदोलन शुरू करेगा।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पहले भी प्राइमरी स्कूलों में फेर बदल कर चुकी है। जिसके चलते हजारों शिक्षकों के रोजगार समाप्त हो चुके हैं। सरकार को देश और राज्य के आम नागरिकों के समक्ष यह स्पष्ट करना चाहिए कि प्राइमरी स्कूलों को बंद करने के कारण क्या है, तथा साथ ही यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि जिन बच्चों को शिक्षा से वंचित रखा जा रहा है, उनके भविष्य का निवारण क्या है। क्या भविष्य में सरकार द्वारा संचालित माध्यमिक, उच्च माध्यमिक तथा विश्वविद्यालय को भी बंद करने की योजना है क्योंकि अधिकतर सरकार शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत ना तो मानक पूरे हैं और नहीं उच्च स्तरीय सुविधाएं, जहां पर देश की युवा पीढ़ी अच्छी शिक्षा ग्रहण कर भविष्य में आगे बढ़ सके। संगठन देश और राज्य के तमाम संगठनों तथा राजनीतिक पार्टियों से यह अपील करता है कि देश वंचितों तथा निर्धन बच्चों के भविष्य के सुधार के लिए सभी दल एक साथ आएं।

इस अवसर पर जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, अर्जुन सिंह, सुमित कुमार, अजय सिंह तथा वरिष्ठ समाज सेवी बलबीर गौतम इत्यादि मौजूद रहे।

5000 प्राइमरी स्कूल बंद करने के खिलाफ जेडीएस का कड़ा विरोध



जनवाणी संवाददाता,सहारनपुर

जनता देश संगठन (जेडीएस) ने रविवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश सरकार के 5000 प्राइमरी स्कूल बंद करने के फैसले की कड़ी निंदा की। संगठन ने इसे असंवैधानिक और संविधान के अनुच्छेद 21अ तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 का खुला उल्लंघन करार दिया। खऊ ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने यह फैसला तुरंत वापस नहीं लिया, तो संगठन पूरे राज्य में ₹शिक्षा बचाओ देश बचाओं महा आंदोलन शुरू करेगा। जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार ने कहा कि यह फैसला लाखों बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकार भविष्य में माध्यमिक, उच्च माध्यमिक स्कूलों और विश्वविद्यालयों को भी बंद करने की योजना बना रही है। प्रेस वार्ता में खऊ के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, अर्जुन सिंह, अजय सिंह और वरिष्ठ समाजसेवी बलबीर गौतम आदि रहे।

जिला मुख्यालय पर गरजीं समूह सखी

भास्कर ब्यूरो



सहारनपुर। जनता देश संगठन व समूह सखी संघर्ष समिति से जुड़ी महिलाओं ने विभिन्न मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर नारेबाजी के बीच प्रदर्शन धरना दिया तथा मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपकर समस्याओं का समाधान कराए जाने की मांग की। समूह सखी संघर्ष समिति से जुड़ी महिलाएं आज जनता देश संगठन के बैनर तले जिला मुख्यालय पहुंची जहां उन्होंने हकीकत नगर स्थित धरना स्थल पर नारेबाजी के बीच प्रदर्शन करते हुए धरने पर बैठ गई। इस दौरान जनता देश संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपते हुए कहा कि समूह सखी महिलाओं जोकि पिछले काफी सालों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत हैं, को उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जबकि इन समूह सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन्हें बहुत ही न्यूनतन वेतन 800 रूपए प्रति माह दिया जाता है जोकि बिल्कुल भी उचित नहीं है। जबकि महानगर में होने वाली किसी भी बैठक/कार्यक्रम में उनके कम से कम 50 रूपए प्रतिदिन खर्च हो जाते हैं जो उन्हें स्वयं निर्वहन करना पड़ता है। इस कावरण यह महिलाएं अपना जीवन यापन सही तरीके से नहीं कर पा रही है। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार से मांग की कि समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह किया जाए तथा विभाग में स्थायी नियुक्ति कर सभी सुविधाएं दिलाई जानी चाहिए। समूह सखी संघर्ष समिति की अध्यक्ष बबीता कश्यप ने कहा कि यदि सरकार महिलाओं की मांगों क समाधान नहीं करती तो संगठन कड़ा उठाने को मजबूर होगा। धरना-प्रदर्शन व ज्ञापन सौंपने वालों में राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग सुश्री पिंकी पवन शिंदे, श्रीमती बबीता देवी कश्यप, अध्यक्षा समूह सखी राजेश्वर दास सैनी, मुख्य सलाहकार जेडीएस प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बर्मन, समूह सखी कविता, उषा, फूलबानो, अनीता, उमा देवी, दीपमाला, कोमल, सोनिया, मधुबाला, संजीता आदि मौजूद रही।

पंजाब केसरी
WED,15 JANUARY 2025
EDITION: UTTAR PRADESH KESARI, PAGE NO. 1

जनता देश संगठन के बैनर तले मांगों को लेकर समूह-सखी महिलाओं ने दिया धरना



हकीकत नगर रामलीला मैदान में धरना देती महिलाएं। (संजय)

सहारनपुर, 14 जनवरी (ब्यूरो): हकीकत नगर स्थित रामलीला मैदान में मांगों को लेकर आज जनता देश संगठन द्वारा धरना दिया गया। बाद में मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से राज्य सरकार से यह मांग की गई कि समूह-सखी महिलाएं जोकि पिछले कई वर्षो से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत है, उनको उचित वेतन नहीं मिल रहा है जबकि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है तथा इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रुपए प्रतिमाह दिया जाता है जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या कार्यक्रम में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती हैं जिस कारण यह महिलाएं अपना जीवन-यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही हैं। जनता देश संगठन ने सरकार से समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रुपए प्रतिमाह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत सम्पूर्ण सुविधाएं दिए जाने की मांग की।

इस दौरान संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग एड. पिंकी पवन शिंदे, रोजेश्वर दास सैनी, सुभाष बर्मन, सौरभ सिंह, बॉबी कुमार, बंटी कुमार, बबीता देवी कश्यप, रश्मि, सोनिया, मुनेश, रीना, सुमन, लता, प्रवेश, सुमन देवी आदि मौजूद रहे।

समूह-सखी महिलाओं को 18 हजार वेतन दिलाने की मांग को जेडीएस ने दिया धरना।

उत्तर प्रदेश संवाद

ब्यूरो खुशनवाज़ खान जनपद सहारनपुर समूह-सखी महिलाओं ने वेतन न बढ़ने पर सरकार को अगले चुनाव में बड़ा खामियाजा भुगतने की दी चेतावनी।सहारनपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत कार्यरत समूह-सखी महिलाओं के मानदेय में वृद्धि की मांग को लेकर जनता देश संगठन (जेडीएस) ने नगर मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपा। हकीकत नगर स्थित रामलीला मैदान में धरने को सम्बोधित करते हुए संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फ़ौजी ने कहा कि वर्तमान में इन महिलाओं को प्रतिमाह मात्र 800 रुपये मिलते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा। उन्होंने कहा कि समूह-सखी महिलाएं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा, पशु टीकाकरण, मिशन अंत्योदय, पोषण वाटिका और विधवा-वृद्ध महिलाओं की सर्वे रिपोर्ट जैसे अनेक





सरकारी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे गांवों में महिला समूह बनाने, बैंक से ऋण वितरण कराने और उसकी वसूली तक की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके बावजूद, उन्हें न तो उचित मानदेय मिलता है और न ही स्थायी नियुक्ति का दर्जा। उन्होंने ज्ञापन मे समूह-सखी महिलाओं को ग्रुप-डी कर्मचारी के समान 18 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन देना, विभाग में उनकी स्थायी नियुक्ति और सम्मानजनक पद सुनिश्चित करना, तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की।इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग एवं अध्यक्षा समूह-सखी संघर्ष समिति श्रीमति बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिह, मिड़िया प्रभारी बॉबी कुमार सिंह,, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, आदि सदस्यगण मौजूद रहे।

गर



समूह-सखी महिलाओं को उचित वेतन व स्थायी नियुक्ति की मांग, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) के पदाधिकारियों ने मंगलवार को जिला अधिकारी सहारनपुर के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत कार्यरत समूह-सखी महिलाओं को उचित वेतन, स्थायी नियुक्ति एवं अन्य सुविधाएं प्रदान किए जाने की मांग की गई। संगठन ने बताया कि समूह-सखी महिलाएं बीमा योजनाओं, पशु टीकाकरण, मिशन अंत्योदय जैसी कई सरकारी योजनाओं में सक्रिय रूप से कार्यरत हैं, बावजूद इसके उन्हें मात्र ७800 प्रतिमाह का अल्प वेतन दिया जाता है। साथ ही मीटिंगों व कार्यक्रमों में आने-जाने का खर्च भी उन्हें स्वयं वहन



करना पड़ता है, जिससे उनके जीवन-यापन में कठिनाइयां उत्पन्न हो रही हैं। जनता देश संगठन ने सरकार से समूह-सखी महिलाओं को 18,000 रूपए मासिक वेतन, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत समस्त सुविधाएं देने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो वह आंदोलनात्मक कदम उठाने को बाध्य होगा, जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन एवं राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, जिला उपाध्यक्ष, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार सिंह, श्रीमती बबीता कश्यप, अध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे।



सहारनपुर मे समूह-सखी महिलाओं को 800 रुपये मानदेयः सहारनपुर में जनता देश संगठन ने सीएम को भेजा ज्ञापन, 18 हजार वेतन मांगा

जनमत की पुकार :-मंगलवार को सहारनपुर में जनता देश संगठन (जेडीएस) ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत कार्यरत समूह-सखी महिलाओं के मानदेय में वृद्धि की मांग की है। वर्तमान में इन महिलाओं को प्रतिमाह मात्र 800 रुपये मिलते हैं, जिसे संगठन ने जीवन-यापन के लिए अपर्याप्त बताया है। जेडीएस के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी और प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन ने बताया कि समूह-सखी महिलाएं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा, पशु टीकाकरण, मिशन अंत्योदय, पोषण वाटिका और विधवा-वृद्ध महिलाओं की सर्वे रिपोर्ट जैसे अनेक सरकारी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे गांवों में महिला समूह बनाने, बैंक से ऋण वितरण कराने और उसकी वसूली तक की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके बावजूद, उन्हें न तो उचित मानदेय मिलता है और न ही स्थायी नियुक्ति का दर्जा। संगठन ने ज्ञापन में तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें समूह-सखी महिलाओं को ग्रुप-डी कर्मचारी के इनमें समूह-सखी महिलाओं को ग्रुप-डी कर्मचारी के समान 18 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन देना, विभाग में उनकी स्थायी नियुक्ति और सम्मानजनक पद सुनिश्चित करना, तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल है। संगठन की अध्यक्ष बबीता कश्यप ने कहा कि समूह-सखी महिलाएं अपने खर्च पर बैठकों और कार्यक्रमों में हिस्सा लेती हैं। 800 रुपये प्रतिमाह के मानदेय में उनका जीवन-यापन संभव नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा। ज्ञापन सौंपते समय मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मंडल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरम सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। संगठन ने सरकार से इन महिलाओं की मेहनत और महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए उन्हें सम्मानजनक वेतन और सुरक्षा का अधिकार प्रदान करने की मांग की है, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकें।

शोकसभा में सर्वसमाज के लोगों ने मृत्यु भोज बंद करने लिया फैसला

(डॉ. मुस्तकीम राव)

सहारनपुर। जनता देश संगठन के बैनर तले तथा पूर्व प्रधान पवन सिंह के सानिध्य में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए सर्वसमाज के लोगों ने मृत्यु भोज को पूर्ण रूप से बंद करने का फैसला लिया है। पूर्व प्रधान चतरसाली श्रीमति सुमित्रा देवी ने कहा कि महिलाओं को चाहिये कि वह सब भी इस कुप्रथा को समाप्त करने हेतू महिलाओं का जागरूक करें ताकि समाज में सामंजस्य बना रहे। बता दें कि गत 16 जनवरी 2024 को ग्राम चतरसाली में पर्व प्रधान के छोटे भाई नरेन्द्र कुमार (फौजी) का निधन हो गया था। इसलिए 18 जनवरी को एक शौक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें गांव



के सर्वसमाज ने यह निर्णय लिया। विदित हो कि ग्राम चतरसाली वही गांव है जिसे बसपा के शासनकाल में उत्तर प्रदेश राज्य का सबसे विकासशील गांव माना गया था। पूर्व प्रधान पवन सिंह के कार्य कुशलता की सराहना स्वयं पूर्व मुख्यमंत्री एवं बसपा सुप्रीमो सुश्री मायावती ने की थी। शोकसभा में जेडीएस संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षता महिला विंग जेडीएस एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, बिड़वी प्रधान एवं जिला पंचायत सदस्य सूरज, वर्तमान ग्राम प्रधान डॉ. मलिक, ओमबीर सिंह, मेघपाल सिंह तथा दूर-दराज से आये लोगों व समाजसेवियों ने इस ऐतिहासिक कदम की सराहना की।

महिलाओं को 18 हजार वेतन दिलाने की मांग को जेडीएस ने दिया धरना

सरकार को अगले चुनाव में बड़ा खामियाजा भुगतने की दी चेतावनी

स्वतंत्र चेतना

सहारनपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत कार्यरत समूह-सखी महिलाओं के मानदेय में वृद्धि की मांग को लेकर जनता देश संगठन (जेडीएस) ने नगर मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपा।

हकीकत नगर स्थित रामलीला मैदान में धरने को सम्बोधित करते हुए संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने कहा कि वर्तमान में इन महिलाओं को प्रतिमाह मात्र 800 रुपये मिलते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा। उन्होंने कहा कि समूह-सखी महिलाएं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा, पशु टीकाकरण, मिशन अंत्योदय, पोषण वाटिका और विधवा-वृद्ध महिलाओं की सर्वे रिपोर्ट जैसे अनेक सरकारी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका



निभाती हैं। वे गांवों में महिला समूह बनाने, बैंक से ऋण वितरण कराने और उसकी वसूली तक की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके बावजूद, उन्हें न तो उचित मानदेय मिलता है और न ही स्थायी नियुक्ति का दर्जा। उन्होंने ज्ञापन मे समूह-सखी महिलाओं को ग्रुप-डी कर्मचारी के समान 18 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन देना, विभाग में उनकी स्थायी नियुक्ति और सम्मानजनक पद सुनिश्चित करना, तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग एवं अध्यक्षा समूह-सखी संघर्ष समिति श्रीमति बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिह, मिड़िया प्रभारी बॉबी कुमार सिंह,, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, आदि सदस्यगण मौजूद रहे।

Beyond the Third Eye

IMPACT INDIA SUMMIT 2025

Distinguished Guest Speakers



DR. VINOD KUMAR KOUSHIK



DR. ASHOK KUMAR PATHANIA



SURESH KUMAR

THURSDAY | 18 DECEMBER, 2025 | 11 AM

जनता देश संगठन को इंदौर में मिला राष्ट्रीय सम्मान, संगठन कार्यालय पर हुआ भव्य अभिनंदन समारोह



सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) द्वारा २० दिसंबर २०२५, शनिवार को संगठन कार्यालय पर संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) के सम्मान में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यगणों ने फूलमालाएं एवं फटका पहनाकर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। विदित हो कि दिनांक १८ दिसंबर २०२५ को मध्य प्रदेश की व्यापारिक राजधानी इंदौर में आयोजित इंपैक्ट इंडिया समिट के दौरान देशभर से चयनित सौ सामाजिक संगठनोंध्एनजीओ में जनता देश संगठन (जेडीएस) को सर्वश्रेष्ठ संगठनों में स्थान मिला। यह सम्मान संगठन को शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण, बच्चों एवं सामाजिक क्षेत्र में नि:स्वार्थ भाव से किए जा रहे उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदान किया गया। इस ऐतिहासिक महासम्मेलन की मुख्य अतिथि जिम्मी मगिलिगन सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट की संस्थापक निदेशक, वरिष्ठ समाजसेविका एवं पर्यावरणविद पद्मश्री डॉ. श्रीमती जनक पलटा मगिलिगन (जनक दीदी) तथा इंपैक्ट इंडिया समिट की संस्थापक एवं चेयरमैन श्रीमती ज्योति जी ने संगठन को शुभकामनाएं देते हुए एनजीओ जगत को दिशा, दृष्टि एवं प्रेरणा प्रदान करने वाला संगठन बताया और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। जनता देश संगठन के मुख्य सलाहकार श्री राजेश्वर दास सैनी ने कहा कि इस सम्मान ने संगठन को गौरव का अनुभव कराया है और भविष्य में और अधिक समर्पण के साथ कार्य करने की प्रेरणा दी है, जिससे संगठन विश्व पटल पर अपनी विशिष्ट पहचान बना सके। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग श्रीमती बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार सिंह, महर्षि कश्यप ज्ञान आश्रम के संस्थापक एवं पूर्व प्रधान मांगेराम कश्यप, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, नकुड़ ब्लॉक अध्यक्ष आदेश सहित अजय, रामनिवास, राकेश, संदीप, राजा, संगीता, सोनिया, दीपमाला, प्रवेश, सुनीता सहित अनेक सदस्यगण उपस्थित रहे।

जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी का फूलमाला एवं पटका पहनाकर किया जोरदार स्वागत







(डॉ. मुस्तकीम राव)

सहारनपुर। शनिवार को जनता देश संगठन (जेडीएस) के कार्यालय पर संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यगणों द्वारा फूलमाला एवं पटका पहनाकर उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 18 दिसम्बर 2025 को मध्यप्रदेश की व्यापारिक राजधानी इंदौर में इंपक्ट इण्डिया समिट द्वारा चुने गये सौ सामाजिक संगठनोंध्एनजीओ में से सर्वश्रेष्ठ संगठनों में शुमार जनता देश संगठन (जेडीएस) को यह सम्मान शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण तथा बच्चों एवं सामाजिक क्षेत्र में निःस्वार्थ भाव से दिये जा रहे योगदान के फलस्वरूप प्रदान किया गया। इस महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची जिम्मी मगिलिगन सेंटर फॉर सस्टेनेबल डवलपमेंट की संस्थापक-निदेशक व वरिष्ठ समाजसेविका एवं पर्यावरणविद पदमश्री डॉ. श्रीमति जनक पलटा मगिलिगन (मध्य प्रदेश में जनक दीदी के नाम से प्रख्यात) तथा इंपक्ट इण्डिया समिट की संस्थापक एवं चेयरमैन श्रीमति ज्योति ने संगठन को शुभकामनाओं सहित एनजीओ जगत को दिशा, दृष्टि तथा प्रेरणा देकर जनता देश संगठन के उज्जवल भविष्य की कामना की। जनता देश संगठन (जेडीएस) के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी ने कहा कि इस सम्मान ने संगठन को गौरवपूर्ण अहसास की अनुभूति कराई है। संगठन को भविष्य में भी ऐसे ही कार्य करने होंगे ताकि संगठन पूरी दुनिया में अपनी विशेष पहचान बना सके। इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, प्रदेश अध्यक्ष महिला विंग बबीता कश्यप, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, महर्षि कश्यप ज्ञान आश्रम के संस्थापक एवं पूर्व प्रधान मांगेराम कश्यप, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, नकुड़ ब्लॉक अध्यक्ष आदेश, अजय, रामनिवास, राकेश, संदीप, राजा, संगीता, सोनिया, दीपमाला, प्रवेश, सुनिता आदि सदस्यगण मौजूद रहे।

जनता देश संगठन (जेडीएस) को सम्मान शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण तथा बच्चों एवं सामाजिक क्षेत्र में निःस्वाथ भाव से योगदान के फलस्वरूप प्रदान किया गया

दैनिक अयोध्या टाइम्स,

सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) के द्वारा संगठन कार्यालय पर संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), को सम्मान में एक सम्मान समारोह रखा गया, जिसमें संगठन के पदाधिकारियो एवं सदस्यगणों के द्वारा फूलमाला एवं फटका पहनाकर सभी ने उनका स्वागत किया।

विदित हो कि 18 दिसम्बर 2025, मध्य प्रदेश की व्यापारिक राजधानी इंदौर में, इंपक्ट इंडिया समिट के द्वारा चुने गए सौ सामाजिक संगठनों / एनजीओ में से सर्वश्रेष्ठ संगठनों मे शुमार, जनता देश संगठन (जेडीएस) को यह सम्मान शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण तथा बच्चों एवं सामाजिक क्षेत्र में निःस्वाथ भाव से दिए जा रहे योगदान के फलस्वरूप प्रदान किया गया। इस परिचारिक महासम्मेलन में पहंची मुख्य अतिथि, जिम्मी मगिलिगन संटर फार सस्टेनेबल डवलपमेंट की संस्थापक निदेशक व वरिष्ठ समाज सेविका एवं पर्यावरणविद पदमश्री डॉ० श्रीमति जनक पलटा मगिलिगन, (मध्य प्रदेश मे जनक दीदी के नाम से प्रख्यात) तथा इंपक्ट इंडिया समिट की संस्थापक एवं चीयरमन श्रीमति ज्योति ने संगठन को शुभकामनाओ सहित एनजीओ जगत को दिशा, दृष्टि तथा प्रेरणा दकर जनता देश सगठन के उज्जवल भविष्य की कामना की। जनता देश संगठन (जेडीएस) के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, ने कहा कि इस सम्मान ने संगठन को गौरवपूर्ण अहसास की अनुभुति कराई है। हमें भविष्य मे भी ऐसे ही कार्य करना होगा ताकि संगठन एक दिन प्री दुनियां मे अपनी विशेश पहचान बना सके। इस अवसर राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग श्रीमति बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बॉबी कुमार सिंह, महर्षि कश्यप ज्ञान आश्रम के संस्थापक एवं पूर्व प्रधान मांगेराम कश्यप, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, नकुड़ ब्लाक अध्यक्ष आदेश, अजय, रामनिवास, राकेश, संदीप, राजा, संगीता, सोनिया, दीपमाला, प्रवेश, सुनिता, आदि सदस्यगण मौजूद रहे।





पंजाब केसरी
MON,22 DECEMBER 2025
EDITION: UTTAR PRADESH KESARI, PAGE NO. 2

देश का विश्वसनीय
अनुपम संदेश

जनतादेश संगठन के संस्थापक को किया गया सम्मानित

इंपक्ट इंडिया समिट द्वारा 100 सामाजिक संगठनों में से जे.डी.एस. को सर्वश्रेष्ठ में चुना गया

सहारनपुर, 21 दिसम्बर (ब्यूरो): मध्य प्रदेश के इंदौर में इंपक्ट इंडिया समिट के द्वारा चुने गए 100 सामाजिक संगठनों/एन.जी.ओ. में से सर्वश्रेष्ठ संगठनों में जनतादेश संगठन को भी चुना गया। इस दौरान जे.डी.एस. के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया।



जनतादेश संगठन के संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी को सम्मानित करते अतिथि।

संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने बताया कि जनता देश संगठन को यह सम्मान शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण तथा बच्चों एवं सामाजिक क्षेत्र में नि:स्वार्थ भाव से दिए जा रहे योगदान के फलस्वरूप प्रदान किया गया। इस महासम्मेलन में मुख्यातिथि के रूप में जिम्मी मगिलिगन सैंटर फॉर सस्टनेबल डिवैल्पमैंट की संस्थापक, निदेशक, वरिष्ठ समाजसेविका एवं पर्यावरणविद् पद्मश्री डा. जनक पलटा मगिलिगन तथा इंपक्ट इंडिया समिट की संस्थापक एवं चेयरमैन ज्योति ने संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। संगठन के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी ने कहा कि इस सम्मान ने संगठन को गौरवपूर्ण अहसास की अनुभूति करवाई है।

इसी उपलब्धि पर आज जनता देश संगठन कार्यालय पर संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी के सम्मान में एक सम्मान समारोह भी करवाया गया। जिसमें संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के द्वारा उनका फूल मालाओं एवं पटका पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्ष महिला विंग एड. पिंकी पवन शिंदे, प्रदेश अध्यक्ष महिला विंग बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, बॉबी कुमार, महर्षि कश्यप, मांगेराम कश्यप, अर्जन सिंह, आदेश, अजय, रामनिवास, राकेश, संदीप, राजा, संगीता, सोनिया, दीपमाला, पवेश, सुनीता आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी का फूलमाला एवं पटका पहनाकर किया जोरदार स्वागत

अनुपम संदेश, सहारनपुर। शनिवार को जनता देश संगठन (जेडीएस) के कार्यालय पर संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी के सम्मान में एक समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें संगठन के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यगणों द्वारा फूलमाला एवं पटका पहनाकर उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार गत 18 दिसम्बर 2025 को मध्यप्रदेश की व्यापारिक राजधानी इंदौर में इंपक्ट इण्डिया समिट द्वारा चुने गये सौ सामाजिक संगठनों/एनजीओ में से सर्वश्रेष्ठ संगठनों में शुमार जनता देश संगठन (जेडीएस) को यह सम्मान शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण तथा बच्चों एवं सामाजिक क्षेत्र में निःस्वार्थ भाव से दिये जा रहे योगदान के फलस्वरूप प्रदान किया गया। इस महासम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंची जिम्मी मगिलिगन सेंटर फॉर सस्टनेबल डवलपमेंट की संस्थापक-निदेशक व वरिष्ठ समाजसेविका एवं पर्यावरणविद पदमश्री डॉ. श्रीमति जनक पलटा मगिलिगन (मध्य प्रदेश में जनक दीदी के नाम से प्रख्यात) तथा इंपक्ट इण्डिया समिट की संस्थापक एवं चेयरमैन श्रीमति ज्योति ने संगठन को शुभकामनाओं सहित एनजीओ जगत को दिशा, दृष्टि तथा प्रेरणा देकर जनता देश संगठन के उज्जवल भविष्य की कामना की। जनता देश संगठन के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी ने कहा कि इस सम्मान ने संगठन को गौरवपूर्ण अहसास की अनुभूति कराई है। संगठन को भविष्य में भी ऐसे ही कार्य करने होंगे ताकि संगठन पूरी दुनिया में अपनी विशेष पहचान बना सके। इस मौके पर राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, प्रदेश अध्यक्ष महिला विंग बबीता कश्यप, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, महर्षि कश्यप ज्ञान आश्रम के संस्थापक एवं पूर्व प्रधान मांगेराम कश्यप, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, नकुड ब्लॉक अध्यक्ष आदेश, अजय, रामनिवास, राकेश, संदीप, राजा, संगीता, सोनिया, दीपमाला, प्रवेश, सुनिता आदि सदस्यगण मौजूद रहे।



सहारनपुर जनता देश संगठन द्वारा संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष का सम्मान, सामाजिक सेवा में उत्कृष्ट कार्यों पर मिला राष्ट्रीय सम्मान

जनमत की पुकार :- सहारनपुर।जनता देश संगठन (जेडीएस) द्वारा दिनांक 20 दिसंबर 2025, शनिवार को संगठन कार्यालय, आईटीसी रोड, सहारनपुर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार (फौजी) का संगठन पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा फूल-मालाएं पहनाकर एवं पटका ओढ़ाकर जोरदार स्वागत किया गया। कार्यक्रम में संगठन की उपलब्धियों और सामाजिक कार्यों पर विस्तार से चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने संगठन की नीतियों और जनसेवा के कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस अवसर पर जानकारी दी गई कि दिनांक 18 दिसंबर 2025 को मध्य प्रदेश की व्यावसायिक राजधानी इंदौर में आयोजित इम्पैक्ट इंडिया समिट के दौरान देशभर से चयनित सामाजिक संगठनों एवं एनजीओ में से जनता देश संगठन को शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण तथा बच्चों एवं सामाजिक क्षेत्र में निष्काम भाव से किए जा रहे योगदान के लिए सर्वश्रेष्ठ सामाजिक संगठन के राष्ट्रीय सम्मान से नवाजा गया।इस ऐतिहासिक सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में मैगिलियन सेंटर फॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट की संस्थापक-निदेशक एवं वरिष्ठ समाजसेविका पद्मश्री डॉ. श्रीमती जनक पलटा मैगिलियन तथा इम्पैक्ट इंडिया समिट की संस्थापक एवं चेयरमैन श्रीमती ज्योति जी उपस्थित रहीं। उन्होंने जनता देश संगठन के कार्यों की सराहना करते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की और सामाजिक संगठनों को नई दिशा व प्रेरणा प्रदान की।जनता देश संगठन (जेडीएस) के मुख्य सलाहकार श्री राजेश्वर दास सैनी ने कहा कि यह सम्मान संगठन के लिए गर्व का विषय है और इससे सभी कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार हुआ है।

मानव जगत सह

जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सम्मान समारोह हुआ संपन्न



असद सिद्दीकी (ब्यूरो प्रमुख)

देवबंद। जनता देश संगठन (जे डी एस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) के एक सम्मान समारोह रखा गया जिसमें सगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों गण द्वारा फूल माला एवं पटका पहनकर सभी ने उनका जोरदार स्वागत किया। विदित हो कि 18 दिसंबर 2025 मध्य प्रदेश द्वद्व व्यापारिक राजधानी इंदौर में इंपैक्ट इंडिया समिट के द्वारा चुने गए सो सामाजिक संगठनों,, एन जी ओ में से सर्वश्रेष्ठ संगठनों में शुमार जनता देश संगठन (जे डी एस)को यह सम्मान शिक्षा चिकित्सा रोजगार महिला से शक्तिकरण तथा बच्चों एवं सामाजिक क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से दिए जा रहे योगदान के फल स्वरुप प्रदान किया गया इस ऐतिहासिक महासम्मेलन में पहुंचे मुख्य अतिथि शुभकामनाओं सहित उनके उज्जवल भविष्य की कामना की इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग बबीता कश्यप सौरभ सिंह बॉबी कुमार सिंह महर्षि कश्यप मांगेराम कश्यप, सोनिया दीपमाला प्रवेश सुनीता आदि सदस्य गण मौजूद रहे।

जनता देश संगठन (जेडीएस) को सम्मान शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण तथा बच्चों एवं सामाजिक क्षेत्र में निःस्वार्थ भाव से योगदान के फलस्वरूप प्रदान किया गया

दैनिक अयोध्या टाइम्स,

सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) के द्वारा संगठन कार्यालय पर संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), के सम्मान में एक सम्मान समारोह रखा गया, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यगणों के द्वारा फूलमाला एवं फटका पहनाकर सभी ने उनका स्वागत किया।

विदित हो कि 18 दिसम्बर 2025, मध्य प्रदेश की व्यापारिक राजधानी इंदौर में, इंपक्ट इंडिया समिट के द्वारा चुने गए सौ सामाजिक संगठनों / एनजीओ में से सर्वश्रेष्ठ संगठनों में शुमार, जनता देश संगठन (जेडीएस) को यह सम्मान शिक्षा, चिकित्सा, रोजगार, महिला सशक्तिकरण तथा बच्चों एवं सामाजिक क्षेत्र में निःस्वार्थ भाव से दिए जा रहे योगदान के फलस्वरूप प्रदान किया गया। इस ऐतिहासिक महासम्मेलन में पहुंची मुख्य अतिथि, जिम्मी मगिलिगन संटर फार सस्टेनेबल डवलपमेंट की संस्थापक निदेशक व वरिष्ठ समाज सेविका एवं पर्यावरणविद पदमश्री डॉ० श्रीमति जनक पलटा मगिलिगन, (मध्य प्रदेश में जनक दीदी के नाम से प्रख्यात) तथा इंपक्ट इंडिया समिट की संस्थापक एवं चीयरमन श्रीमति ज्योति ने संगठन को शुभकामनाओं सहित एनजीओ जगत को दिशा, दृष्टि तथा प्रेरणा देकर जनता देश संगठन के उज्जवल भविष्य की कामना की। जनता देश संगठन (जेडीएस) के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, ने कहा कि इस सम्मान ने संगठन को गौरवपूर्ण अहसास की अनुभुति कराई है। हमें भविष्य में भी ऐसे ही कार्य करना होगा ताकि संगठन एक दिन पूरी दुनिया में अपनी विशेश पहचान बना सके। इस अवसर राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग श्रीमति बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बॉबी कुमार सिंह, महर्षि कश्यप ज्ञान आश्रम के संस्थापक एवं पूर्व प्रधान मांगेराम कश्यप, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, नकुड़ ब्लाक अध्यक्ष आदेश, अजय, रामनिवास, राकेश, संदीप, राजा, संगीता, सोनिया, दीपमाला, पवेश, सुनिता, आदि सदस्यगण मौजूद रहे।





Uttar Pradesh Kesari
Oct 15, 2025
पंजाब केसरी

समूह-सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाए जाने की मांग, जे.डी.एस. ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

सहारनपुर, 14 अक्तूबर (ब्यूरो): जनता देश संगठन द्वारा आज जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक ज्ञापन प्रेषित करते हुए समूह-सखी महिलाओं को उचित वेतन दिए जाने की मांग की गई।

ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने अवगत कराया कि समूह-सखी महिलाएं जोकि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत हैं, उनको उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जबकि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। बावजूद इसके उन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रुपए प्रतिमाह दिया जाता है। जिस कारण समूह-सखी महिलाएं अपना जीवन यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही हैं। उन्होंने सरकार से समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रुपए प्रतिमाह एवं विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा सम्पूर्ण सुविधाएं दिए जाने की मांग की। इस दौरान जनता देश संगठन के मुख्य सलाहकार राजेश्वर



कलैक्ट्रेट में अधिकारी को ज्ञापन देने जाते जे.डी.एस. एवं समूह-सखी के पदाधिकारी। (संजय)

दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार सिंह, समूह-सखी की अध्यक्ष बबीता कश्यप, अर्जुन सिंह आदि मौजूद रहे।



सहारनपुर मे समूह-सखी महिलाओं को 800 रुपये मानदेयः सहारनपुर में जनता देश संगठन ने सीएम को भेजा ज्ञापन, 18 हजार वेतन मांगा

जनमत की पुकार :-मंगलवार को सहारनपुर में जनता देश संगठन (जेडीएस) ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपा। संगठन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत कार्यरत समूह-सखी महिलाओं के मानदेय में वृद्धि की मांग की है। वर्तमान में इन महिलाओं को प्रतिमाह मात्र 800 रुपये मिलते हैं, जिसे संगठन ने जीवन-यापन के लिए अपर्याप्त बताया है। जेडीएस के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी और प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन ने बताया कि समूह-सखी महिलाएं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा, पशु टीकाकरण, मिशन अंत्योदय, पोषण वाटिका और विधवा-वृद्ध महिलाओं की सर्वे रिपोर्ट जैसे अनेक सरकारी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। वे गांवों में महिला समूह बनाने, बैंक से ऋण वितरण कराने और उसकी वसूली तक की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके बावजूद, उन्हें न तो उचित मानदेय मिलता है और न ही स्थायी नियुक्ति का दर्जा। संगठन ने ज्ञापन में तीन प्रमुख मांगें रखी हैं। इनमें समूह-सखी महिलाओं को ग्रुप-डी कर्मचारी के इनमें समूह-सखी महिलाओं को ग्रुप-डी कर्मचारी के समान 18 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन देना, विभाग में उनकी स्थायी नियुक्ति और सम्मानजनक पद सुनिश्चित करना, तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराना शामिल है। संगठन की अध्यक्ष बबीता कश्यप ने कहा कि समूह-सखी महिलाएं अपने खर्च पर बैठकों और कार्यक्रमों में हिस्सा लेती हैं। 800 रुपये प्रतिमाह के मानदेय में उनका जीवन-यापन संभव नहीं है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा। ज्ञापन सौंपते समय मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मंडल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरम सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित कई अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। संगठन ने सरकार से इन महिलाओं की मेहनत और महत्वपूर्ण भूमिका को देखते हुए उन्हें सम्मानजनक वेतन और सुरक्षा का अधिकार प्रदान करने की मांग की है, ताकि वे आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन सकें।

जेडीएस संगठन ने समूह-सखी महिलाओं की मांगों को लेकर दिया धरना, ज्ञापन सौंपा

विश्व मानव संवाददाता। सहारनपुर। समूह-सखी महिलाओं को उचित वेतन व स्थायी नियुक्ति की मांग को लेकर आज जेडीएस संगठन से जुडी महिलाओं ने प्रदर्शन किया तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट कुलदीप सिंह को सौंपा। जनता देश संगठन से जुड़ी महिलाओं ने हकीकतनगर स्थित रामलीला मैदान पर प्रदर्शन कर धरना दिया।



महिलाओं को सम्बोधित करते हुए संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कार्यरत समूह-सखी महिलाओं के लिए उचित वेतन, स्थायी नियुक्ति और मातृत्व लाभ अधिनियम-1961 के तहत सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग पिछले लम्बे समय से की जा रही है, लेकिन सरकार उनकी मांग को गंभीर से नहीं ले रहे हे। संगठन ने इसे अत्यंत अनुचित बताते हुए कहा कि इतने कम मानदेय में महिलाओं का जीवन-यापन कठिन हो गया है। जेडीएस ने समूह-सखी महिलाओं की प्रमुख मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि उनका बेसिक वेतन 18,000 रुपये प्रतिमाह निर्धारित किया जाए, विभाग में स्थायी नियुक्ति दी जाए, तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत सभी लाभ सुनिश्चित किए जाएं। जिला प्रशासन व राज्य सरकार की होगी। इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा गहिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग एवं समूह-सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा श्रीमति बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, निढ़िया प्रभारी बॉबी कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित अन्य पदाधिकारी व समूह-सखी महिलाएं उपस्थित रहीं।

महिलाओं को 18 हजार वेतन दिलाने की मांग को जेडीएस ने दिया धरना

सरकार को अगले चुनाव में बड़ा खामियाजा भुगतने की दी चेतावनी

स्वतंत्र चेतना

सहारनपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत कार्यरत समूह-सखी महिलाओं के मानदेय में वृद्धि की मांग को लेकर जनता देश संगठन (जेडीएस) ने नगर मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपा।

हकीकत नगर स्थित रामलीला मैदान में धरने को सम्बोधित करते हुए संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने कहा कि वर्तमान में इन महिलाओं को प्रतिमाह मात्र 800 रुपये मिलते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द कोई ठोस कदम नहीं उठाया, तो संगठन आंदोलन करने को बाध्य होगा। उन्होंने कहा कि समूह-सखी महिलाएं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा, पशु टीकाकरण, मिशन अंत्योदय, पोषण वाटिका और विधवा-वृद्ध महिलाओं की सर्वे रिपोर्ट जैसे अनेक सरकारी कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका



निभाती हैं। वे गांवों में महिला समूह बनाने, बैंक से ऋण वितरण कराने और उसकी वसूली तक की जिम्मेदारी निभाती हैं। इसके बावजूद, उन्हें न तो उचित मानदेय मिलता है और न ही स्थायी नियुक्ति का दर्जा। उन्होंने ज्ञापन मे समूह-सखी महिलाओं को ग्रुप-डी कर्मचारी के समान 18 हजार रुपये प्रतिमाह वेतन देना, विभाग में उनकी स्थायी नियुक्ति और सम्मानजनक पद सुनिश्चित करना, तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत समस्त सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग एवं अध्यक्षा समूह-सखी संघर्ष समिति श्रीमति बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिह, मिड़िया प्रभारी बॉबी कुमार सिंह,, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, आदि सदस्यगण मौजूद रहे।

पंजाब केसरी
MON,15 SEPTEMBER 2025
EDITION: UTTAR PRADESH KESARI, PAGE NO. 1

समूह-सखी महिलाओं का वेतनमान बढ़ाए जाने की मांग, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

सहारनपुर, 14 सितम्बर (ब्यूरो): जनता देश संगठन (जे.डी.एस.) द्वारा आज जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपते हुए राज्य सरकार से यह मांग की गई कि समूह-सखी महिलाओं को उचित वेतनमान नहीं मिल रहा है, उनको उचित वेतनमान दिया जाए जबकि इन समूह-सखी की महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि।

हकीकत नगर रामलीला मैदान पर समूह-सखी कार्यकत्रियों के साथ धरना देते हुए जनता देश संगठन के पदाधिकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत करवाया कि समूह-सखी महिलाएं, जो कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत हैं परन्तु उनको उचित वेतन नहीं मिल रहा है जब कि उनसे हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। बावजूद इसके उन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रुपए प्रतिमाह दिया जाता है जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्राम में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती हैं जिस कारण समूह-सखी महिलाएं अपना जीवन यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही हैं।



प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन देते जे.डी.एस. के पदाधिकारी। (संजय)

उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष से भी ज्यादा समय से संगठन लगातार महिलाओं के वेतन बढ़ाने को लेकर संघर्षरत हैं, लेकिन सरकार महिलाओं के प्रति गंभीर नहीं है। जनता देश संगठन समूह-सखी महिलाओं की विभिन्न मांगों का समर्थन करता है। सरकार से समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18000 रुपए प्रतिमाह, विभाग में स्थाई नियुक्ति तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत संपूर्ण सुविधाएं मिले जाने की मांग करता है।

इस अवसर पर जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, श्रीमती बबीता कश्यप अध्यक्ष समूह-सखी, नकुड़ विधान सभा अध्यक्ष आदेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, समूह-सखी बरखा, उमा, पूजा, सोनम, आरती, टिना, रूखसार, मीरा, प्रियंका, जॉनी आदि मौजूद रहे।



समूह-सखी महिलाओं के समर्थन में जीडीएस ने सौंपा ज्ञापन

-समस्याओं का समाधान न होने पर 14 अगस्त से होगा अनिश्चितकालीन धरना

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने आज जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपकर समूह-सखी महिलाओं के वेतन में वृद्धि की मांग की। संगठन ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत कार्यरत ये महिलाएं विभिन्न योजनाओं जैसे पीएम सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा, पशु टीकाकरण व मिशन अंत्योदय में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, फिर भी उन्हें मात्र 800 रूपए प्रतिमाह मिलते हैं। जेडीएस ने समूह-सखी महिलाओं को 18,000 रूपए प्रतिमाह वेतन, स्थायी नियुक्ति और मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत सभी सुविधाएं देने की मांग की। चेतावनी दी गई है कि यदि सरकार ने एक माह में समाधान नहीं किया तो 14 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

800 महीने में काम करने को मजबूर समूह-सखी महिलाएं

!जनता देश संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

साइबर एक्सप्रेस

सहारनपुर-जनपद में कार्यरत समूह-सखी महिलाओं की दयनीय स्थिति और उनके आर्थिक शोषण के खिलाफ जनता देश संगठन (जेडीएस) ने हुंकार भरी है।बुधवार को संगठन के पदाधिकारियों ने उप जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन भेजकर इन महिलाओं के लिए सम्मानजनक वेतन की मांग की।संगठन ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (ठफछट) के तहत पिछले कई वर्षों से कार्यरत इन महिलाओं को मात्र ?800 प्रति माह दिया जा रहा है जो कि आज के समय में न्यूनतम मजदूरी से भी कहीं कम है।ज्ञापन में बताया गया कि शहर में होने वाली मीटिंग्स और कार्यक्रमों का खर्च भी इन महिलाओं को अपनी जेब से व्यय करना पड़ता है जिससे उनका जीवन-यापन करना असंभव हो गया है।संगठन का कहना है कि वे पिछले डेढ़ साल से वेतन वृद्धि के लिए प्रयासरत हैं लेकिन प्रदेश सरकार महिलाओं की इन समस्याओं को गंभीरता से नहीं



ले रही है।28 दिसंबर 2025 को संगठन के एक प्रतिनिधिमंडल ने उप-मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य से भी मुलाकात की थी।उस दौरान उन्होंने जल्द समाधान का आश्वासन दिया था लेकिन अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।इस अवसर पर संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी),राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे,प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन,बबीता कश्यप समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे।साथ ही बरखा देवी,उमा देवी,कोमल,सोनिया और दीपमाला आदि कई समूह-सखी महिलाओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर विरोध जताया।

समूह-सखी महिलाओं के मानदेय बढ़ाने की मांग

-जनता देश संगठन की समूह सखियों ने मुख्यालय पर किया प्रदर्शन

-मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन उपजिलाधिकारी को दिया

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन के तत्वावधान में बुधवार को संगठन के पदाधिकारियों व समूह-सखी महिलाओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया और प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा आज संगठन के अध्यक्ष सुरेश फौजी के नेतृत्व में समूह सखी संगठन की महिलाएं जिला मुख्यालय पहुंची और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। उन्होंने मुख्यमंत्री को संबोधित विज्ञापन एसडीएम को देते हुए कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के



अंतर्गत कार्यरत समूह-सखी महिलाओं के मानदेय में वृद्धि की मांग की। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि समूह-सखी महिलाएं पिछले कई वर्षों से विभिन्न विभागीय योजनाओं, बैठकों एवं कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह का अल्प मानदेय दिया जा रहा है। इतना ही नहीं, विभागीय कार्यों में आने वाला अधिकांश खर्च भी उन्हें स्वयं वहन करना पड़ता है। कम मानदेय के कारण समूह-सखी महिलाएं अपने परिवार का समुचित भरण-पोषण करने में असमर्थ हैं। संगठन ने बताया कि बीते डेढ़ वर्षों से वेतन वृद्धि की मांग को लेकर निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अब तक सरकार द्वारा कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। उन्होंने बताया कि जनता देश संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने 28 2025 को सहारनपुर आगमन के दौरान माननीय उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से भेंट कर समूह-सखी महिलाओं की समस्याओं से अवगत कराया था, जिस पर उप मुख्यमंत्री द्वारा शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया था। इस अवसर पर संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राणेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, प्रदेश महिला विंग अध्यक्षा एवं समूह-सखी संघर्ष समिति अध्यक्षा श्रीमती बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरन सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, बरखा देवी, उमा देवी, कोमल, सोनिया, प्रवेश, दीपमाला सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रहीं।

क्या सरकारी स्कूलों को बंद करना समस्या का समाधान है..?

सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता से व्यथित होकर शिक्षा मंत्री श्री एमसी छागला ने सन् 1964 में सदन को संबोधित करते हुए एक महत्वपूर्ण बयान में कहा था "हमारे संविधान निर्माताओं का यह इरादा नहीं था कि हम सिर्फ सुनिएँ खड़ी कर दें, वहाँ छात्रों को बिठा दें, अप्रशिक्षित शिक्षक दे दें, उन्हें घटिया पाठ्य पुस्तक दे दें, खेल के मैदान न दें और कहें कि हमने अनुच्छेद 45 का पालन कर लिया है और प्राथमिक शिक्षा का विस्तार हो रहा है। उनका मतलब था कि हमारे 6 वर्ष से 14 वर्ष की आयु के बच्चों को वास्तविक शिक्षा दी जानी चाहिए।" भारतीय संविधान का 86वाँ संशोधन अनुच्छेद 21-ए तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 इस बात के द्योतक हैं कि श्री छागला का बयान कितना प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण था। हालांकि शिक्षा के क्षेत्र में आमूल-चूल परिवर्तन हुए, सुगी-झोपड़ियों के स्थान पर पक्के स्कूलों का निर्माण भी हुआ जो कल तक स्थायी में लेकिन अब अस्थायी हैं। जहाँ पर गरीब बच्चों के साथ शिक्षा के नाम पर खिलवाड़ हो रहा है और सरकारें महज साढ़े सात दशक में ही इतनी मजबूर और निष्फल हो चुकी हैं कि समाधान तलाशने की बजाए उन सरकारी स्कूलों को बंद करने पर आमादा हैं। जो देश के दीन-हीन, गरीबों, मजदूरों तथा पीछे समाज के बच्चों के आगे बढ़ने की प्रथम सीढ़ी हैं। इतना ही नहीं खम्भर यह भी है कि सरकार पूरे राज्य में लगभग 27 हजार स्कूलों को बंद करने का निर्णय ले चुकी है। विदित हो कि राज्य सरकार पहले भी प्राईमरी स्कूलों में फेर-बदल कर चुकी है। जिसके चलते हजारों शिक्षकों के रोजगार समाप्त हो चुके हैं। जहाँ एक तरफ उत्तर प्रदेश को जनसंख्या बहुल तकरीबन पच्चीस करोड़ तक पहुँच चुकी है। बढ़ती आबादी के निवाश से राज्य में स्कूलों की संख्या बढ़ने की बजाए, लगातार घटते ही जा रही हैं। सरकार को देश और राज्य के आम नागरिकों के समक्ष यह स्पष्ट करना चाहिए कि प्राईमरी स्कूलों को बंद करने के कारण क्या हैं? तथा साथ ही यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि जिन बच्चों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है। उनके भविष्य का निवारण क्या है..? तथा बताना चाहिए कि क्या भविष्य में सरकार द्वारा संचालित माध्यमिक, उच्च माध्यमिक तथा विश्वविद्यालयों को भी बंद करने की योजना है..? क्योंकि अधिकार सरकारी शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत न तो मानक पूरे हैं, और न ही उच्च स्तरीय सुविधाएं जहाँ पर देश की युवा पीढ़ी अच्छी शिक्षा ग्रहण कर भविष्य में आगे बढ़ सकें। साथ ही साथ यह आवश्य बताना चाहिए कि वर्तमान सरकार के द्वारा राज्य में कुल कितने सरकारी स्कूलों का निर्माण हुआ..? वर्ष 2023 में एक आरटीआई के द्वारा यह जानने का प्रयास किया कि उत्तर प्रदेश राज्य में सन् 2007 से लेकर 2022 तक कुल कितने सरकारी स्कूलों का निर्माण हुआ,तो जानकर हैरानी हुई..! प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश की वर्तमान भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सरकार ने (2017 से 2020 तक) कुल 4146 सरकारी स्कूलों का निर्माण हुआ, जब कि बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के कार्यकाल में 27,436 सरकारी स्कूलों का निर्माण हुआ। यदि मैं गलत नहीं हूँ तो उत्तर प्रदेश शिक्षा के इतिहास में शायद यह पहली बार है जब इतनी बड़ी संख्या में सरकारी स्कूलों का निर्माण हुआ। तब अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है। गुणवत्तापरक शिक्षा आज सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की पहली संस्था की जिम्मेदार है। यह शिक्षकों का आलस, पेन और प्रशासन तथा सरकार की लापरवाही का नतीजा है कि देश का गरीब बच्चा आज अच्छी शिक्षा वंचित होने जा रहा है। दुःख इस बात का है कि जो लोग पार्टियों के नाम पर, वोटों के नाम पर, प्रचार-प्रसार के नाम पर, जातियों और धार्मिक दंगों के नाम पर सड़कें जाम कर देते हैं, जागरण और संस्थानों के नाम पर पंडाल खम्भाखम पर हैं हैं आवाज बच्चों का भविष्य लूटने पर खामोश क्यों है..? हालाँकि पूरा का पूरा दोष न तो शिक्षकों पर थोपा जा सकता है और न ही प्रशासन पर, इसमें कुर दोष अभिभावकों का भी है। जिन नीजी स्कूलों में अपने बच्चों का दाखिला कराने पर गर्व से सिना चौड़ा करने वाले अभिभावकों ने क्या कभी उन यह जानने की चेष्टा की, कि नीजी स्कूलों और सरकारी स्कूलों के शिक्षकों में अंतर क्या है..? सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षक सरकार के द्वारा प्रति-प्रतिशत प्रशिक्षण प्राप्त होते हैं, जो बकायदा भर्ती प्रक्रिया के तहत बीएड, पीटीसी, या टीजीटी के साथ अपने-अपने विषयों पर मजबूत पकड़,६ निपुण तथा पारंगत होते हैं। जबकि नीजी स्कूलों में यह व्यवस्था सिर्फ चुनिंदा स्कूलों में ही पायी जाती है। अन्यथा स्कूलनुमा इन दुकानों पर अधिकतर टीचर अनुभवहीन पाए जाते हैं जिन्हें शिक्षक और शिक्षकों के मानक, तो तक का ज्ञान नहीं होता। इन ऊँची-ऊँची विल्डीगों में भ्रामकता तो अव्वल दर्जे की है, लेकिन ज्ञान अव्वल दर्जे मिले ऐसी संभावनाएं कम है। जहाँ एक तरफ सरकारी स्कूलों में न्यूनतम फीस में बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त करते हैं, वहीं दूसरी प्राईवेट स्कूलों की फीस इतनी अधिक होती है कि देश का दिहाड़ी-मजदूरी करने वाले अभिभावक जितनी चाहे जी-तोड़ मेहनत करें, लेकिन अपने बच्चों को एक अच्छा डॉक्टर, एक अच्छा इंजीनियर, एक अच्छा वैज्ञानिक या एक अच्छा अधिकारी नहीं बना सकता, जिसकी कल्पना में यह दिन-रात मेहनत करता है। नीजी कम्पनियों में इस चाहे जितने बड़े ओधे पर हैं, लेकिन सरकारी शिक्षण संस्थान आज भी अपना विशेष महत्व रखती हैं। सरकारी स्कूलों में पढ़ाने वाले शिक्षकों को अक्सर यह रोष दिया जाता है, कि वह स्कूलों में बच्चों को ठीक से पढ़ाते ही नहीं जिस कारण सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर दिन-ब-दिन गिरता जा रहा है। शायद देश आज भूल चुका है कि यह वही शिक्षक हैं, वही मुक हैं जो देश को दशकों से एक अच्छे वैज्ञानिक, डॉक्टर, इंजीनियर, अधिकारी, नेता-अभिनेता देता आ रहा है। जिन्होंने देश को आजादी भी दिलवाई और देश का विकास भी किया। इसका क्या कारण हो सकता है, कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा स्तर लगातार गिरता जा रहा है..? और सरकार इन स्कूलों को बंद करने पर आमादा है..! दरअसल सरकार अपनी जिम्मेदारियों से पीछा छुड़ाना चाहती है। जिसके निम्नलिखित कारण हो सकते हैं: (1)-सरकारी योजनाएं अधिकतर काग़ज़ जहाँ तक ये सीमित हैं वहीं कंप्यूटर शिक्षा, अच्छे पुस्तकालय, सुविधापूर्ण प्रयोगशालाएं, स्वच्छ पेयजल, खेल के मैदान, शारीरिक प्रशिक्षण, चिकित्सा सुविधाएं तथा समय पर बच्चों के लिए पुस्तकों का अभाव। (2)-सरकारी टीचरों का स्कूलों में बच्चों को पढ़ाने की अपेक्षा बाहर ट्यूशन को प्राथमिकता देना। (3)-देश के सरकारी स्कूल आज देश के नेताओं के प्रचार-प्रसार के अड्डे बन चुके हैं, जहाँ ग्राम सरपंच से लेकर, नेता और मंत्री तक स्कूलों को सजे-सजाए मंच के रूप में प्रयोग करते हैं। जिनकी आवभगत और चाटुकारिता में अधिकतर शिक्षकगण लिप्त रहते हैं, कुछ प्रशासनिक दबाव भी कुछ रसूखदार लोगों से संघर्ष स्थापित करने में। (4)-देश में होने वाले हर छोटे-बड़े चुनाव में, इन्हीं स्कूलों, शिक्षकों तथा छात्रों का प्रयोग प्रशासन के द्वारा किया जाता है। चाहे हालात तो अब यह है कि चुनाव जागरूकता अभियान, एड्स जागरूकता अभियान, पल्सपोलियो अभियान, परिवार नियोजन अभियान जैसे असंगिनत जागरूक अभियानों का प्रचार-प्रसार इन्हीं बच्चों पर आश्रित हैं। दुर्भाग्य देखिए कि..! सरकार या प्रशासन द्वारा इन सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को अतिरिक्त कक्षाएं देने के लिए शायद ही कभी चुनाव अयोग से या उपरोक्त विभागों से कोई अधिकारी नियुक्त किया जाता हो..! सरकारी स्कूलों में भोजन के नाम पर मिड-डे-मिल योजना से कौन परिचित नहीं है, भोजन के चलते स्कूलों में आए दिन बच्चों को अकाल कीमार होते देखा जाता है। जहाँ खर्च का अनुपात तो बराबर होता है, लेकिन अच्छे भोजन की कोई गारंटी नहीं। देशभर से वर्ष 2017-18 में एनएसएसओ के सर्वे के अनुसार छः वर्ष से 17 वर्ष के बीच की उम्र वाले स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या देश में 3.22 करोड़ है। जो कि इजराईल या स्वीजरलैण्ड जैसे देशों की संख्या से कहीं अधिक है। अधिकतर सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों (शिक्षकों तथा छात्रों) के मानक पूरे नहीं हैं। शिक्षा का अधिकार अधिनियम कहता कि कक्षा अधिकतम 30 और न्यूनतम 25 बच्चों पर एक शिक्षक की नियुक्ति का प्रावधान है, जबकि वर्तमान में देश के अधिकतर सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए पर्याप्त सुविधा उपलब्ध ही नहीं हैं। 2019 में कक्षा छः से आठवीं का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) 91.9 प्रतिशत है। जब कि कक्षा नौ-दस और ग्यारह-बारह के लिए यह आंकड़ा 79.3 प्रतिशत और 56.5 प्रतिशत है। ये आंकड़े यह दर्शाते हैं कि किस प्रकार से कक्षा पाँच और विशेष रूप से कक्षा छः से बाद नामांकित छात्रों का एक महत्वपूर्ण अनुपात शिक्षा प्रणाली से बाहर हो जाता है। यूनिफाईड डिस्ट्रिक्ट इंफोरमेशन सिस्टम फॉर एजुकेशन 2.1 (यू-डीएसआईडी) 2016-17 के आंकड़ों के अनुसार प्राथमिक स्तर पर लगभग 19.6 प्रतिशत छात्र अनुसूचित जाति के हैं। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर 17.3 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति के छात्रों (10.06 प्रतिशत से 6.08 प्रतिशत) बच्चों की वर्तमान स्थिति क्या है..? यह किसी से छिपा नहीं है। "आजादी के बाद का भारत" पीडियाक पुस्तक के लेखक प्रसिद्ध इतिहासकार एवं वरिष्ठ लेखक श्री विपिन चन्द्र आर्थिक समस्याओं पर अपना अनुभव साझा करते एवं चिंता व्यक्त करते हुये लिखते हैं। "आज आर्थिक विकास या भौगी औद्योगिक क्रांति माइक्रोप्रोसिप, बायोटैक्नोलोजी, सूचना तकनीक तथा उर्जा के क्षे. तें और विकसित प्रबंधन तरीकों पर आधारित है। ये मुख्यतः बुद्धि "पेशिक शक्ति" पर निर्भर हैं। अर्थात नागरिकों की वैज्ञानिक, तकनीकी प्रबंधन क्षमताओं पर एक नए अंतर-राष्ट्रीय श्रम विभाजन का खतरा लगातार बना हुआ है। इस श्रम विभाजन के तहत विकसित टैक्नोलॉजी, शोध और विकास कार्य तथा अन्य मस्तिष्क संबंधी गतिविधियाँ और भारत तथा अन्य विकासमान देश परम्परागत उपभोक्ता एवं उत्पादक वस्तुओं के निर्माण और शारीरिक गतिविधियों के काम तक सिमित रह जाएंगे। पूँजि औद्योगिक क्रांति की सबसे पहले शर्त की सीमित मस्तिष्क की गति, विधि पर आधारित है। शिक्षा, विशेषकर उच्चतर शिक्षा काफी महत्वपूर्ण हो जाती है। सच्चाई यह है कि ग्रामीण और शहरी इलाकों के छात्रों के काफी बड़े बहुमत को ही जाने वाली शिक्षा अत्यंत निम्न स्तर की है। इसका मतलब यह है कि देश को दिमागी शक्ति के बहुत बड़े प्रयोग से वंचित रखा जा रहा है। वास्तव में इसे आर्थिक पलायन कहा जा सकता है। इस अक्षम और त्रुटिपूर्ण शिक्षा व्यवस्था को पुर्णरूप से सुधारना जरूरी है।"

यह प्रश्न यह है कि क्या सरकारी स्कूलों को बंद करना समस्या का समाधान है..? क्या पेपरिंग ऑफ स्कूल कह देने भर से सरकार का दायित्व पूरा हो गया, और बच्चों को अच्छी शिक्षा प्राप्त हो जाएगी, जो बच्चे गाँव के स्कूलों तक आने में सक्षम नहीं हैं, दूसरे गाँव में कैसे जाएंगे..? मासूम बच्चों के साथ होने वाली अप्रिय घटना किसी भी अभिभावक को चिंता और परेशानी में डाल सकती हैं। ऐसे में उन्हें छोड़ने और लेकर आने की जिम्मदारी क्या सरकार वहन करेगी..? यह तो गरीब और मजदूर अभिभावक करेगा, जिनका जीवन अधिकार सरकारी योजनाओं पर निर्भर है..! या फिर सरकार इन बच्चों को किसी नजदीकी नीजी स्कूलों में प्रवेश दिलाएगी जिनको सरकार के द्वारा परोक्ष रूप से बढ़ावा दिया जा रहा है..? इस दोर के गरीब बच्चों का दुर्भाग्य ही कहिए कि जहाँ पर शिक्षा नितृपक है, वहाँ गुणवत्तापरक शिक्षा का नामोनिशां नहीं है, और जहाँ अच्छी शिक्षा है वहाँ उन बच्चों का प्रवेश तक नहीं है जिन बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान तक हुआ है। यदि यही हाल रहा और देश के प्रत्येक राज्य को सरकारें इसी तरह सरकारी स्कूलों को बंद करने पर आमादा रहीं तो हम देश के सबसे छः लाख गाँवों और ढाई लाख पंचायतों में रहने वाली आबादी के बच्चों को शिक्षा से वंचित कर देंगे। मेरी सरकार से अपील है कि इस निर्णय पर फिर से विचार-विमर्श कर कोई मध्यम मार्ग निकाला जाए, जिससे किसी भी परिस्थिति में बच्चों की प्राथमिक शिक्षा लगातार जारी रह सके।

....सुरेश कुमार (फौजी)
संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष, जनता देश संगठन (जेडीएस)

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
हिन्दर

समूह सखी महिलाओं ने की वेतन बढ़ाने की मांग



सहारनपुर (संवाददाता)। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने समूह-सखी महिलाओं के वेतन और अधिकारों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सम्बोधित एक ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। इस ज्ञापन में संगठन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत वर्षों से कार्यरत समूह-सखी महिलाओं को दिए जा रहे कम मानदेय पर विरोध जताया है।

जनता देश संगठन के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि समूह-सखी महिलाएं गांवों में सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, बैठकों के आयोजन, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और सर्वेक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाती हैं। इसके बावजूद उन्हें मात्र 800 रुपए प्रतिमाह का मानदेय मिलता है, जो वर्तमान समय में जीवन यापन के लिए अपर्याप्त है। उन्होंने आरोप लगाया कि शहरों में होने वाली बैठकों और कार्यक्रमों में आने-जाने का खर्च भी इन महिलाओं को अपनी जेब से उठाना पड़ता है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति और बिगड़ रही है। उन्होंने बताया कि वे पिछले डेढ़ वर्षों से लगातार इन महिलाओं के वेतन वृद्धि और अधिकारों के लिए आंदोलन कर रहे हैं, लेकिन राज्य सरकार इस समस्या पर ध्यान नहीं दे रही है। ज्ञापन में प्रमुख मांगें रखी गई हैं समूह-सखी महिलाओं का न्यूनतम वेतन 18 हजार रुपए प्रतिमाह किया जाए, उन्हें विभाग में स्थायी नियुक्ति दी जाए और मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत सभी सुविधाएं प्रदान की जाएं। जेडीएस ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने जल्द ही समूह-सखी महिलाओं की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया, तो संगठन को आंदोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और राज्य सरकार की होगी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मुख्य सलाहकार सजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग एवं अध्यक्षा समूह-सखी संघर्ष समिति श्रीमति बबीता कश्यप, बरखा, कोमल, रेखा, सोनिया आदि रहे।

॥ समाज-संस्था ब्रीफ ॥

राकेश कुमार को मिली उपप्रधान की जिम्मेदारी



यमुनानगर | गांव भम्भोल स्थित श्री गुरु रविदास धर्मशाला में जनता देश संगठन के तत्वावधान में सम्मेलन किया गया। आयोजन संगठन के जिला अध्यक्ष मोहन लाल ससौली ने किया। सम्मेलन में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता पिंकी पवन शिंदे, प्रदेश अध्यक्ष बबीता कश्यप, सुभाष वर्मन उपस्थित रहे। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने गांव भम्भोल के राकेश कुमार को संगठन में उपप्रधान की जिम्मेदारी सौंपी। महिला प्रकोष्ठ की राष्ट्रीय अध्यक्ष अधिवक्ता पिंकी पवन शिंदे ने महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। महामंत्री जगदीश, जगमाल सिंह, कोषाध्यक्ष, सह-कोषाध्यक्ष बलबीर मास्टर, ज्योति राम उपप्रधान गांव कान्हड़ी, संटी सलाहकार कालगढ़, श्याम सिंह खंड प्रधान नगदारपुर तथा सुरेश कुमार कांसापुर शामिल हुए।

जनता देश संगठन ने किया सम्मेलन

राष्ट्रीय अध्यक्षा एड. पिंकी पवन शिंदे ने महिलाओं को अधिकारों के बारे में किया जागरूक

सवेरा न्यूज/ओमपाहवा

यमुनानगर, 15 मार्च : जनता देश संगठन (जेडीएस) के जिला अध्यक्ष मोहन लाल ससौली द्वारा गांव भम्भोल की श्री गुरु रविदास धर्मशाला में एक सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी और राष्ट्रीय अध्यक्षा एड. पिंकी पवन शिंदे (महिला विंग) और प्रदेश अध्यक्षा बबीता कश्यप, सुभाष वर्मन शामिल हुए। राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी द्वारा राकेश कुमार गांव भम्भोल को उप प्रधान की जिम्मेवारी देकर सम्मानित किया। राष्ट्रीय अध्यक्षा एड. पिंकी पवन शिंदे (महिला विंग) ने महिलाओं को अपने अधिकारों के बारे में जागृत किया। उक्त सम्मेलन में जगदीश महामंत्री, जगमाल सिंह, कैशियर, बलबीर मास्टर सह-कैशियर, न्योरती राम, उप प्रधान गांब कानडी, सन्टी, सलाहकार, कालगढ़, श्याम सिंह, ब्लॉक प्रधान नमदारपुर, सुरेश कुमार, कांसापुर शामिल हुए है।



सम्मेलन में उपस्थित मुख्यातिथि व जनता देश संगठन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता

राकेश को दी उप प्रधान की जिम्मेदारी

श्री गुरु रविदास धर्मशाला में जेडीएस का सम्मेलन आयोजित



भंगोल गांव में आयोजित कार्यक्रम के दौरान जनता संगठन के पदाधिकारी व ग्रामीण। नाम

संवाद न्यूज एजेंसी

यमुनानगर। गांव भंगोल स्थित श्री गुरु रविदास धर्मशाला में जनता देश संगठन (जेडीएस) का सम्मेलन हुआ। जिसमें राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार पोजेवे और अध्यक्ष अधिवक्ता विकी पवार विशेष मौका अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। सम्मेलन के दौरान सामाजिक कुरीतियों को दूर करने पर मंथन किया गया। इस दौरान राकेश कुमार को उप प्रधान की जिम्मेदारी दी गई।

जिलाध्यक्ष मोहन लाल तत्त ने कहा कि संगठन की ओर से प्रदेश में सामाजिक कार्य करवाए जा रहे हैं। नशे के विरुद्ध जागृति, शिक्षा के प्रति बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, सरकार द्वारा समाज के सभी वर्गों के लिए चलाई गई अन्य योजनाओं के प्रचार-प्रसार, समाज में फैल रही दहेज प्रथा को रोकने के लिए कार्य किया जा रहा है। इसमें संगठन से जुड़े सभी को अधिक से अधिक सहयोग करना चाहिए। इसके साथ ही राकेश कुमार को उप प्रधान की जिम्मेदारी दी गई। इस अवसर पर जगदीश, जगमाल सिंह, बलबीर सहर, अंकित राम, हरदी, श्याम सिंह, सुरेश कुमार उपस्थित रहे।

दैनिक सवेरा टाइम्स
अंधेरे से उजाले की ओर...

जनता देश संगठन ने अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, अवैध कब्जा हटा कर बरातघर व सामुदायिक केंद्र खोलने की मांग की



अधिकारी को ज्ञापन सौपने जाते जनता देश संगठन के पदाधिकारी व सदस्य।

सवेरा न्यूज, ओमपाहवा

यमुनानगर, 10 अप्रैल : जनता देश संगठन (जेडीएस) ने अपने एक ज्ञापन के द्वारा बताया कि ससौली माजरी (अम्बेदकर विहार) वार्ड नं0 20 में स्वास्थ्य विभाग के सरकारी ट्यूबैल के नजदीक तालाब की पंचायती जमीन पर गाँव तथा कुछ बाहर के प्रभाव शाली लोगों द्वारा अवैध कब्जा किया हुआ है। एक व्यक्ति जिसका प्लाट केवल 3 मरले का है, लेकिन उसने लगभग 500 वर्ग गज भूमि पर कब्जा करके पशुओं की डेयरी बनाई हुई है। भूतपूर्व नगर पार्षद ने भी लगभग 500 वर्ग गज तालाब की जमीन पर अवैध कब्जा करके कबाडी की दुकान की हुई है।

इसके अतिरिक्त गाँव के कुछ लोगों द्वारा तालाब के तीन तरफ अवैध कब्जा किया हुआ है। बीच में अभी जमीन खाली पडी है। उस पर भी लोगों द्वारा गोबर इत्यादि डाला हुआ है। यानि लोग धीरे-2 उस जमीन पर कब्जा करना चाहते है। ससौली माजरी (अम्बेदकर विहार) वार्ड नं0 20 में कोई बरात घर/सामूदायिक केन्द्र की ईमारत सरकार द्वारा नहीं बनाई गई है। जिससे गांव के गरीब लोगों को अपने बच्चों की शादी तथा अन्य दूसरे कार्यकम करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ता है।

उन्होंने बताया कि इस गांव में अधिकतर अनूसूचित जाति अर्थात गरीब तबके के लोग रहते है। यहां के लोग प्राईवेट पैलेस इत्यादि किराये पर लेने में असमर्थ है। इसके बावजूद अभी तक प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई हैं। उन्होंन ज्ञापन के माध्यम से आग्रह किया कि इस जमीन को अवैध कब्जे से मुक्त करवाकर गाँव तथा आस-पास के लोगों की सुविधा के लिए एक बरात घर/सामुदायिक केन्द्र की इमारत बनवाने की कृपा करें। इस मौके पर जनता देश संगठन (जे.डी.एस.) मोहन लाल ससौली माजरी जिला अध्यक्ष तथा अन्य सदस्या सुरेश पाल, उप-प्रधान, महेन्द्र सिंह, उपसत्चिद, जगदीश महामंत्री, अच्चां सिंह, जिला प्रभारी, व्यौरती राम, उप प्रधान, राम कुमार कैन्से, एडवोकेट, कानुनी सलाहकार, जगमाल सिंह, कैशियर, बलबीर सह-कैशियर, बलवन्त सिंह, रविन्द्र कुमार, मुख्य कार्यकर्ता, श्री दलीप कुमार, उप सचिव, राकेश कुमार, उप प्रधान आदि मौजूद थे ।

प्राइमरी स्कूल बंदी के खिलाफ जेडीएस का विरोध

-शिक्षा बचाओ-देश बचाओ आंदोलन की चेतावनी

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के 5000 प्राइमरी स्कूलों को बंद किए जाने का निर्णय न केवल गैर-संवैधानिक है बल्कि संविधान के अनुच्छेद 21-ए और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 का स्पष्ट उल्लंघन है। सुरेश कुमार फौजी आज संगठन के जिला कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंनेने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस फैसले को तत्काल वापस नहीं लिया तो जेडीएस प्रदेशभर में शिक्षा बचाओ -देश बचाओ महाआंदोलन शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि यह



निर्णय प्रदेश के लाखों बच्चों के भविष्य को अंधकार में धकेलने जैसा है। संगठन ने सवाल किया कि सरकार प्राइमरी स्कूलों को बंद करने की असल वजह क्यों नहीं स्पष्ट कर रही है? साथ ही यह भी बताया जाए कि जिन बच्चों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है, उनके भविष्य की क्या योजना है? क्या सरकार की भविष्य में माध्यमिक, उच्च माध्यमिक और विश्वविद्यालयों को भी बंद करने की मंशा है? उन्होंने उल्लेख किया गया कि पूर्व में स्कूलों के फेरबदल से हजारों शिक्षकों की नौकरियां समाप्त हो चुकी हैं। संगठन ने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की कि शिक्षा के प्रति गंभीर रुख अपनाएं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत आवश्यक संसाधन तथा सुविधाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे इस मुद्दे पर एकजुट होकर गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के भविष्य की रक्षा करने का काम करें। वार्ता के दौरान जेडीएस के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, अर्जुन सिंह, सुमित कुमार, अजय सिंह तथा वरिष्ठ समाजसेवी बलबीर गौतम सहित कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

5000 प्राइमरी स्कूल बंद करने के खिलाफ जेडीएस का कड़ा विरोध



जनवाणी संवाददाता,सहारनपुर

जनता देश संगठन (जेडीएस) ने रविवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश सरकार के 5000 प्राइमरी स्कूल बंद करने के फैसले की कड़ी निंदा की। संगठन ने इसे असंवैधानिक और संविधान के अनुच्छेद 21अ तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 का खुला उल्लंघन करार दिया। खऊर ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने यह फैसला तुरंत वापस नहीं लिया, तो संगठन पूरे राज्य में ₹शिक्षा बचाओ देश बचाओं महा आंदोलन शुरू करेगा। जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार ने कहा कि यह फैसला लाखों बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकार भविष्य में माध्यमिक, उच्च माध्यमिक स्कूलों और विश्वविद्यालयों को भी बंद करने की योजना बना रही है। प्रेस वार्ता में खऊर के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, अर्जुन सिंह, अजय सिंह और वरिष्ठ समाजसेवी बलबीर गौतम आदि रहे।

www.uttambharatnews.com
RNI No. DELHIN/2017/75336
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
उत्तम भारत
नई दिल्ली से प्रकाशित • हरियाणा • पंजाब • उत्तर प्रदेश • मध्य प्रदेश • उत्तराखंड • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • छत्तीसगढ़ • जम्मू कश्मीर से प्रकाशित



03 सीबीएसई ने छात्रों के लिए शुरू किया ... 06 हर नागरिक को है सरकार से सवाल पूछने ...

पांच हजार प्राईमरी स्कूल बंद किये जाने के विरोध में जनता देश संगठन ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

*** सरकार से स्कूल बंद करने के फैसले को वापस लेने की मांग की, अन्यथा आंदोलन की दी चेतावनी**

उत्तम भारत संवाददाता

सहारनपुर। प्रदेश सरकार द्वारा पांच हजार प्राईमरी स्कूल बंद किये जाने के विरोध में जनता देश संगठन ने एक ज्ञापन जिलाधिकारी सहारनपुर में माध्यम से मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को प्रेषित करते हुए सरकार से इस फैसले को वापस लेने की मांग की। ज्ञापन में बताया गया कि प्रदेश सरकार द्वारा राज्य में पांच हजार प्राइमरी स्कूल बंद किये जा रहे हैं जो गैर संवैधानिक तथा अनुच्छेद 21ए का खुला उल्लंघन है एवं शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के विरूद्ध है। सरकार का यह फैसला राज्य के लाखों बच्चों के भविष्य से खिलवाड है। देश की आने वाली पीढ़ी को अनपढ़ रखने के इस षड़यंत्र का जेडीएस कड़ा विरोध करता है। साथ ही सरकार से मांग करता है कि इस फैसले को तुरंत वापस लिया जाये अन्यथा जनता देश संगठन सरकार के विरूद्ध पूरे प्रदेश में शिक्षा बचाओ-देश बचाओ महाआंदोलन शुरू करेगा। राज्य सरकार पहले भी प्राईमरी स्कूलों में फेर-बदल कर चुकी है जिस कारण प्राथमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों तथा शिक्षकों की नियुक्तियां समाप्त की जा चुकी है। सरकार का यह निर्णय भविष्य में घटते रोजगारों का कारण बनेगा तथा शिक्षित युवक-युवतियों के भविष्य को प्रभावित करेगा। सरकार को नागरिकों के समक्ष यह स्पष्ट करना चाहिये कि आखिर प्राईमरी स्कूलों को बंद करने का क्या कारण है ? साथ ही यह भी स्पष्ट करना चाहिये जिन बच्चों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है उनके भविष्य का क्या निवारण है ? भविष्य में सरकार द्वारा संचालित माध्यमिक, उच्च माध्यमिक तथा विश्वविद्यालयों को बंद करने की योजना है ? क्योंकि अधिकतर सरकारी शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत न तो मानक पूरे है और न ही उच्च स्तरीय सुविधाऐं है जिससे देश की युवा पीढ़ी अच्छी शिक्षा ग्रहण कर सके। ज्ञापन सौंपने वालों में मुख्य रूप से जनता देश संगठन के राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन, सादाब, समद आदि सदस्यगण मौजूद रहे।

पंजाब केसरी
MON,07 JULY 2025
EDITION: UTTAR PRADESH , PAGE NO. 1

5000 प्राइमरी स्कूल बंद करने के खिलाफ जेडीएस का कड़ा विरोध



जनवाणी संवाददाता,सहारनपुर

जनता देश संगठन (जेडीएस) ने रविवार को अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश सरकार के 5000 प्राइमरी स्कूल बंद करने के फैसले की कड़ी निंदा की। संगठन ने इसे असंवैधानिक और संविधान के अनुच्छेद 21अ तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 का खुला उल्लंघन करार दिया। खऊ ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने यह फैसला तुरंत वापस नहीं लिया, तो संगठन पूरे राज्य में ₹शिक्षा बचाओ देश बचाओं महा आंदोलन शुरू करेगा। जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार ने कहा कि यह फैसला लाखों बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है उन्होंने सवाल उठाया कि क्या सरकार भविष्य में माध्यमिक, उच्च माध्यमिक स्कूलों और विश्वविद्यालयों को भी बंद करने की योजना बना रही है। प्रेस वार्ता में खऊ के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, अर्जुन सिंह, अजय सिंह और वरिष्ठ समाजसेवी बलबीर गौतम आदि रहे।

प्रदेश सरकार द्वारा प्राइमरी स्कूल बंद किए जाने का निर्णय गैर संवैधानिक है: सुरेश कुमार फौजी



पत्रकारों से वार्ता करते राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी। (संजय)

सहारनपुर, 6 जुलाई (ब्यूरो): जे.जे. पुरम स्थित जनता देश संगठन कार्यालय पर एक प्रैसवार्ता हुई जिसमें पत्रकारो को जानकारी देते हुए संस्था एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा राज्य में 5000 प्राइमरी स्कूल बंद किया जाने का निर्णय गैर संवैधानिक तथा अनुच्छेद 21 ए का खुला उल्लंघन है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के विरुद्ध है। जो राज्य के लाखों बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

उन्होंने कहा कि देश की आने वाली पीढ़ी को निरक्षर रखने की इस योजना का जनता देश संगठन कड़ा विरोध करता है और यह मांग करता है कि सरकार अपने इस फैसले को तुरंत वापस ले। अन्यथा संगठन राज्य सरकार के खिलाफ पूरे राज्य में शिक्षा बचाओ देश बचाओ महा आंदोलन शुरू करेगा।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पहले भी प्राइमरी स्कूलों में फेर बदल कर चुकी है। जिसके चलते हजारों शिक्षकों के रोजगार समाप्त हो चुके हैं। सरकार को देश और राज्य के आम नागरिकों के समक्ष यह स्पष्ट करना चाहिए कि प्राइमरी स्कूलों को बंद करने के कारण क्या है, तथा साथ ही यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि जिन बच्चों को शिक्षा से वंचित रखा जा रहा है, उनके भविष्य का निवारण क्या है। क्या भविष्य में सरकार द्वारा संचालित माध्यमिक, उच्च माध्यमिक तथा विश्वविद्यालय को भी बंद करने की योजना है क्योंकि अधिकतर सरकार शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत ना तो मानक पूरे हैं और नहीं उच्च स्तरीय सुविधाएं, जहां पर देश की युवा पीढ़ी अच्छी शिक्षा ग्रहण कर भविष्य में आगे बढ़ सके। संगठन देश और राज्य के तमाम संगठनों तथा राजनीतिक पार्टियों से यह अपील करता है कि देश वंचितों तथा निर्धन बच्चों के भविष्य के सुधार के लिए सभी दल एक साथ आएं।

इस अवसर पर जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, अर्जुन सिंह, सुमित कुमार, अजय सिंह तथा वरिष्ठ समाज सेवी बलबीर गौतम इत्यादि मौजूद रहे।

प्राइमरी स्कूल बंदी के खिलाफ जेडीएस का विरोध

शिक्षा बचाओ-देश बचाओ आंदोलन की चेतावनी

खुलासा संवाददाता

सहारनपुर। जनता देश संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के ५००० प्राइमरी स्कूलों को बंद किए जाने का निर्णय न केवल गैर-संवैधानिक है बल्कि संविधान के अनुच्छेद २१-ए और शिक्षा का अधिकार अधिनियम २००९ का स्पष्ट उल्लंघन है। सुरेश कुमार फौजी आज संगठन के जिला कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंनेने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस फैसले को तत्काल वापस नहीं लिया तो जेडीएस प्रदेशभर में शिक्षा बचाओ -देश बचाओ महाआंदोलन शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि यह निर्णय प्रदेश के लाखों बच्चों के भविष्य को अंधकार में धकेलने जैसा है। संगठन ने सवाल किया कि सरकार प्राइमरी स्कूलों को बंद करने की असल वजह क्यों नहीं स्पष्ट कर रही है? साथ ही यह भी बताया जाए कि जिन बच्चों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है, उनके भविष्य की क्या योजना है? क्या सरकार की भविष्य में माध्यमिक, उच्च माध्यमिक और विश्वविद्यालयों को भी बंद करने की मंशा है? उन्होंने उल्लेख किया गया कि पूर्व में स्कूलों के फेरबदल से हजारों शिक्षकों की नौकरियां समाप्त हो चुकी हैं। संगठन ने केंद्र और राज्य सरकारों



से अपील की कि शिक्षा के प्रति गंभीर रुख अपनाएं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत आवश्यक संसाधन तथा सुविधाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे इस मुद्दे पर एकजुट होकर गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के भविष्य की रक्षा करने का काम करें। वार्ता के दौरान जेडीएस के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बहबी कुमार, अर्जुन सिंह, सुमित कुमार, अजय सिंह तथा वरिष्ठ समाजसेवी बलबीर गौतम सहित कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।



प्रदेश के प्राईमरी स्कूलों को बंद न करने की मांग

–जेडीएस ने सीएम को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासन को सौंपा

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। सरकार द्वारा राज्य में पाँच हजार प्राईमरी स्कूल बंद किए जा रहे प्रयासों को गैर संवैधानिक तथा अनुच्छेद 21ए का खुला उल्लंघन तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के विरुद्ध बताते हुए आज जेडीएस संगठन के कार्यकर्ताओंने प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन आज जिला प्रशासन को सोंपा। बृहस्पतिवार को जेडीएस संगठन से जुडे पदाधिकारी आज जिला मुख्यालय पहुंचे ओर प्रदेश में पांच हजार प्राइमरी स्कूलों को बंद करने के प्रयासों की निंदा करते हुए कहा कि ये कहा कि यह



राज्य के लाखों बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। देश की आने वाली पीढ़ी को निरक्षर रखने को इस षड़यंत्र का जेडीएस कड़ा विरोध करता है और पुनः यह मांग करता है कि सरकार अपने इस फैसले का तुरंत वापस ले अन्यथा संगठन राज्य सरकार के खिलाफ पूरे राज्य में शिक्षा बचाओ, देश बचाओ महाआंदोलन शुरू करेगा। जनता देश संगठन राज्य सरकार से अपील करती है कि यदि राज्य सरकार सहमत है तो संगठन राज्य में बंद होने वाले सभी सरकारी स्कूलों को अपने अंडर लेना चाहता है और विषय में जल्द ही राष्ट्रपति तथा प्रधानमंत्री से बात करने के लिए तैयार है। उन्होंने ज्ञापन में कहा कि यह गरीब बच्चों के भविष्य से खिलवाड है जिसे बर्दाश्त नहीं किया जायेगा और किसी भी विद्यालय को बंद नहीं किया जाये। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, मीडिया प्रमारी बॉबी कुमार, आदि सदस्यगण मौजूद रहे।

पंजाब केसरी
MON,07 JULY 2025
EDITION: UTTAR PRADESH , PAGE NO. 1

प्रदेश सरकार द्वारा प्राइमरी स्कूल बंद किए जाने का निर्णय गैर संवैधानिक है: सुरेश कुमार फौजी



पत्रकारों से वार्ता करते राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी। (संजय)

सहारनपुर, 6 जुलाई (ब्यूरो): जे.जे. पुरम स्थित जनता देश संगठन कार्यालय पर एक प्रैसवार्ता हुई जिसमें पत्रकारो को जानकारी देते हुए संस्था एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा राज्य में 5000 प्राइमरी स्कूल बंद किया जाने का निर्णय गैर संवैधानिक तथा अनुच्छेद 21 ए का खुला उल्लंघन है। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के विरुद्ध है। जो राज्य के लाखों बच्चों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है।

उन्होंने कहा कि देश की आने वाली पीढ़ी को निरक्षर रखने की इस योजना का जनता देश संगठन कड़ा विरोध करता है और यह मांग करता है कि सरकार अपने इस फैसले को तुरंत वापस ले। अन्यथा संगठन राज्य सरकार के खिलाफ पूरे राज्य में शिक्षा बचाओ देश बचाओ महा आंदोलन शुरू करेगा।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार पहले भी प्राइमरी स्कूलों में फेर बदल कर चुकी है। जिसके चलते हजारों शिक्षकों के रोजगार समाप्त हो चुके हैं। सरकार को देश और राज्य के आम नागरिकों के समक्ष यह स्पष्ट करना चाहिए कि प्राइमरी स्कूलों को बंद करने के कारण क्या है, तथा साथ ही यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि जिन बच्चों को शिक्षा से वंचित रखा जा रहा है, उनके भविष्य का निवारण क्या है। क्या भविष्य में सरकार द्वारा संचालित माध्यमिक, उच्च माध्यमिक तथा विश्वविद्यालय को भी बंद करने की योजना है क्योंकि अधिकतर सरकार शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत ना तो मानक पूरे हैं और नहीं उच्च स्तरीय सुविधाएं, जहां पर देश की युवा पीढ़ी अच्छी शिक्षा ग्रहण कर भविष्य में आगे बढ़ सके। संगठन देश और राज्य के तमाम संगठनों तथा राजनीतिक पार्टियों से यह अपील करता है कि देश वंचितों तथा निर्धन बच्चों के भविष्य के सुधार के लिए सभी दल एक साथ आएं।

इस अवसर पर जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, अर्जुन सिंह, सुमित कुमार, अजय सिंह तथा वरिष्ठ समाज सेवी बलबीर गौतम इत्यादि मौजूद रहे।

सहारनपुर

जनता देश संगठन ने की समूह- सखी महिलाओं को वेतन दिलाने की मांग

दैनिक अयोध्या टाइम्स सहारनपुर। समूह– सखी महिलाओं को वेतन दिलाने की मांग को लेकर जनता देश संगठन जीडीएस के द्वारा धरना देकर जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सोपा। ज्ञापन मे राज्य सरकार से यह मांग की है कि समूह– सखी महिलाओं कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम)के तहत विभाग में कार्यरत को उचित वेतनमान नहीं मिल रहा है। जबकि इन समूह– सखी की महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है।

पिछले 1 वर्ष से भी ज्यादा समय से संगठन लगातार महिलाओं के वेतन बढ़ाने को लेकर संघर्षरत है, लेकिन सरकार महिलाओं के प्रति गंभीर नहीं है। जनता देश संगठन (जे डीएस) समूह– सखी महिलाओं की निम्नलिखित मांगों का समर्थन करता है । तथा सरकार से मांग करता है कि समूह– सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18000 रुपए प्रतिमाह। विभाग में स्थाई नियुक्ति तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत संपूर्ण



सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार एक माह के अंदर महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है। तो इसके गंभीर परिणाम होंगे, जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जे डीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी),मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार ,श्रीमती बबीता कश्यप अध्यक्ष, समूह– सखी, नकुड़ विधान सभा अध्यक्ष आदेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, समूह– सखी बरखा, उमा, पूजा, सोनम, आरती, टिना,रूखसार, मीरा, प्रियंका, जोनी इत्यादि सदस्य गण मौजूद रहे।

जनता देश संगठन द्वारा वेतन वृद्धि को लेकर मुख्यमंत्री के नाम जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

साइबर एक्सप्रेस



सहारनपुर-जनता देश संगठन जीडीएस के द्वारा दिनांक 14 सितम्बर 2025 दिन रविवार को सहारनपुर जिला अधिकारी के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नाम ज्ञापन सौपते हुए राज्य सरकार से यह मांग की है कि समूह-सखी महिलाओं (जो कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम)के तहत विभाग में कार्यरत हैं) को उचित वेतनमान नहीं मिल रहा है ।जबकि इन समूह-सखी की महिलाओं से हर क्षेत्र में क्षमता से अधिक कार्य करवाया जाता है ।जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना ।जीवन ज्योति बीमा योजना ।पशु टीकाकरण योजना ।मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि ।न्यूनतम वेतन महज 800 प्रतिमाह दिया जाता है ।जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्राम में होने वाला खर्च स्वयं से निर्वाह करती है ।जिस कारण समूह सखी महिलाएं अपना जीवन यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही है ।संस्थापक सुरेश कुमार फौजी ने बताया कि पिछले 1 वर्ष से भी ज्यादा समय से जनता देश संगठन लगातार महिलाओं के वेतन बढ़ाने को लेकर संघर्षरत है

लेकिन सरकार महिलाओं के प्रति गंभीर नहीं है ।जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह-सखी महिलाओं की निम्नलिखित मांगों का समर्थन करता है तथा मुख्यमंत्री सरकार से मांग करता है कि समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18000 रुपए प्रतिमाह ।विभाग में स्थाई नियुक्ति तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार एक माह के अंदर महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है ।तो इसके गंभीर परिणाम होंगे। जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी ।इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार (फौजी), मुख्य सलाहकार श्री राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री मांगेराम कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, श्रीमती बबीता कश्यप अध्यक्ष, समूह-सखी, नकुड़ विधान सभा अध्यक्ष आदेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, समूह- सखी बरखा, उमा, पूजा, सोनम, आरती, टिना, रूखसार, मीरा, प्रियंका, जोनी इत्यादि सदस्य गण मौजूद रहे।

पंजाब केसरी
MON,15 SEPTEMBER 2025
EDITION: UTTAR PRADESH KESARI, PAGE NO. 1



।।उठो देश के वीर सपूतों।।

उठो देश के वीर सपूतों, नया राष्ट्र निर्माण करो
हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, तुम सबका सम्मान करो-।।

आज़ादी की खातिर जिसने, अपना सब कुछ गवाँ दिया,
15 अगस्त की इस तारिख को, नए भारत को जन्म दिया
नमन: करूँ मैं उन वीरों को, जिसने आज़ादी दिलवायी,
हँसते-हँसते सिनों पर अपने, दुश्मन की गोली खायी।
अमर रहें वो इस जग में, तुम ऐसा गुण-गान करो
उठो देश के वीर सपूतों, नया राष्ट्र निर्माण करो-।।

देखो शान तिरंगे की, चाँद पे जा लहराया
है इसरो इस देश की ताकत, जिसने इसे फहराया
तुम भी ऐसा कुछ काम करो, देश का रोशन नाम करो
वैज्ञानिक, इंजीनियर, बनकर, माँ-बाप का ऊँचा नाम करो
माँ, माटी और ममता का, तुम फिर से श्रृंगार करो
उठो देश के वीर सपूतों, नया राष्ट्र निर्माण करो-।।

जब माँ ने मुझे जन्म दिया, मै एक कोरा कागज़ था,
ना हिंदू था, ना मस्लिम था, बस..! प्यारा सा मानव था
चली हवा मज़हब की ऐसी, कागज़ रहा ना मानव बाकी।
राजनीति ने तोड़ा ऐसे, ना रही खादी, ना रही खाकी
अपने झगड़ों के चक्कर में, न देश का यूँ अपमान करो
उठो देश के वीर सपूतों, नया राष्ट्र निर्माण करो-।।

हर नर मे अब्दुल कलाम, हर नारी मदर टेरेसा हो,
कर्नल सोफिया और व्योमका, गौरव उनके जैसा हो
सिना हो फौलादी अपना, धैर्य अटल हिमालय सा हो
गंगा-यमुना की गहराई, हर माँ के आँचल में हो
अपनी मिट्टी, अपना देश, कण-कण पर अभिमान करो
उठो देश के वीर सपूतों, नया राष्ट्र निर्माण करो-।।

मै दुआ करूँ, सजदा करूँ, गिरजा और गुरूद्वारों में
झण्डा ऊँचा रहे हमेशा, तुफानों, अंधियारों मे
हर युग में जन्में नेताजी, हर माँ का लाल आज़ाद हो
बेटा-बेटी करें पढ़ाई, देश मेरा आबाद हो
नही झुकेंगे, नही रूकेंगे, तुम ऐसी ललकार करो
उठो देश के वीर सपूतों, नया राष्ट्र निर्माण करो-।।

सुरेश कुमार (फौजी)
संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष
जनता देश संगठन (जेडीएस)
Mob, 5936812500

समूह-सखी महिलाओं का वेतनमान बढ़ाए जाने की मांग, मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन



प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन देते जे.डी.एस. के पदाधिकारी। (संजय)

सहारनपुर, 14 सितम्बर (ब्यूरो): जनता देश संगठन (जे.डी.एस.) द्वारा आज जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपते हुए राज्य सरकार से यह मांग की गई कि समूह-सखी महिलाओं को उचित वेतनमान नहीं मिल रहा है, उनको उचित वेतनमान दिया जाए जबकि इन समूह-सखी की महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि।

हकीकत नगर रामलीला मैदान पर समूह-सखी कार्यकत्रियों के साथ धरना देते हुए जनता देश संगठन के पदाधिकारियों ने ज्ञापन के माध्यम से अवगत करवाया कि समूह-सखी महिलाएं, जो कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत हैं परन्तु उनको उचित वेतन नहीं मिल रहा है जब कि उनसे हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। बावजूद इसके उन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रुपए प्रतिमाह दिया जाता है जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्राम में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती हैं जिस कारण समूह-सखी महिलाएं अपना जीवन यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले एक वर्ष से भी ज्यादा समय से संगठन लगातार महिलाओं के वेतन बढ़ाने को लेकर संघर्षरत हैं, लेकिन सरकार महिलाओं के प्रति गंभीर नहीं है। जनता देश संगठन समूह-सखी महिलाओं की विभिन्न मांगों का समर्थन करता है। सरकार से समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18000 रुपए प्रतिमाह, विभाग में स्थाई नियुक्ति तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत संपूर्ण सुविधाएं मिले जाने की मांग करता है।

इस अवसर पर जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, श्रीमती बबीता कश्यप अध्यक्ष समूह-सखी, नकुड़ विधान सभा अध्यक्ष आदेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, समूह-सखी बरखा, उमा, पूजा, सोनम, आरती, टिना, रूखसार, मीरा, प्रियंका, जॉनी आदि मौजूद रहे।

क्या सरकारी स्कूलों को बंद करना ही समस्या का समाधान है?

(खिलाफत बुलेटिन)

सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता से व्यथित होकर शिक्षा मंत्री श्री एमसी छागला ने सन् १९६४ में सदन को संबोधित करते हुए एक महत्वपूर्ण बयान में कहा था।

हमारे संविधान निर्माताओं का यह इरादा नही था कि हम सिर्फ झुग्गियां खड़ी कर दे, वहां छात्रों को बिठा दें, अप्रशिक्षित शिक्षक दे दें,उन्हें घटिया पाठ्य पुस्तकें दे दें, खेल के मैदान न दें और कहे कि हमने अनुच्छेद ४५ का पालन कर लिया है और प्राथमिक शिक्षा का विस्तार हो रहा है। उनका मतलब था कि हमारे ६ वर्ष से १४ वर्ष की आयु के बच्चों को वास्तविक शिक्षा दी जानी चाहिए। भारतीय संविधान का ८६वां संशोधन,अनुच्छेद २१, तथा शिक्षा का अधिकार अधिनियम २००६ इस बात का इस बात के द्योतक हैं कि श्री छागला का वक्तव्य कितना प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण था। हालांकि शिक्षा के क्षेत्र में आमूलचूल परिवर्तन हुए,झुग्गी- झोपड़ियों के स्थान पर पक्के स्कूलों का निर्माण भी हुआ जो कल तक स्थाई थे लेकिन अब अस्थाई है। जहां पर गरीब बच्चों के साथ शिक्षा के नाम पर खिलवाड़ हो रहा है। और सरकारें महज़ साढ़े सात् दशक में ही इतनी मजबूर और निष्फल हो चुकी है कि समाधान तलाशने की बजाय उन सरकारी स्कूलों को बंद करने पर आमादा है। जो देश के दीन-हीन, गरीबों,मजदूरों तथा वंचित समाज के बच्चों के आगे बढ़ाने की प्रथम सीढ़ी है। इतना ही नही खबर यह भी है कि सरकार पूरे राज्य में तकरीबन २७००० स्कूलों को बंद करने का निर्णय ले चुकी है।

विदित हो कि राज्य सरकार पहले भी प्राइमरी स्कूलों में फेरबदल कर चुकी है।जिसके चलते हजारों शिक्षकों के रोजगार समाप्त हो चुके हैं।जहाँ एक तरफ उत्तर प्रदेश की जनसंख्या बढ़कर तकरीबन २५ करोड़ तक पहुंच चुकी है। बढ़ती आबादी के लिहाज से राज्य में स्कूलों की संख्या बढ़ने की बजाय लगातार घटते ही जा रही है। सरकार को देश और राज्य के आम नागरिकों के समक्ष या स्पष्ट करना चाहिए कि प्राइमरी स्कूलों को बंद करने के कारण क्या है ? साथ ही यह भी बताना चाहिए कि जिन बच्चों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है उनके भविष्य का निवारण क्या है? तथा बताना चाहिए कि क्या भविष्य में सरकार द्वारा संचालित माध्यमिक,उच्च माध्यमिक तथा विश्वविद्यालयों को भी बंद करने की योजना है? क्योंकि अधिकतर सरकारी शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत ना तो मानक पूरे हैं, और न ही उच्च स्तरीय सुविधाएं जहां पर देश की युवा पीढ़ी अच्छी शिक्षा ग्रहण कर भविष्य में आगे बढ़ सके। तथा साथ ही साथ यह तो आवश्यक ही बताना चाहिए कि वर्तमान सरकार के द्वारा राज्य में कुल कितनी सरकारी स्कूलों का निर्माण हुआ?

२०२३ में एक आरटीआई के द्वारा यह जानने का प्रयास किया गया कि उत्तर प्रदेश राज्य में सन् २००७ से लेकर २०२२ तक कुल कितने सरकारी स्कूलों का निर्माण हुआ..! प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश की वर्तमान भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) सरकार ने (२०१७ से २०२० तक) अपने तीन वर्षों के कार्यकाल में मात्र २२४ सरकारी स्कूलों का निर्माण करवाया। समाजवादी पार्टी (सपा) के कार्यकाल(२०१२से २०१७तक) में कुल ४१४० सरकारी स्कूलों का निर्माण हुआ। जबकि बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) के कार्यकाल (२००७ से २०१२ तक) में २७,४३६ सरकारी स्कूलों का निर्माण हुआ। उत्तर प्रदेश शिक्षा के इतिहास में शायद यह पहली बार है, जब इतनी बड़ी संख्या में सरकारी स्कूलों का निर्माण हुआ। जो कि अपने आप में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है।

गुणवत्ताहीन शिक्षा आज सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की घटती संख्या की जिम्मेदार है। यह शिक्षकों का आलसीपन और प्रशासन तथा सरकार की लापरवाही का नतीजा है कि देश का गरीब बच्चा आज शिक्षा से वंचित होने जा रहा है। दुःख इस बात का है कि जो लोग पार्टियों के नाम पर, वोटो के नाम पर, प्रचार-प्रसार के नाम पर,जातियों और धार्मिक दंगों के नाम पर,सड़के जाम कर देते हैं। जागरण और सत्संगों के नाम पर पंडाल खचाखच भर देते हैं। अपने बच्चों का भविष्य लूटने पर खामोश क्यों हैं..? हालांकि पूरा का पूरा दोष न तो शिक्षकों पर थोपा जा सकता है। और न ही प्रशासन पर, इसमें कुछ दोष अभिभावकों का भी है।

जिन निजी स्कूलों में अपने बच्चों का दाखिला कराने पर अभिभावक गर्व से सीना चौड़ा कर लेते हैं,क्या उन अभिभावकों ने कभी यह जानने की चेष्टा की है। कि निजी स्कूलों और सरकारी स्कूलों के शिक्षकों में अंतर क्या है.. ?सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले शिक्षक सरकार के द्वारा शत प्रतिशत प्रशिक्षण प्राप्त होते हैं। जो बाकायदा भर्ती प्रक्रिया के तहत बीईएड,बीटीसी या टीजीटी के साथ अपने-अपने विषयों पर मजबूत पकड़ निपुण तथा पारंगत होते हैं। जबकि निजी स्कूलों में यह व्यवस्था सिर्फ सुनिंदा स्कूलों में पाई जाती है। अन्यथा स्कूल नुमा इन दुकानों पर अधिकतर टीचर अनुभवहीन पाए जाते हैं। जिन्हें शिक्षक और छात्रों के मानक तक का ज्ञान नहीं होता। इन ऊंची-ऊंची बिल्डिंगों में भ्रामकता तो अव्वल दर्जे की है, लेकिन ज्ञान अव्वल दर्जे का मिले, ऐसी संभावना कम है। जहां एक तरफ सरकारी स्कूलों में न्यूनतम फीस में बच्चे अच्छी शिक्षा प्राप्त करते हैं । वहीं दूसरी तरफ प्राइवेट स्कूलों की फीस इतनी अधिक होती है कि देश का दिहाड़ी,मजदूरी करने वाला अभिभावक जितनी चादे जी तोड़ मेहनत करें,लेकिन अपने बच्चों को एक अच्छा डाक्टर,एक अच्छा इंजीनियर,एक अच्छा वैज्ञानिक या एक अच्छा अधिकारी नहीं बना सकता,जिसकी कल्पना में वह रात दिन मेहनत करता है। निजी कंपनियों में हम चाहे जितने बड़े ओहदे पर हो, लेकिन सरकारी शिक्षण संस्थान आज भी अपना विशेष महत्व रखती है।

सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले शिक्षकों को अक्सर यह दोष दिया जाता है, कि यह स्कूलों में बच्चों को ठीक से पढाते ही नहीं जिस कारण सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर दिन.बे.दिन गिरता जा रहा है। शायद देश आज हो चुका है कि यह वही शिक्षक है,वही गुरु है। जो देश को दशकों से अच्छे वैज्ञानिक,डाक्टर, इंजीनियर,अधिकारी,नेता,अभिनेता देता आ रहा है। जिन्होंने देश को आजादी भी दिलवाई और देश का विकास भी किया। इसका क्या कारण हो सकता है कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा का स्तर लगातार गिरता जा रहा है? सरकार इन स्कूलों को बंद करने पर आमादा है..दिरअसल सरकार अपनी जिम्मेदारियों से पीछा छुड़ाना चाहती है। जिसके इसके निम्नलिखित कारण हो सकते हैं-

- सरकारी योजनाएं अधिकतर कागजों तक सीमित है,जहां कंप्यूटरी शिक्षा, अच्छे पुस्तकालय,सुविधापूर्ण प्रयोगशालाएं,स्वच्छ पेयजल,खेल के मैदान, शारीरिक प्रशिक्षण,चिकित्सा सुविधाएं तथा बच्चों के लिए पुस्तकों का अभाव।
- सरकारी टीचरों का स्कूलों में बच्चों को पढाने की अपेक्षा बाहर ट्यूशन को प्राथमिकता देना।
- देश के सरकारी स्कूल आज देश के नेताओं के प्रचार-प्रसार के अड्डे बन चुके हैं। जहां ग्राम सरपंच से लेकर नेता और मंत्री तक स्कूलों को सजे सजाए मंच के रूप में प्रयोग करते हैं। जिनकी आवभगत और चाटुकारता में अधिकतर शिक्षकगण लिप्त रहते हैं, कुछ प्रशासनिक दबाव में तो कुछ रसूखदार लोगों से संबंध स्थापित करने में।
- देश में होने वाले हर छोटे-बड़े चुनाव में इन्हीं स्कूलों,शिक्षकों तथा छात्रों का प्रशासन के द्वारा प्रयोग किया जाता है। बल्कि हालात तो यह है कि चुनाव जागरूकता अभियान,एड्स जागरूकता अभियान,प्रदूषण रोको अभियान,परिवार नियोजन अभियान जैसे अनगिनत अभियानों का प्रचार-प्रसार इन्हीं बच्चों पर आश्रित है। दुर्भाग्य देखिए कि..! सरकार या प्रशासन द्वारा इन सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को अतिरिक्त क्लास देने के लिए शायद ही कभी चुनाव आयोग से या उपरोक्त विभाग से कोई अधिकारी नियुक्त किया जाता हो..! सरकारी स्कूलों में भोजन के नाम पर मिड डे मील योजना से कौन परिचित नहीं है, दूषित पानी और घटिया भोजन के चलते स्कूलों में आए दिन बच्चों को आकारण बीमार होते देखा जाता है। जहां खर्च का अनुपात लगभग ना के बराबर ही होता है,लेकिन अच्छे भोजन की कोई गारंटी नहीं।

देश भर से वर्ष २०१७-१८ में एनएसएसओ के सर्वे के अनुसार ६ वर्ष से १७ वर्ष के बीच की उम्र वाले स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या देश में ३.२२ करोड़ है। जो कि इसराइल या स्विट्जरलैंड जैसे देशों की संख्या से कहीं अधिक है। अधिकतर सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों (शिक्षकों तथा छात्रों)के मानक पूरे नही है।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम २००६ कहता है कि अधिकतम ३० और न्यूनतम २५ बच्चों पर एक शिक्षक की नियुक्ति का प्रावधान है।जबकि वर्तमान में देश के अधिकतर सरकारी स्कूलों में बच्चों के लिए पर्याप्त सुविधा उपलब्ध ही नहीं है।

२०१८ में कक्षा ८ वें तक सकल नामांकन अनुपात जी ईआर) ९१.६ प्रतिशत है। जबकि कक्षा ९-१० और ११ के लिए यह आंकड़ा ७६.३ प्रतिशत और ५६.४ प्रतिशत है। आंकड़े यह भी दर्शाते हैं कि किस प्रकार से कक्षा ५ और विशेष रूप से कक्षा ६ के बाद नामांकित छात्रों का एक महत्वपूर्ण अनुपात शिक्षा प्रणाली से बाहर हो जाता है। यूनिफाइड डिस्ट्रक्ट इनफारमेशन सिस्टम फार एजुकेशन (यू. डीएसआईई) २०१६- १७ के आंकड़ों के अनुसार प्राथमिक स्तर पर लगभग १६.६ प्रतिशत छात्र अनुसूचित जाति के हैं। उच्चतर माध्यमिक स्तर पर लगभग १७.३ अनुसूचित जनजाति के छात्रों (१०. ६ से ६.०८ प्रतिशत) बच्चों की वर्तमान स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हैं। उपरोक्त आंकड़ों में उत्तर राज्य प्रदेश राज्य की वर्तमान स्थिति क्या है...? यह किसी से छिपी नही है।

'आजादी के बाद का भारत' ऐतिहासिक पुस्तक के प्रसिद्ध इतिहासकार एवं वरिष्ठ लेखक श्री विपिन चंद्र आर्थिक समस्याओं पर अपना अनुभव साझा करते हुए एवं चिंता व्यक्त करते हुए लिखते है-

आज आर्थिक विकास या चौथी औद्योगिक क्रांति,माइक्रोचिप, बायोटेक्नोलाजी,सूचना तकनीकी तथा ऊर्जा के स्रोतों और विकास प्रबंधन तरीकों पर आधारित है।वे मुख्यतः बुद्धि 'मस्तिष्क शक्ति' पर निर्भर हैं। अर्थात नागरिकों की वैज्ञानिक,तकनीकी प्रबंधन क्षमताओं पर एक नई अंतर्राष्ट्रीय श्रम- विभाजन का लगातार खतरा बना हुआ है। इस श्रम विभाजन के तहत विकसित टेक्नोलाजी शोध एवं विकास कार्य तथा अन्य मस्तिष्क संबंधी गतिविधियों और भारत तथा अन्य विकासमान देश परंपरागत उपभोक्ता एवं उत्पादक वस्तुओं के निर्माण और शारीरिक गतिविधियों के काम तक सीमित रह जाएंगे। चूंकि औद्योगिक क्रांति की सबसे पहले हाल की मंजिल मस्तिष्क की गतिविधियों पर आधारित है। शिक्षा,विशेष कर उच्चतर शिक्षा काफी महत्वपूर्ण हो जाती है। सच्चाई यह है कि ग्रामीण और शहरी इलाकों के छात्रों के काफी बड़े बहुमत को ही जाने



वाली शिक्षा अत्यंत निम्न स्तर की है। इसका मतलब यह है कि देश की विभागी शक्ति के बहुत बड़े प्रयोग से वंचित रखा जा रहा है। वास्तव में इसे आंतरिक पलायन कहा जा सकता है। इस अक्षम और त्रुटि पूर्ण शिक्षा व्यवस्था को पूर्ण रूप से सुधारना जरूरी है।

यक्ष प्रश्न यह है कि क्या सरकारी स्कूलों को बंद करना ही समस्या का समाधान है...?

क्या पेयरिंग आफ स्कूल कह देने भर से सरकार का दायित्व पूरा हो गया और बच्चों को अच्छी शिक्षा प्राप्त हो जाएगी, जो बच्चे गांव के स्कूल तक आने में सक्षम नही है,,दूसरे गांव में कैसे जाएंगे. .?

मासूम बच्चों के साथ होने वाली अप्रिय घटना किसी भी अभिभावक को चिंता और परेशानी में डाल सकती है। ऐसे में उन्हें छोड़ने और लेकर आने की जिम्मेदारी क्या सरकार वहन करेगी..? या फिर यह करीब और मजदूर अभिभावक करेंगे, जिनका जीवन अधिकतर सरकारी योजनाओं पर निर्भर है..! या फिर सरकार इन बच्चों को किसी नजदीकी निजी स्कूलों में प्रवेश दिलाएगी जिनको सरकार के द्वारा परोक्ष रूप से बढ़ाया दिया जा रहा है। इसे देश के गरीब बच्चों का दुर्भाग्य कहिए कि जहां पर शिक्षा निःशुल्क है,वहां गुणवत्तायुक्त शिक्षा का नामो निशान नहीं है और जहां अच्छी शिक्षा है उन स्कूलों में इन बच्चों का प्रवेश तक नही जिन बच्चों के लिए निःशुल्क शिक्षा का प्रावधान रखा गया है।

यदि यही हाल रहा और देश के प्रत्येक राज्य की सरकारें इसी तरह सरकारी स्कूलों को बंद करने पर आमादा रही तो हम देश के साढ़े छः लाख गांव और ढाई लाख पंचायतों में रहने वाली आबादी के बच्चों को शिक्षा से वंचित कर देंगे। मेरी सरकार से अपील है कि इस निर्णय पर फिर से विचार विमर्श कर कोई मध्य मार्ग निकाला जाए,जिससे किसी भी परिस्थिति में बच्चों की प्राथमिक शिक्षा लगातार जारी जा सके।

सुरेश कुमार (पीजी) संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष-जनता देश संगठन
9536812500

मांगों को लेकर जनता देश संगठन ने किया जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन

दैनिक अयोध्या टाइम्स, सहारनपुर। जनता देश संगठन ने मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। मांगों से संबंधित एक ज्ञापन उन्होंने प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। पदाधिकारियों ने कहा कि समह सखी महिलाओं जो कि



पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन को उचित वेतन नहीं मिल पा रहा है। जब कि इन समूह–सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह–सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण समूह–सखी महिलाएँ अपना जीवन–यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि संगठन पिछले एक वर्ष से लगातार महिलाओं के वेतन बढ़ाने को लेकर संघर्षरत हैं। लेकिन सरकार महिलाओं के प्रति गंभीर नहीं है। ज्ञापन मे सरकार से यह मांग कि समूह–सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सरकार एक माह के अंदर महिलाओं की समस्या समाधान नही करती है। तो संगठन आने वाली 14 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरणे पर बैठेगा को विवश होगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बॉबी कुमार, श्रीमति बबीता कश्यप, अध्यक्षा समूह–सखी, अर्जुन सिंह आदि सदस्यगण मौजूद रहे।

विभिन्न मांगों को लेकर जनता देश संगठन ने सौंपा ज्ञापन



सहारनपुर, संवाददाता। जनता देश संगठन के कार्यकर्ताओं ने विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपकर समूह सखी महिलाओं को उचित वेतन दिलाने की मांग की।

जनता देश संगठन के कार्यकर्ताओं ने ज्ञापन में बताया कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन, (एनआरएलएम) के तहत विभाग में कार्यरत समूह सखी महिलाओं को उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जब कि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना आदि में कार्य कराया जाता है। इसके बावजूद इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। जबकि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण समूह-सखी महिलाएँ अपना जीवन-यापन उचित रूप से नही कर पा रही है। उनका कहना था कि संगठन पिछले एक वर्ष से लगातार महिलाओं के वेतन बढ़ाने को लेकर संघर्षरत हैं। लेकिन सरकार महिलाओं के प्रति गंभीर नहीं है। उन्होंने मांग की कि समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्त्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार एक माह के अंदर महिलाओं की समस्या समाधान नहीं करती है, तो संगठन आगामी 14 अगस्त से अनिश्चितकालीन धरना शुरूकरने को बाध्य होगा।

इस दौरान जेडीएस के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीड़िया प्रभारी बॉबी कुमार, बबीता कश्यप, अर्जुन सिंह आदि सदस्य मौजूद रहे।

सहारनपुर जनता देश संगठन जेडीएस ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम सौपा ज्ञापन



जनमत की पुकार :- सहारनपुर जनता देश संगठन जेडीएस ने जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि समूह सखी महिलाओं जो कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत विभाग में कार्यरत है उचित वेतन नहीं मिल रहा है जबकि इन समूह सखी महिलाओं से हर क्षेत्र मे कार्य कराया जाता है प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना,जीवन ज्योति बीमा योजना,पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना इसके बावजूद न्यूनतम वेतन महज 800 रूपये प्रतिमाह दिया जाता है जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्रामो में होने वाला खर्च यह समूह सखी स्वयं से निर्वहन करती हैं जिस कारण समूह सखी महिलाएं अपना जीवन यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही हैं जनता देश संगठन जेडीएस समूह सखी महिलाओं की निम्नलिखित मांगों का समर्थन करता है समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रुपए प्रतिमाह,विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाए प्राप्त होनी चाहिए यदि सरकार एक माह के अंदर महिलाओं की समस्या समाधान नहीं करती है तो संगठन आने वाली 14 अगस्त 2025 से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठेगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी

समूह-सखी महिलाओं के समर्थन में जीडीएस ने सौंपा ज्ञापन

समस्याओं का समाधान न होने पर 14 अगस्त से होगा अनिश्चितकालीन धरना



सहारनपुर संवाददाता। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने आज जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन सौंपकर समूह–सखी महिलाओं के वेतन में वृद्धि की मांग की। संगठन ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत कार्यरत ये महिलाएं विभिन्न योजनाओं जैसे पीएम सुरक्षा बीमा, जीवन ज्योति बीमा, पशु टीकाकरण व मिशन अंत्योदय में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, फिर भी उन्हें मात्र 800 रूपए प्रतिमाह मिलते हैं। जेडीएस ने समूह–सखी महिलाओं को 18,000 रूपए प्रतिमाह वेतन, स्थायी नियुक्ति और मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत सभी सुविधाएं देने की मांग की। चेतावनी दी गई है कि यदि सरकार ने एक माह में समाधान नहीं किया तो 14 अगस्त से अनिश्चितक. ालीन धरना शुरू किया जाएगा। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौपा

(डॉ. मुस्तकीम राव)

सहारनपुर जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौपते हुए, राज्य सरकार से यह मांग की है कि समूह- सखी महिलाओं (जो कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत विभाग में कार्यरत हैं) को उचित वेतनमान नहीं मिल रहा है। जबकि इन समूह- सखी की महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना,जीवन ज्योति बीमा योजना,पशु टीकाकरण योजना,मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसके इन्हें न्यूनतम वेतन महज ?800 प्रतिमाह दिया जाता है। जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्राम में होने वाला खर्च यह समस्या की स्वयं से निर्वाह करती है। जिस कारण समूह सखी महिलाएं अपना जीवन यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही है। बड़े ही दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि पिछले 1 वर्ष से संगठन लगातार महिलाओं के वेतन बढ़ाने को लेकर संघर्षरत है, लेकिन सरकार महिलाओं के प्रति गंभीर नहीं है। जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह- सखी महिलाओं की निम्नलिखित मांगों का समर्थन करता है। तथा सरकार सीएम मांग करता है कि समूह- सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18000 रुपए प्रतिमाह। विभाग में स्थाई नियुक्ति तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार एक माह के अंदर महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है। तो संगठन आने वाली 14 अगस्त 2025 से अनिश्चितकालीन धरने पर बैठने को विवश होगा। जिसकी समस्या जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार (फौजी), मुख्य सलाहकार श्री राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष श्री सुभाष बर्मन, मंडल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, श्रीमती बबीता कश्यप अध्यक्ष, समूह- सखी अर्जुन सिंह इत्यादि सदस्य गण मौजूद रहे।



गांव ससौली माजरी (अम्बेडकर विहार) में सफाई व अवैध कब्जे हटाने की मांग, डीसी को सौंपा ज्ञापन

सवेरा न्यूज, ओमपाहवा

यमुनानगर, 27 अगस्त : जनता देश संगठन (जे.डी.एस.) के जिला अध्यक्ष मोहन लाल ससौली व जिला महासचिव जरनैल सिंह ने अपने सहयोगियों के साथ उपायुक्त यमुनानगर को एक ज्ञापन सौंपकर गांव ससौली माजरी (अम्बेडकर विहार) वार्ड नं. 20 की गंभीर समस्याओं से अवगत कराया। ज्ञापन में मुख्य रूप से सफाई व्यवस्था, तालाब की जमीन से अवैध कब्जे हटाने और गांव में बरातघर व आंगनबाड़ी भवन के निर्माण की मांग उठाई गई। मोहन लाल ने उपायुक्त को सौंपे ज्ञापन में बताया कि गांव के सरकारी ट्यूबवैल के आस-पास गोबर, कूड़ा-कर्कट आदि का ढेर लगा हुआ है। इसके चलते बरसात के दिनों में गंदा पानी सप्लाई किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों में बीमारियां फैलने का खतरा लगातार बना रहता है। यह समस्या लंबे समय से है, लेकिन नगर निगम द्वारा सफाई की कोई ठोस व्यवस्था नहीं की गई। जे.डी.एस. पदाधिकारियों ने मांग की कि ट्यूबवैल के आस-पास की गंदगी को तुरंत नगर निगम द्वारा उठवाया जाए, ताकि ग्रामीणों को पीने के लिए साफ पानी उपलब्ध हो सके और यमुनानगर जिले को स्वच्छ बनाने के प्रयास सफल हों। ज्ञापन में दूसरी बड़ी समस्या के रूप में बताया गया कि ससौली माजरी (अम्बेडकर विहार) में न तो सरकार ने कोई बरात घर बनाया है और न ही आंगनबाड़ी भवन का निर्माण किया गया है। मोहन लाल ससौली ने उपायुक्त को बताया कि गांव के तालाब की करीब 10 कनाल जमीन खाली पड़ी है, लेकिन उस पर कुछ लोगों ने अवैध कब्जा कर रखा है। उन्होंने मांग की कि तालाब की जमीन को कब्जामुक्त कराकर वहां एक सामुदायिक केन्द्र,बरातघर और आगनबाड़ी भवन का निर्माण करवाया जाए। इससे गांव व आसपास के लोग सीधे लाभान्वित होंगे। संगठन के कार्यकर्ता नशे के खिलाफ अभियान चलाते हैं, गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए फीस, किताबें व कॉपियों की सहायता करते हैं और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसी सरकारी योजनाओं को बढ़ावा देते हैं। इस अवसर पर मोहन लाल ससौली के साथ संगठन के महासचिव जरनैल सिंह उपस्थित रहे। मोहन लाल ने अंत में कहा कि यदि समय रहते इन समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो ग्रामीणों का जीवन कठिन बना रहेगा। उन्होंने आशा व्यक्त की कि जिला प्रशासन जल्द ही संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करेगा।



वार्ड में पड़ी गंदगी के ढेर।



सहारनपुर आसप

समूह-सखी महिलाओं के उचित वेतनमान की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन



विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने रविवार को सहारनपुर जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित ज्ञापन सौंपकर राज्य सरकार से समूह-सखी महिलाओं के लिए उचित वेतनमान, स्थाई नियुक्ति एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। संगठन ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत कार्यरत समूह-सखी महिलाएं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण, मिशन अंत्योदय जैसी योजनाओं में सक्रिय रूप से योगदान करती हैं। इसके बावजूद उन्हें मात्र 800 रुपये मासिक मानदेय मिलता है। मीटिंग या कार्यक्रमों का खर्च भी उन्हें स्वयं उठाना पड़ता है, जिससे उनका जीवन यापन कठिन हो गया है।

जनता देश संगठन ने महिलाओं के लिए 18,000 रुपये मासिक वेतन, विभाग में स्थाई नियुक्ति तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के अंतर्गत सभी सुविधाएं देने की मांग की। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि एक माह के भीतर समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो गंभीर परिणाम होंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन एवं राज्य सरकार की होगी। इस मौके पर संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, समूह-सखी अध्यक्ष श्रीमती बबीता कश्यप, नकुड़ विधानसभा अध्यक्ष आदेश कुमार, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित समूह-सखी महिलाएं बरखा, उमा, पूजा, सोनम, आरती, टिना, रुखसार, मीरा, प्रियंका, जोनी आदि मौजूद रहीं।

प्राइमरी स्कूल बंदी के खिलाफ जेडीएस का विरोध

-शिक्षा बचाओ-देश बचाओ आंदोलन की चेतावनी

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के 5000 प्राइमरी स्कूलों को बंद किए जाने का निर्णय न केवल गैर-संवैधानिक है बल्कि संविधान के अनुच्छेद 21-ए और शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 का स्पष्ट उल्लंघन है। सुरेश कुमार फौजी आज संगठन के जिला कार्यालय पर पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंनेने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने इस फैसले को तत्काल वापस नहीं लिया तो जेडीएस प्रदेशभर में शिक्षा बचाओ -देश बचाओ महाआंदोलन शुरू करेगा। उन्होंने कहा कि यह



निर्णय प्रदेश के लाखों बच्चों के भविष्य को अंधकार में धकेलने जैसा है। संगठन ने सवाल किया कि सरकार प्राइमरी स्कूलों को बंद करने की असल वजह क्यों नहीं स्पष्ट कर रही है? साथ ही यह भी बताया जाए कि जिन बच्चों को शिक्षा से वंचित किया जा रहा है, उनके भविष्य की क्या योजना है? क्या सरकार की भविष्य में माध्यमिक, उच्च माध्यमिक और विश्वविद्यालयों को भी बंद करने की मंशा है? उन्होंने उल्लेख किया गया कि पूर्व में स्कूलों के फेरबदल से हजारों शिक्षकों की नौकरियां समाप्त हो चुकी हैं। संगठन ने केंद्र और राज्य सरकारों से अपील की कि शिक्षा के प्रति गंभीर रुख अपनाएं और राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत आवश्यक संसाधन तथा सुविधाएं सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों से अपील की है कि वे इस मुद्दे पर एकजुट होकर गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों के भविष्य की रक्षा करने का काम करें। वार्ता के दौरान जेडीएस के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, अर्जुन सिंह, सुमित कुमार, अजय सिंह तथा वरिष्ठ समाजसेवी बलबीर गौतम सहित कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जनता देश संगठन ने अपनी मांगों को लेकर दिया धरना

● जनवाणी संवाददाता, सहारनपुर

जनता देश संगठन (जेडीएस) के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत कार्यरत समूह सिख महिलाओं को उचित पारिश्रमिक और मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर हकीकत नगर स्थित रामलीला मैदान में धरना और प्रदर्शन किया। बाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन में शामिल सिख महिलाओं के समूह ने आरोप लगाया कि वे पिछले कई वर्षों से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण, मिशन अंत्योदय आदि विभिन्न सरकारी योजनाओं में सेवाएं दे रही हैं, फिर भी उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है, जो बहुत ही कम और अनुचित है। महिलाओं ने कहा कि उन्हें शहरों में होने वाली बैठकों और अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने का खर्च भी खुद ही उठाना पड़ता है, जिससे उनका जीवन यापन बेहद कठिन हो गया है। जनता देश संगठन ने सिख महिलाओं के समूह की मांगों का समर्थन करते हुए



धरना प्रदर्शन करती महिला कार्यकर्ता।

सरकार से निम्नलिखित मांगें कीः समूह सखी महिलाओं को 18,000 रुपये प्रति माह मूल वेतन दिया जाना चाहिए, उन्हें विभाग में स्थायी नियुक्ति दी जानी चाहिए, मातृ लाभ अधिनियम 1961 के तहत सभी सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए।

संगठन ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द ही इन मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो वह विरोध प्रदर्शन तेज कर देंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार और जिला प्रशासन पर होगी। विरोध प्रदर्शन में संगठन के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, राष्ट्रीय महासचिव और महिला विंग की अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगे राम कश्यप, प्रांतीय अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मंडल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, सिख समूह की अध्यक्ष बबीता कश्यप और कार्यकर्ता बरखा, निर्मला, उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुखसार, सुमन, सीमा आदि बड़ी संख्या में मौजूद थे।

जनता देश संगठन ने समूह सखी की मांगों को लेकर दिया धरना

-प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर की समस्याओं के समाधान की मांग

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्य करने वाली महिलाओं को उचित मानदेय दिये जाने की मांग लेकर जनता देश संगठन ने आज प्रदर्शन कर धरना दिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपकर समस्याओं का समाधान किए जाने की मांग की। जनता देश संगठन से जुड़ी समूह सखी महिलाओं, जो पिछले कई सालों से राष्ट्रीय ग्रामीण मिशन के तहत विभाग में कार्यरत हैं, आज पूर्व घोषित कार्यक्रम के मुताबिक हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर पहुंची जहां उन्होंने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया तथा धरने पर बैठ गई। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को दिया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य



करवाया जाता है। जैसे: प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसक इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। जबकि शहर में होने वाली कोई भी बैठक या कार्यक्रम में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती हैं। जिस कारण समूह-सखी महिलाएँ अपना जीवन-यापन सही तरह से नहीं कर पाती हैं। जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह-सखी महिलाओं ने मांगों का समर्थन करता है तथा सरकार से यह मांग करता है कि समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है तो संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एड. पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बॉबी कुमार, श्रीमति बबीता कश्यप, अध्यक्षा समूह-सखी बरखा, निर्मला उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुखसार, सुमन, सीमा आदि मौजूद रही।



पुलि
-आ
सित
एक
साथ
दी
मारने
वि
स
पुलिस
मुकदमे
आरोपि
सफलत
जानका

आज का खुलासा

सहारनपुर

जनता देश संगठन ने समूह सखी की मांगों को लेकर दिया धरना

-प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर की समस्याओं के समाधान की मांग

सहारनपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्य करने वाली महिलाओं को उचित मानदेय दिये जाने की मांग लेकर जनता देश संगठन ने आज प्रदर्शन कर धरना दिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपकर समस्याओं का समाधान किए जाने की मांग की। जनता देश संगठन से जुड़ी समूह सखी महिलाओं, जो पिछले कई सालों से राष्ट्रीय ग्रामीण मिशन के तहत विभाग में कार्यरत हैं, आज पूर्व घोषित कार्यक्रम के मुताबिक हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर पहुंची जहां उन्होंने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया तथा धरने पर बैठ गई।



इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को दिया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जैसे: प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसक इन्हें न्यूनतम वेतन महज ८०० रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। जबकि शहर में होने वाली कोई भी बैठक या कार्यक्रम में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती हैं। जिस कारण समूह-सखी महिलाएँ अपना जीवन-यापन सही तरह से नहीं कर पाती हैं। जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह-सखी महिलाओं ने मांगों का समर्थन करता है तथा सरकार से यह मांग करता है कि समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन १८ हजार रूपए प्रति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम १९६१) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है तो संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एड. पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बॉबी कुमार, श्रीमति बबीता कश्यप, अध्यक्षा समूह-सखी बरखा, निर्मला उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुखसार, सुमन, सीमा आदि मौजूद रही।

पंजाब केसरी
WED,15 JANUARY 2025
EDITION: UTTAR PRADESH KESARI, PAGE NO. 1

जनता देश संगठन के बैनर तले मांगों को लेकर समूह-सखी महिलाओं ने दिया धरना



हकीकत नगर रामलीला मैदान में धरना देती महिलाएं। (संजय)

सहारनपुर, 14 जनवरी (ब्यूरो): हकीकत नगर स्थित रामलीला मैदान में मांगों को लेकर आज जनता देश संगठन द्वारा धरना दिया गया। बाद में मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से राज्य सरकार से यह मांग की गई कि समूह-सखी महिलाएं जोकि पिछले कई वर्षो से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत है, उनको उचित वेतन नहीं मिल रहा है जबकि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है तथा इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रुपए प्रतिमाह दिया जाता है जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या कार्यक्रम में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती हैं जिस कारण यह महिलाएं अपना जीवन-यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही हैं। जनता देश संगठन ने सरकार से समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रुपए प्रतिमाह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत सम्पूर्ण सुविधाएं दिए जाने की मांग की।

इस दौरान संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग एड. पिंकी पवन शिंदे, रोजेश्वर दास सैनी, सुभाष बर्मन, सौरभ सिंह, बॉबी कुमार, बंटी कुमार, बबीता देवी कश्यप, रश्मि, सोनिया, मुनेश, रीना, सुमन, लता, प्रवेश, सुमन देवी आदि मौजूद रहे।

जेडीएस ने मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन डीएम को सौंपा



सहारनपुर दै.अन्त तक। जनता देश संगठन ने सहारनपुर जिला अधिकारी के द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के नाम ज्ञापन सौंपते हुवे, राज्य सरकार से यह मांग की है। कि समूह–सखी महिलाओं (जो कि पिछले कई वर्षों से राष्टीय ग्रामीण आजिविका मिशन, (एनआरएलएम) में कार्यरत है।) को उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जब कि इन समूह–सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। तथा इन्हें न्यूनतम वेतन महज 900/– रूपए मात्र प्राप्त होता है। जब कि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह–सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण से यह महिलाएं अपना जीवन–यापन उचित रूप जीवन–यापन नही कर पा रही है। जनता देश संगठन (जेडीएस) सरकार से यह मांग करता है कि समूह–सखी महिलाओं की इस समस्या का समाधान होना ही चाहिए, तथा सरकार को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यदि सरकार उपरोक्त महिलाओं की समस्या का समाधान नही करती है। तो जनता देश संगठन (जेडीएस) कड़े कदम उठाने को मजबूर होगा। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के तमाम पदाधिकारी, संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग पिंकी पवन शिंदे, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगे राम कश्यप (पूर्व प्रधान), बबीता देवी कश्यप, अध्यक्षा समूह–सखि, रोजेश्वर दास सैनी, मुख्य सलाहकार जेडएस, सुभाष बर्मन प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मिड़िया प्रभारी बॉबी कुमार, रश्मी सैनी आदि सदस्यगण मौजूद (रहे। उम्रा देवी, कोमल, प्रवेश, संयोगिता, कोमल, सुनिता, श्रीमा, रहे।

दै.अन्त तक टीम

उचित वेतन न दिये जाने के विरोध में जेडीएस ने किया प्रदर्शन



जन लीडर न्यूज

सहारनपुर। समूह सखी महिलाओं को उचित वेतन न दिये जाने के विरोध में आज जनता देश संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपते हुए समस्या का निस्तारण कराने की मांग की। जनता देश संगठन से जुड़े कार्यकर्ता आज राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) के नेतृत्व में एकत्र होकर जिला मुख्यालय पहुंचे और अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार ने कहा कि समूह-सखी महिलाओं को उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जबकि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। उन्होंने कहा कि समूह सखी महिलाओं को न्यूनतम वेतन महज 900 रूपए मात्र प्राप्त होता है। जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण ये महिलाएं अपना जीवन-यापन सही नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नही करती है। तो जनता देश संगठन कड़े कदम उठाने को मजबूर होगा। प्रदर्शनकारियों में राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला विंग सुश्री पिंकी, पवन, मांगे राम कश्यप, श्रीमति बबीता देवी कश्यप, रोजेश्वर दास सैनी, सुभाष बर्मन, सौरभ सिंह, बॉबी कुमार, रश्मी सैनी बबीता कश्यप आदि मौजूद रहे।

जनता देश संगठन ने अपनी मांगों को लेकर दिया धरना

-मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन ने आज सखी समूह से जुड़ी महिलाओं को राज्य कर्मचारी का दर्जा दिए जाने सहित विभिन्न मांगों को लेकर आज प्रदर्शन का धरना दिया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को दिया। आज हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर जनता देश संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी के नेतृत्व में समूह सखी महिला से जुड़ी महिलाओं ने आज प्रदर्शन कर धरना दिया और इस संबंध में प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट गजेंद्र सिंह को सौंपते हुए कहा कि समूह-सखी महिलाओं (जो कि पिछले कई



वर्षों से राष्टीय ग्रामीण आजिविका मिशन, (एनआरएलएम) में कार्यरत हैं) को उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जब कि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। तथा इन्हें न्यूनतम वेतन महज 900/- रूपए मात्र प्राप्त होता है। जब कि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण से यह महिलाएं अपना जीवन-यापन उचित रूप जीवन-यापन नहीं कर पा रही है। जनता देश संगठन (जेडीएस) सरकार से यह मांग करता है कि समूह-सखी महिलाओं की इस समस्या का समाधान होना ही चाहिए तथा सरकार को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यदि सरकार उपरोक्त महिलाओं की समस्या का समाधान नही करती है। तो जनता देश संगठन (जेडीएस) कड़े कदम उठाने को मजबूर होगा। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के तमाम पदाधिकारी, संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग सुश्री पिंकी पवन शिंदे, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगे राम कश्यप (पूर्व प्रधान), श्रीमति बबीता देवी कश्यप, अध्यक्षा समूह-सखि, रोजेश्वर दास सैनी, मुख्य सलाहकार जेडएस, सुभाष बर्मन प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष श्री सौरभ सिंह, मिड़िया प्रभारी बॉबी कुमार, रश्मी सैनी आदि उमा देवी, कोमल, प्रवेश, संयोगिता, कोमल, सुनीता, मौजूद रहती।

जेडीएस ने सीएम को सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से भेजा ज्ञापन

स्वतंत्र चेतना



सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने आज जिला अधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए राज्य सरकार से यह मांग की है कि समूह-सखी महिलाओं में कार्यरत है को उचित वेतन नही मिल रहा है। जब कि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है तथा इन्हें न्यूनतम वेतन महज 900 रूपए मात्र प्राप्त होता है। जब कि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण से यह महिलाएं अपना जीवन-यापन उचित रूप जीवन-यापन नही कर पा रही है। जनता देश संगठन (जेडीएस) सरकार से यह मांग करता है कि समूह-सखी महिलाओं की इस समस्या का समाधान होना ही चाहिए, तथा सरकार को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यदि सरकार उपरोक्त महिलाओं की समस्या का समाधान नही करती है। तो जनता देश संगठन (जेडीएस) कड़े कदम उठाने को मजबूर होगा। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के तमाम पदाधिकारी, संस्थापक एवं राष्ट्रीय श्री अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला विंग सुश्री पिंकी पवन शिंदे, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री मांगे राम कश्यप (पूर्व प्रधान), श्रीमति बबीता देवी कश्यप, अध्यक्ष समूह-सखि, श्री रोजेश्वर दास सैनी, मुख्य सलाहकार जेडएस, श्री सुभाष बर्मन प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष श्री सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बॉबी कुमार, रश्मी सैनी, उमा देवी, कोमल, प्रवेश, संयोगिता, कोमल, सुनिता, सीमा रहे।

जेडीएस ने किया प्रदर्शन, ज्ञापन सौंपा



सहारनपुर (दैनिक हाक) : समूह सखी महिलाओं को उचित वेतन न दिये जाने के विरोध में आज जनता देश संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपते हुए समस्या का निस्तारण कराने की मांग की।

जनता देश संगठन से जुड़े कार्यकर्ता आज राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) के नेतृत्व में एकत्र होकर जिला मुख्यालय पहुंचे और अपनी मांगों के समर्थन में प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार ने कहा कि समूह-सखी महिलाओं को उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जबकि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। उन्होंने कहा कि समूह सखी महिलाओं को न्यूनतम वेतन महज 900 रूपए मात्र प्राप्त होता है। जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण ये महिलाएं अपना जीवन-यापन सही नहीं कर पा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस विषय पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नही करती है। तो जनता देश संगठन कड़े कदम उठाने को मजबूर होगा। प्रदर्शनकारियों में सुश्री पिंकी, पवन, मांगे राम कश्यप, श्रीमति बबीता देवी कश्यप, रोजेश्वर दास सैनी, सुभाष बर्मन, सौरभ सिंह, बॉबी कुमार, रश्मी सैनी बबीता कश्यप आदि मौजूद रहे।

जनता देश संगठन ने समूह सखी की मांगों को लेकर दिया धरना

–प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर की समस्याओं के समाधान की मांग

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्य करने वाली महिलाओं को उचित मानदेय दिये जाने की मांग लेकर जनता देश संगठन ने आज प्रदर्शन कर धरना दिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपकर समस्याओं का समाधान किए जाने की मांग की। जनता देश संगठन से जुड़ी समूह सखी महिलाओं, जो पिछले कई सालों से राष्ट्रीय ग्रामीण मिशन के तहत विभाग में कार्यरत हैं, आज पूर्व घोषित कार्यक्रम के मुताबिक हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर पहुंची जहां उन्होंने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया तथा धरने पर बैठ गई। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को दिया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य



करवाया जाता है। जैसे: प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसक इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। जबकि शहर में होने वाली कोई भी बैठक या कार्यक्रम में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती हैं। जिस कारण समूह-सखी महिलाएँ अपना जीवन-यापन सही तरह से नहीं कर पाती हैं। जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह-सखी महिलाओं ने मांगों का समर्थन करता है तथा सरकार से यह मांग करता है कि समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है तो संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एड. पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बॉबी कुमार, श्रीमति बबीता कश्यप, अध्यक्षा समूह-सखी बरखा, निर्मला उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुखसार, सुमन, सीमा आदि मौजूद रही।



जनता देश संगठन ने समूह सखी की मांगों को लेकर दिया धरना

भारत संवाद

सहारनपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्य करने वाली महिलाओं को उचित मानदेय दिये जाने की मांग लेकर जनता देश संगठन आज प्रदर्शन कर धरना दिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबंध ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया।

आज पूर्व घोषित कार्यक्रम के मुताबिक हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर जनता देश संगठन से जुड़ी समूह-सखी महिलाओं (जो कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन, के तहत विभाग में कार्यरत हैं।) को उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जब कि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जैसेः प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन



अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसक इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800/- रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। जब कि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण समूह-सखी महिलाएँ अपना जीवन-यापन उचित रूप से नही कर पा रही है।

जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह-सखी महिलाओं ने मांगों का समर्थन करता है। तथा सरकार से यह मांग करता है कि समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है। तो संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी।

इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एड० पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बॉबी कुमार, श्रीमति बबीता कश्यप, अध्यक्षा समूह-सखी, । बरखा, निर्मला उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुखसार, सुमन, सीमा, आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जनता देश संगठन ने अपनी मांगों को लेकर दिया धरना

● जनवाणी संवाददाता,सहारनपुर

जनता देश संगठन (जेडीएस) के नेतृत्व में महिला कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत कार्यरत समूह सिख महिलाओं को उचित पारिश्रमिक और मूलभूत सुविधाओं की मांग को लेकर हकीकत नगर स्थित रामलीला मैदान में धरना और प्रदर्शन किया। बाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। प्रदर्शन में शामिल सिख महिलाओं के समूह ने आरोप लगाया कि वे पिछले कई वर्षों से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण, मिशन अंत्योदय आदि विभिन्न सरकारी योजनाओं में सेवाएं दे रही हैं, फिर भी उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है, जो बहुत ही कम और अनुचित है। महिलाओं ने कहा कि उन्हें शहरों में होने वाली बैठकों और अन्य कार्यक्रमों में भाग लेने का खर्च भी खुद ही उठाना पड़ता है, जिससे उनका जीवन यापन बेहद कठिन हो गया है। जनता देश संगठन ने सिख महिलाओं के समूह की मांगों का समर्थन करते हुए



धरना प्रदर्शन करती महिला कार्यकर्ता।

सरकार से निम्नलिखित मांगें कीः समूह सखी महिलाओं को 18,000 रुपये प्रति माह मूल वेतन दिया जाना चाहिए, उन्हें विभाग में स्थायी नियुक्ति दी जानी चाहिए, मातृ लाभ अधिनियम 1961 के तहत सभी सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए।

संगठन ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द ही इन मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो वह विरोध प्रदर्शन तेज कर देंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार और जिला प्रशासन पर होगी। विरोध प्रदर्शन में संगठन के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, राष्ट्रीय महासचिव और महिला विंग की अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगे राम कश्यप, प्रांतीय अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मंडल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी बॉबी कुमार, सिख समूह की अध्यक्ष बबीता कश्यप और कार्यकर्ता बरखा, निर्मला, उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुखसार, सुमन, सीमा आदि बड़ी संख्या में मौजूद थे।

प्रदर्शन

जनता देश संगठन के कार्यकर्ताओं और समूह सखियों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने की मांग की

अंदर मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक, बाहर चलता रहा हंगामा

संवाद न्यूज एजेंसी

सहारनपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्किट हाउस सभागार में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था को लेकर बैठक की। जबकि जनता देश संगठन के कार्यकर्ता और समूह सखियों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने की मांग को लेकर नारेबाजी कर हंगामा किया। करीब एक घंटा दस मिनट तक चले हंगामे के बाद संगठन के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम सदर और मुख्यमंत्री की सुरक्षा में तैनात एक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

सोमवार को विकास कार्यों और कानून व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में बैठक की। उनके पहुंचने के करीब 15 मिनट बाद जनता देश संगठन के कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए सर्किट हाउस पहुंचे। सुरक्षा व्यवस्था में लगी पुलिस और प्रशासन के अधिकारियों ने संगठन के कार्यकर्ताओं ने सड़क पर ही रोक दिया। इसे लेकर संगठन के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर हंगामा कर दिया।



सर्किट हाउस पर मुख्यमंत्री की बैठक के दौरान न्याय की मांग करतीं महिलाएं। संवाद

संगठन के संस्थापक सुरेश कुमार फौजी और राष्ट्रीय महासचिव वरिष्ठ नेता पिंकी पवन शिंदे ने कहा कि वे समूह सखियों की विभिन्न मांगों को लेकर पिछले छह माह से संघर्ष कर रहे हैं। उन्हें मुख्यमंत्री या जिलाधिकारी को ही ज्ञापन सौंपना है। एसडीएम सदर सुबोध कुमार के काफी देर तक समझाने के बाद उन्होंने बमुश्किल ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में उन्होंने समूह सखियों का वेतन आठ सौ रुपये से बढ़ाकर ग्रुप डी कर्मचारी के बराबर 18 हजार रुपये मासिक करने, विभाग में महिलाओं की स्थायी नियुक्ति करने और इन महिलाओं को मातृत्व लाभ अधिनियम के तहत संपूर्ण सुविधाएं दिलाने की मांग की।

साहब कार्रवाई के लिए दो माह से भटक रहीं हूं

पति की असामायिक मृत्यु के आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग को लेकर बड़ौत निवासी दिशा अपने बेटे और परिजनों के साथ सर्किट हाउस पहुंची। पुलिसकर्मियों द्वारा बाहर ही रोके जाने पर उन्होंने कहा कि कार्रवाई की मांग को लेकर वह पिछले दो माह से भटक रही है। आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी आरोपियों को बचा रहे हैं। काफी जद्दोजहद के बाद उसका ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट गजेंद्र कुमार ने लिया।

मकान खाली कराने की मांग को लेकर पहुंची नेशनल खिलाड़ी

नेशनल खेलों में पदक जीतने का दावा करने वाली ईदगाह रोड निवासी प्रीति भारद्वाज भी मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के लिए पहुंची। अंदर जाने से रोकने पर प्रीति ने बताया कि काफी समय पहले उनके बुजुर्गों ने लीज पर मिले मकान के एक कमरे को पुलिस चौकी के लिए दिया था। आरोप लगाया कि अब उनके मकान पुलिस वाले खाली नहीं कर रहे हैं।

AMAR UJALA, Dt. 18/03/25, Page No- 02

मुख्यमंत्री को देने की जिद पर अड़े रहे। बाद में पुलिस को ज्ञापन दिया।

हिन्दुस्तान, दि० 18/02/25, पृष्ठ no 4



सर्किट हाउस के गेट पर मुख्यमंत्री से मिलने की मांग करते फरियादी।

आजीविका मिशन की महिलाओं ने किया प्रदर्शन

सहारनपुर। राष्ट्रीय आजीविका मिशन से जुड़ी समूह सखी महिलाओं ने जनता देश संगठन के बैनर तले सर्किट हाउस पर प्रदर्शन और हंगामा किया। महिलाएं मुख्यमंत्री से मिलना चाहती थी। इनकी मांग थी कि मानदेय 18 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए। कई बार अधिकारी इनका ज्ञापन लेने भी पहुंचे, लेकिन इन्होंने अधिकारियों को ज्ञापन देने से मना कर दिया। इसको लेकर काफी देर तक गहमा गहमी चलती रही।

Janta Desh Sangathan Demands Better Pay And Benefits For Samuh Sakhi Women



Saharanpur (The Hawk): Janta Desh Sangathan (JDS) submitted a memorandum to the Chief Minister Shri Yogi Adityanath through the Saharanpur Administration, demanding improved compensation and benefits for Samuh Sakhi women working under the National Government Livelihood Mission (NRLM).

The founder Of Janta Desh Sangthan Suresh Kumar Foji said that despite their (Samuh Sakhi Women) crucial roles in various schemes such as Pradhan Suraksha Bima Yojana, Jeevan Jyoti Bima Yojana, Animal Vaccination Scheme, and Mission Antyodaya Yojana, these women receive a meager salary of just Rs. 800 per month, forcing them to bear expenses for meetings and programs themselves.

He said "The JDS is advocating for a basic salary of Rs. 18,000 per month, permanent appointments, and full facilities under the Maternity Benefit Act 1961 for these women. If their demands are not met, the organization warns of taking strict action, holding the district administration and state government accountable."

The memorandum was submitted by JDS founder and national president Suresh Kumar (Fauji), along with other key members, including Advocate Pinky Pawan Shinde, Rajeshwar Das Saini, Mangeram Kashyap, Subhash Barman, Shripal Singh, Saurabh Singh, Bobby Kumar, and Babita Kashyap.

मेरठ | बृहस्पतिवार, 15 मई 2025 7

Amal UJALA

जनता देश संगठन ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

संवाद न्यूज एजेंसी

सहारनपुर। जनता देश संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। इससे पहले हकीकत नगर स्थित धरना स्थल पर पदाधिकारियों ने प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा कि समूह सखी कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन विभाग में कार्यरत है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण आदि योजना में कार्य करने के बाद भी उन्हें उचित वेतन नहीं मिलता है। समूह सखियों ने सरकार से 18 हजार रुपये प्रति माह वेतन की मांग की।

कहा कि समस्या का समाधान नहीं होने पर संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा। जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और राज्य सरकार की होगी।

POCO X6 NEO 5G 15/05/2025 13:08

जेडीएस ने महिलाओं की समस्याओं को लेकर दिया धरना

▶▶समूह सखी महिलाओं ने वेतन वृद्धि की मांग पुरजोर तरीके से उठायी



सहारनपुर (दैनिक हाक) : राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्य करने वाली महिलाओं को उचित मानदेय दिये जाने की मांग लेकर जनता देश संगठन ने प्रदर्शन कर धरना दिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर जनता देश संगठन के बैनर तले समूह-सखी महिलाएं एकत्र हुयी और अपनी मांगों के समर्थन में धरना दिया। महिलाओं का कहना था कि उन्हें उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जबकि समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना आदि में इनसे कार्य लिया जा रहा हैं इसके बावजूद हमें न्यूनतम वेतन महज 800 रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण समूह-सखी महिलाएँ अपना जीवन-यापन नही कर पा रही है। उन्होंने मांग की कि समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह किया जाये, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधि नियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविध एं दिलायी जाये। उन्होंने कहा कि यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है, तो संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर जेडीएस के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, बॉबी कुमार, श्रीमति बबीता कश्यप, बरखा, निर्मला, उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुखसार, सुमन, सीमा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जनता देश संगठन ने समूह सखी की मांगों को लेकर दिया धरना

सत्यभाष संवाददाता

सहारनपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्य करने वाली महिलाओं को उचित मानदेय दिये जाने की मांग लेकर जनता देश संगठन ने प्रदर्शन कर धरना दिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया।

आज पूर्व घोषित कार्यक्रम के मुताबिक हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर जनता देश संगठन से जुड़ी समूह-सखी महिलाओं (जो कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन, के तहत विभाग में कार्यरत हैं।) को उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जब कि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसक इन्हें न्यूनतम वेतन महज ८०० रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। जब कि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह



समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण समूह-सखी महिलाएँ अपना जीवन-यापन उचित रूप से नही कर पा रही है।

जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह-सखी महिलाओं ने मांगों का समर्थन करता है। तथा सरकार से यह मांग करता है कि समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन १८ हजार रूपए प्रति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम १९६१) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है। तो संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एड९ पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बहबी कुमार,श्रीमति बबीता कश्यप, अध्यक्षा समूह-सखी,। बरखा, निर्मला उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुखसार, सुमन, सीमा, आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

समूह-सखी का वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर दिया धरना

जागरण संवाददाता, सहारनपुर : जनता देश संगठन द्वारा समूह-सखी महिलाओं के वेतन बढाने की मांग को लेकर हकीकत नगर स्थित रामलीला मैदान धरना दिया। साथ ही मुख्यमंत्री ज्ञापन प्रेषित कर वेतन बढ़ाने की मांग की।

आंदोलनरत महिलाओं का कहना था कि समूह-सखी महिलाएं पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आयोजिका मिशन (एनआरएलएम) के तहत विभाग में कार्यरत है, इनको उचित वेतन नहीं मिल रहा है। इन महिलाओं से प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना आदि में कार्य लिया जाता है, इसके बावजूद इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800/- रुपए प्रतिमाह मिलता है। इस कारण समूह सखी महिलाएं अपना जीवन यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही हैं।



हकीकत नगर स्थित धरना स्थल पर बुधवार को सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते जनता देश संगठन के पदाधिकारी● सौ. स्वयं

संगठन ने सरकार से समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18000 /- रुपये प्रतिमाह तथा विभाग में स्थाई नियुक्ति एवं (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। इस दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), अध्यक्षा महिला विंग एड. पिंकी पवन शिंदे, मांगेराम कश्यप, सुभाष बर्मन, सौरभ सिंह, बोबी कुमार, बबीता कश्यप, बरखा, सुमन, शिखा, चीका, सीमा, कोमल, उषा एवं उमा आदि महिलाएं धरने में शामिल रहे।

समूह-सखियों का मानदेय बढ़ाने की मांग

सहारनपुर। जनता संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन ने जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजकर समूह-सखी महिलाओं का मानदेय बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि समूह सखी महिलाएं मानदेय बढ़ाने को लेकर पिछले कई वर्षों से प्रयासरत है, लेकिन उनके कार्य के अनुसार वेतन नहीं मिल रहा है। उन्होंने मांग की कि समूह-सखी महिलाओं को मानदेय बढ़ाया जाए। ऐसा न होने की स्थिति में संगठन आंदोलन करने को मजबूर होगा।

पुर शनिवार 15 फरवरी 2025

नपुर नगर



समूह सखी महिलाओं के वेतन सम्बंधी मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। समूह सखी महिलाओं के वेतन सहित अन्य मांगों को लेकर जनता देश संगठन (जेडीएस) के बैनर तले प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौपा। ज्ञापन में मांग की गई कि उनकी मांगों पर ध्यान देकर समस्याओ को जल्द समाधान कराया जाये। वेतन सहित अन्य मांगो को लेकर दिए गए ज्ञापन मे अवगत कराते हुए मांग की गई कि समूह - सखी महिलाओं (जो कि पिछले कई वर्षो से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत विभाग में कार्यरत हैं) को उचित वेतन नही मिल रहा है। जब कि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जैसे: प्रधानमंत्री सड़क सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसके इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रूपए प्रतिमाह दिया



जाता है। जब कि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह - सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण समूह-सखी महिलाएं अपना जीवन-यापन उचित रूप से नही कर पा रही है। जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह- सखी महिलाओं की निम्नलिखित मांगों का समर्थन करता है। और सरकार से यह मांग करता है कि समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नही करती है। तो संगठन कड़े कदम उठाने को मजबूर होगा। ज्ञापन देने वालों में जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगे राम कश्यप, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बॉबी कुमार, जिला उपाध्यक्ष बंटी कुमार, समूह-सखी संघर्ष समिति (एस -4) की अध्यक्षा बबीता देवी कश्यप, उमा, प्रवेश, ललिता, सोनिया, सुमन, बरखा, सोनिया, बालेश आदि मौजूद रही।

रामलीला मैदान पर जनता देश संग ने आजीविका मिशन से जुड़ी महिला की मांगों को लेकर दिया धरना

दैनिक संवाद

ब्यूरो चीफ सहारनपुर कुर्बान मलिक। खबर सहारनपुर-राष्ट्रीय ग्र



आजीविका मिशन के तहत कार्य करने वाली महिलाओं को उचित मानदेय दिये जाने की मांग लेकर जनता देश संगठन आज प्रदर्शन कर धरना दिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबंध ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया।पूर्व में घोषित कार्यक्रम के मुताबिक हकीकत नगर के राम मैदान पर जनता देश संगठन से जुड़ी समूह-सखी महिलाओं (जो कि कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन, के तहत विभाग में क हैं।) को उचित वेतन नहीं मिल रहा है।जब कि इन समूह-सखी महि से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है।जैसेः प्रधानमंत्री सुरक्षा योजना,जीवन ज्योति बीमा योजना,पशु टीकाकरण योजना, अंत्योदय योजना इत्यादि।इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800/ रूपए प्र दिया जाता है।जब कि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रा होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस क समूह-सखी महिलाएँ अपना जीवन-यापन उचित रूप से नही कर पा र जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह-सखी महिलाओं ने मांगों का स करता है।तथा सरकार से यह मांग करता है कि समूह-सखी महिला बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त चाहिए।यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा। जिसकी समस्त जिम्म जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर जनत संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष? सुरेश (फौजी),राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एड.पिंकी शिंदे,मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी,राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम क प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अ सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बॉबी कुमार,श्रीमति बबीता कश्यप, अ समूह-सखी,। बरखा, निर्मला उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुक सुमन, सीमा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री को देने की जिद पर अड़े रहे। बाद में पुलिस को ज्ञापन दिया।

हिन्दुस्तान, दि० 18/03/25, Page No 4



सर्किट हाउस के गेट पर मुख्यमंत्री से मिलने की मांग करते फरियादी।

आजीविका मिशन की महिलाओं ने किया प्रदर्शन

सहारनपुर। राष्ट्रीय आजीविका मिशन से जुड़ी समूह सखी महिलाओं ने जनता देश संगठन के बैनर तले सर्किट हाउस पर प्रदर्शन और हंगामा किया। महिलाएं मुख्यमंत्री से मिलना चाहती थी। इनकी मांग थी कि मानदेय 18 हजार रुपये प्रतिमाह किया जाए। कई बार अधिकारी इनका ज्ञापन लेने भी पहुंचे, लेकिन इन्होंने अधिकारियों को ज्ञापन देने से मना कर दिया। इसको लेकर काफी देर तक गहमा गहमी चलती रही।

जनता देश संगठन के कार्यकर्ताओं और समूह सखियों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने की मांग की

प्रदर्शन

अंदर मुख्यमंत्री की समीक्षा बैठक, बाहर चलता रहा हंगामा

संवाद न्यूज एजेंसी

सहारनपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सर्किट हाउस सभागार में विकास कार्यों और कानून व्यवस्था को लेकर बैठक की। उधर, जनता देश संगठन के कार्यकर्ता और समूह सखियों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपने की मांग को लेकर नारेबाजी कर हंगामा किया। करीब एक घंटा दस मिनट तक चले हंगामे के बाद संगठन के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम सदर और मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद एक अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। सोमवार को विकास कार्य और कानून व्यवस्था की समीक्षा करने के लिए मुख्यमंत्री ने सर्किट हाउस में बैठक की। इसके पहुंचने के करीब 15 मिनट बाद जनता देश संगठन के कार्यकर्ता सर्किट हाउस पहुंचे। नारेबाजी करते हुए सर्किट हाउस पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने सड़क पर ही रोक दिया। सुरक्षा व्यवस्था में लगी पुलिस और इस लेकर संगठन के कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी कर हंगामा कर दिया।



सर्किट हाउस पर मुख्यमंत्री की बैठक के दौरान न्याय की मांग करती महिलाएं। स्वयं

संगठन के संस्थापक सुरेश कुमार फौजी और राष्ट्रीय महासचिव जसिंह नेता पिंकी पवन सिंह ने कहा कि ने समूह सखियों की विभिन्न मांगों को लेकर पिछले छह माह से संघर्ष कर रहे हैं। उन्हें मुख्यमंत्री या जिलाधिकारी को ही ज्ञापन सौंपना है। एसडीएम सदर सुबोध कुमार के काफी देर तक समझाने के बाद उन्होंने बमुश्किल ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में उन्होंने समूह सखियों का वेतन आठ सौ रुपये से बढ़ाकर पुरे डो कर्मचारी के बराबर 18 हजार रुपये मासिक करने, विभाग में महिलाओं की स्थायी नियुक्ति करने और इन महिलाओं को मातृत्व लाभ अधिनियम के तहत संपूर्ण सुविधाएं दिलाने की मांग की।

साहब कार्रवाई के लिए दो माह से भटक रहीं हूं

पति की असामयिक मृत्यु के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर बहनौत निवासी दिशा अपने बेटे और परिजनों के साथ सर्किट हाउस पहुंची। पुलिसकर्मियों द्वारा बाहर ही रोके जाने पर उन्होंने कहा कि कार्रवाई की मांग को लेकर वह पिछले दो माह से भटक रही है। आरोप लगाया कि पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी आरोपियों को बचा रहे हैं। काली जद्दोजहद के बाद उनका ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट राजेंद्र कुमार ने लिया।

मकान खाली कराने की मांग को लेकर पहुंची नेशनल खिलाड़ी

नेशनल खेलों में पदक जीतने का दावा करने वाली इंदिरा रोड निवासी प्रीति भारद्वाज भी मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के लिए पहुंची। अंदर जाने से रोकने पर प्रीति ने बताया कि काफी समय पहले उनके बुजुर्गों ने लीज पर मिले मकान के एक कमरे को पुलिस चौकी के लिए दिया था। आरोप लगाया कि अब उनके मकान पुलिस वाले खाली नहीं कर रहे हैं।

AMAR UJALA, Dt. 18/03/25, Page no. 02

महिलाओं का वेतन बढाने को लेकर पैदल मार्च किया

(डॉ. मुस्तकीम राव)

सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने आज आई. टी. सी रोड़, निकट जे. जे.पुरम की पुलिया, सहारनपुर उत्तर प्रदेश से सर्किट हाउस तक समूह-सखी महिलाओं के वेतन बढाने को लेकर पैदल मार्च किया। तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्य के नाम ज्ञापन सोंपकर राज्य सरकार से मांग की कि समूह-सखी महिलाओं (जो की पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आयोजिका मिशन (एनआरएलएम) के तहत विभाग में कार्यरत है को उचित वेतन नहीं मिल रहा है जबकि इन महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जैसे: प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना। जीवन ज्योति बीमा योजना पशु। टीकाकरण योजना मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसके इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800/- रुपए प्रतिमाह मिलता है। जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्राम में होने वाला खर्च यह समूह सखी स्वयं से



निवहन करती हैं। जिस कारण समूह सखी महिलाएं अपना जीवन यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही हैं। जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह सखी महिलाओं की निम्नलिखित मांगों का समर्थन करता है। और सरकार से मांग करता है कि समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18000/- रुपए प्रतिमाह तथा विभाग में स्थाई नियुक्ति एवं (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है। तो संगटन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। संस्था पदाधिकारियों ने अफसोस जाहिर करते हुए कहा कि बड़े ही दु:ख की बात है कि मुख्यमंत्री आज पूरे दिन सहारनपुर के दौरे पर थे, और समूह- सखी महिलाएँ तीन घंटे सर्किट हाउस के बाहर इस उम्मीद से बैठीं रही कि मुख्यमंत्री उनकी समस्या का समाधान जरूर करेंगे। लेकिन अफ्सोस कि मुख्यमंत्री ने महिलाओं की तरफ जिन्हें सरकार नारी शक्ति का रूप मानती है, देखा तक नहीं। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने मीडिया तथा प्रशासन को अवगत कराते हुए कहा कि सरकार समूह सखी महिलाओं के वेतनमान बढाने को लेकर गंभीर नही है। और यही कारण है कि महिलाएँ संगठन के बैनर तले पिछले आठ महीने से प्रत्येक माह एक दिवसीय धरना देती आ रही हैं। यदि प्रशासन और सरकार महिलाओं की समास्याओं का समाधान नही करती है तो समूह सखी महिलाएँ बहुत जल्द अनिश्चित कालीन धरणा देने के लिए मजबूर होंगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन तथा सरकार की होगी। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री मंगी राम कश्यप प्रदेश अध्यक्ष श्री सुभाष बर्मन, सुमित कुमार, मिडिया प्रभारी श्री बोबी कुमार, समूह सखी अध्यक्षा श्रीमती बबीता कश्यप, बरखा, पूनम, भीमा, मीनाक्षी, राखी, सीमा, रेखा एवं गुड्डी आदि सैकड़ों महिलाएँ पैदल मार्च में शामिल रही।

पंजाब केसरी
THU,15 MAY 2025
EDITION: UTTAR PRADESH KESARI, PAGE NO. 2

समूह-सखी महिलाओं की समस्याओं को लेकर जनता देश संगठन ने दिया धरना

सहारनपुर, 14 मई (ब्यूरो): समूह-सखी महिलाओं की समस्याओं को लेकर आज जनता देश संगठन ने हकीकत नगर स्थित रामलीला मैदान में धरना दिया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन सिटी मैजिस्ट्रेट को सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने अवगत करवाया कि समूह-सखी महिलाएं जो कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत है, उनको उचित वेतन नहीं मिल रहा है जबकि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जिसमें प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना आदि है। बावजूद इसके इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रुपए प्रतिमाह दिया जाता है जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या कार्यक्रमों में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है जिस कारण समूह-सखी महिलाएं अपना जीवन यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही है।



सिटी मैजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते संगठन के पदाधिकारी। (संजय)

जनता देश संगठन ने सरकार से समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रुपए प्रतिमाह और विभाग में स्थायी नियुक्ति की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं किया तो वह कड़े कदम उठाने को बाध्य होंगे।

इस दौरान संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एड. पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, जिलाध्यक्ष सौरभ गौतम, समूह-सखी की अध्यक्ष बबीता कश्यप, सुमन, बरखा, शिखा, सीमा, कोमल, ऊषा आदि मौजूद रही।

समूह-सखी महिलाओं ने किया धरना प्रदर्शन

सहारनपुर, 12 मार्च (विजयंत): जनता देश संगठन (जे.डी.एस.) ने समूह-सखी महिलाओं को 18 हजार वेतन दिए जाने की मांग की है ।

आज बुधवार को संगठन के पदाधिकारियों ने धरना प्रदर्शन किया। मांगों से संबंधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन के द्वारा मुख्यमंत्री को प्रेषित किया। इस दौरान इन्होंने कहा कि सखी महिलाएं जो की पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आयोजिका मिशन (एन.आर.एल.एम.) के तहत विभाग में कार्यरत है को उचित वेतन नहीं मिल रहा है जबकि इन महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है।



हकीकत नगर धरना स्थल पर धरना देते समूह सखी महिलाएं। (संजय)

समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18000 रुपए प्रतिमाह सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं दी जाएं। इस दौरान संगठन (जे.डी.एस.) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मंगी राम कश्यप, प्रदेश सुभाष बर्मन, बोबी कुमार, बबीता कश्यप, बरखा, पूजा, पूनम, भीमा, मीनाक्षी, राखी, सीमा, एवं गुड्डी आदि उपस्थित रही ।

जनता देश संगठन ने समूह सखी की मांगों को लेकर दिया धरना



सहारनपुर दै.अन्त तक। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्य करने वाली महिलाओं को उचित मानदेय दिये जाने की मांग लेकर जनता देश संगठन ने प्रदर्शन कर धरना दिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया।

आज पूर्व घोषित कार्यक्रम के मुताबिक हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर जनता देश संगठन से जुड़ी समूह–सखी महिलाओं (जो कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन, के तहत विभाग में कार्यरत हैं।) को उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जब कि इन समूह–सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसक इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। जब कि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह–सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण समूह–सखी महिलाएँ अपना जीवन–यापन उचित रूप से नही कर पा रही है।

जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह–सखी महिलाओं ने मांगों का समर्थन करता है। तथा सरकार से यह मांग करता है कि समूह–सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है। तो संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एड० पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बॉबी कुमार,श्रीमति बबीता कश्यप, अध्यक्षा समूह–सखी,। बरखा, निर्मला उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुखसार, सुमन, सीमा, आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जिला सहारनपुर मे आज जनता देश संगठन (जेड़ीएस) के द्वारा रामलीला मैदान पर समूह सखी अपने मानदेय को बढ़ाने के लिये धरना प्रदर्शन किया





जनता देश संगठन (जेडीएस) के द्वारा आज दिनांकः 14 जून 2025, दिन शनिवार को सहारनपुर जिला अधिकारी महोदय के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ के नाम ज्ञापन सौंपते हुये, राज्य सरकार से यह मांग की है। कि समूह-सखी महिलाओं (जो कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन, (एनआरएलएम) के तहत विभाग में कार्यरत हैं।) को उचित वेतन नही मिल रहा है। जब कि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जैसेः प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसक इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800/- रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। जब कि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण समूह-सखी महिलाएँ अपना जीवन-यापन उचित रूप से नही कर पा रही है।जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह-सखी महिलाओं की निम्नलिखित मांगों का समर्थन करता है। तथा सरकार से यह मांग करता है कि समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नही करती है। तो संगठन कड़े कदम उठाने क लिए बाध्य होगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी।

धरना प्रदर्शन के मौके पर उपजिलाधिकारी सहारनपुर व कलेक्टर सहारनपुर ने मौके पर आकर महिलाओं से ज्ञापन लिया इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एड० पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार श्री राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष श्री सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बॉबी कुमार, श्रीमति बबीता कश्यप, अध्यक्षा समूह-सखी, आदि सदस्यगण मौजूद रहे। बरखा, निर्मला, उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुखसार, सुमन, सीमा आदि

श्रीमति बबीता कश्यप अध्यक्षा समूह-सखी संघर्ष समिति (एस-4) एडवोकेट, पिंकी पवन शिंदे राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग

समूह-सखा माहलाआ क वतन बढान का लकर एक दिवसाय धरना आयाजत

(डॉ. मुस्तकीम राव)

सहारनपुर। सामाजिक संगठन जनता देश संगठन (जेडीएस) ने आज बुधवार को जनता देश संगठन के द्वारा धरना स्थल रामलीला मैदान हकीकत नगर सहारनपुर उत्तर प्रदेश के द्वारा समूह-सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने को लेकर एक दिवसीय धरना दिया। तथा माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य जी के नाम ज्ञापन सौंपकर राज्य सरकार से यह मांग की है कि समूह-सखी महिलाओं (जो की पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आयोजिका मिशन (एनआरएलएम) के तहत विभाग में कार्यरत है को उचित वेतन नहीं मिल रहा है जबकि इन महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना पशु, टीकाकरण योजना मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसके इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रुपए प्रतिमाह मिलता है। जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्राम में होने वाला खर्च यह समूह सखी स्वयं से निर्वहन करती हैं। जिस कारण समूह सखी महिलाएं अपना जीवन यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही हैं। जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह सखी महिलाओं की निम्नलिखित मांगों का समर्थन करता है। और सरकार से यह मांग करता है कि समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18000 रुपए प्रतिमाह तथा विभाग में स्थाई नियुक्ति एवं (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है। तो संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार (फौजी) ने मिडिया तथा प्रशासन को अवगत कराते हुए कहा कि सरकार समूह सखी महिलाओं के वेतनमान बढाने को लेकर गंभीर नही है। और यहि कारण है कि महिलाएँ संगठन के बैनर तले पिछले आठ महीने से प्रत्येक माह एक दिवसीय धरणा देती आ रही हैं। यदि प्रशासन और सरकार महिलाओं की समास्याओं का समाधान नही करती है तो समूह सखी महिलाएँ बहुत जल्द अनिश्चित कालीन धरणा देने के लिए मजबूर होंगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन तथा सरकार की होगी। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री मंगी राम कश्यप प्रदेश अध्यक्ष श्री सुभाष बर्मन, सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी श्री बॉबी कुमार, समूह सखी अध्यक्षा श्रीमती बबीता कश्यप, बरखा, सुमन, शिखा, चीका, सीमा, कोमल, उषा एवं उमा आदि महिलाएँ धरने में शामिल हुए।

Janta Desh Sangathan Demands Better Pay And Benefits For Samuh Sakhi Women



Saharanpur (The Hawk): Janta Desh Sangathan (JDS) submitted a memorandum to the Chief Minister Shri Yogi Adityanath through the Saharanpur Administration, demanding improved compensation and benefits for Samuh Sakhi women working under the National Government Livelihood Mission (NRLM).

The founder Of Janta Desh Sangthan Suresh Kumar Foji said that despite their (Samuh Sakhi Women) crucial roles in various schemes such as Pradhan Suraksha Bima Yojana, Jeevan Jyoti Bima Yojana, Animal Vaccination Scheme, and Mission Antyodaya Yojana, these women receive a meager salary of just Rs. 800 per month, forcing them to bear expenses for meetings and programs themselves.

He said "The JDS is advocating for a basic salary of Rs. 18,000 per month, permanent appointments, and full facilities under the Maternity Benefit Act 1961 for these women. If their demands are not met, the organization warns of taking strict action, holding the district administration and state government accountable."

The memorandum was submitted by JDS founder and national president Suresh Kumar (Fauji), along with other key members, including Advocate Pinky Pawan Shinde, Rajeshwar Das Saini, Mangeram Kashyap, Subhash Barman, Shripal Singh, Saurabh Singh, Bobby Kumar, and Babita Kashyap.

Amal UJALA

जनता देश संगठन ने किया प्रदर्शन, सौंपा ज्ञापन

संवाद न्यूज एजेंसी

सहारनपुर। जनता देश संगठन ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। इससे पहले हकीकत नगर स्थित धरना स्थल पर पदाधिकारियों ने प्रदर्शन किया।

उन्होंने कहा कि समूह सखी कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन विभाग में कार्यरत है। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण आदि योजना में कार्य करने के बाद भी उन्हें उचित वेतन नहीं मिलता है। समूह सखियों ने सरकार से 18 हजार रुपये प्रति माह वेतन की मांग की।

कहा कि समस्या का समाधान नहीं होने पर संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा। जिसकी जिम्मेदारी जिला प्रशासन और राज्य सरकार की होगी।

POCO X6 NEO 5G 15/05/2025 13:08

समूह सखी महिलाओं ने वेतन वृद्धि को लेकर दिया धरना

सृष्टि जागरण ब्यूरो



सहारनपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्य करने वाली महिलाओं को उचित मानदेय दिये जाने की मांग लेकर जनता देश संगठन ने प्रदर्शन कर धरना दिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर जनता देश संगठन के बैनर तले समूह-सखी महिलाएं एकत्र हुयी और अपनी मांगों के समर्थन में धरना दिया। महिलाओं का कहना था कि उन्हें उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जबकि समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना आदि में इनसे कार्य लिया जा रहा हैं इसके बावजूद हमें न्यूनतम वेतन महज 800 रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण समूह-सखी महिलाएँ अपना जीवन-यापन नही कर पा रही है। उन्होंने मांग की कि समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह किया जाये, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं दिलायी जाये। उन्होंने कहा कि यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है, तो संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी।

इस अवसर पर जेडीएस के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, बॉबी कुमार, श्रीमति बबीता कश्यप, बरखा, निर्मला, उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुखसार, सुमन, सीमा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जेडीएस ने महिलाओं की समस्याओं को लेकर दिया धरना

▶▶समूह सखी महिलाओं ने वेतन वृद्धि की मांग पुरजोर तरीके से उठायी



सहारनपुर (दैनिक हाक) : राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्य करने वाली महिलाओं को उचित मानदेय दिये जाने की मांग लेकर जनता देश संगठन ने प्रदर्शन कर धरना दिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

पूर्व घोषित कार्यक्रम के अनुसार हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर जनता देश संगठन के बैनर तले समूह-सखी महिलाएं एकत्र हुयी और अपनी मांगों के समर्थन में धरना दिया। महिलाओं का कहना था कि उन्हें उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जबकि समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना आदि में इनसे कार्य लिया जा रहा हैं इसके बावजूद हमें न्यूनतम वेतन महज 800 रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण समूह-सखी महिलाएँ अपना जीवन-यापन नही कर पा रही है। उन्होंने मांग की कि समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह किया जाये, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधि नियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं दिलायी जाये। उन्होंने कहा कि यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है, तो संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर जेडीएस के संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, बॉबी कुमार, श्रीमति बबीता कश्यप, बरखा, निर्मला, उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुखसार, सुमन, सीमा आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

जनता देश संगठन ने समूह सखी की मांगों को लेकर दिया धरना

-प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर की समस्याओं के समाधान की मांग

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्य करने वाली महिलाओं को उचित मानदेय दिये जाने की मांग लेकर जनता देश संगठन ने आज प्रदर्शन कर धरना दिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपकर समस्याओं का समाधान किए जाने की मांग की। जनता देश संगठन से जुड़ी समूह सखी महिलाओं, जो पिछले कई सालों से राष्ट्रीय ग्रामीण मिशन के तहत विभाग में कार्यरत हैं, आज पूर्व घोषित कार्यक्रम के मुताबिक हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर पहुंची जहां उन्होंने अपनी विभिन्न समस्याओं को लेकर नारेबाजी कर प्रदर्शन किया तथा धरने पर बैठ गईं। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को दिया। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि समूह-सखी



करवाया जाता है। जैसे: प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसके इन्हें प्रतिमाह दिया जाता है। जबकि शहर में होने वाली कोई भी बैठक या कार्यक्रम में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती हैं। जिस कारण जीवन-यापन सही तरह से नहीं कर पाती हैं। जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह-सखी महिलाओं ने मांगों का समर्थन करता है तथा सरकार से यह मांग करता है कि वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है तो संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एड. पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बॉबी कुमार, श्रीमति बबीता कश्यप, अध्यक्षा समूह-सखी बरखा, निर्मला उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुखसार,



जनता देश संगठन ने समूह सखी की मांगों को लेकर दिया धरना

सत्यभाष संवाददाता

सहारनपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्य करने वाली महिलाओं को उचित मानदेय दिये जाने की मांग लेकर जनता देश संगठन ने प्रदर्शन कर धरना दिया और प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया।

आज पूर्व घोषित कार्यक्रम के मुताबिक हकीकत नगर के रामलीला मैदान पर जनता देश संगठन से जुड़ी समूह-सखी महिलाओं (जो कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन, के तहत विभाग में कार्यरत हैं।) को उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जब कि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जैसे प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसक इन्हें न्यूनतम वेतन महज ८०० रूपए प्रतिमाह दिया जाता है। जब कि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह



समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण समूह-सखी महिलाएँ अपना जीवन-यापन उचित रूप से नही कर पा रही है।

जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह-सखी महिलाओं ने मांगों का समर्थन करता है। तथा सरकार से यह मांग करता है कि समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन १८ हजार रूपए प्रति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम १९६१) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है। तो संगठन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एड९ पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मिडिया प्रभारी बहबी कुमार,श्रीमति बबीता कश्यप, अध्यक्षा समूह-सखी,। बरखा, निर्मला उमा, कोमल, लक्ष्मी, ममतेश, रुखसार, सुमन, सीमा, आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

दिए पत्र के माध्यम से लोहे पुरुष

कर, ताकि क्षेत्र के युवाओं में नई

कि सहारनपुर की सीमा हरियाणा

आभार व्यक्त किया है।

महिलाओं का वेतन बढाने को लेकर पैदल मार्च किया

(डॉ. मुस्तकीम राव)

सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने आज आई. टी. सी रोड़, निकट जे. जे.पुरम की पुलिया, सहारनपुर उत्तर प्रदेश से सर्किट हाउस तक समूह-सखी महिलाओं के वेतन बढाने को लेकर पैदल मार्च किया। तथा मुख्यमंत्री योगी आदित्य के नाम ज्ञापन सोंपकर राज्य सरकार से मांग की कि समूह-सखी महिलाओं (जो की पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आयोजिका मिशन (एनआरएलएम) के तहत विभाग में कार्यरत है को उचित वेतन नहीं मिल रहा है जबकि इन महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जैसे: प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना। जीवन ज्योति बीमा योजना पशु। टीकाकरण योजना मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसके इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800/- रुपए प्रतिमाह मिलता है। जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्राम में होने वाला खर्च यह समूह सखी स्वयं से



निवंहन करती हैं। जिस कारण समूह सखी महिलाएं अपना जीवन यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही हैं। जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह सखी महिलाओं की निम्नलिखित मांगों का समर्थन करता है। और सरकार से मांग करता है कि समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18000/- रुपए प्रतिमाह तथा विभाग में स्थाई नियुक्ति एवं (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है। तो संगटन कड़े कदम उठाने के लिए बाध्य होगा जिसकी समस्त जिम्मेदारी जिला प्रशासन तथा राज्य सरकार की होगी। संस्था पदाधिकारियों ने अफसोस जाहिर करते हुए कहा कि बड़े ही दु:ख की बात है कि मुख्यमंत्री आज पूरे दिन सहारनपुर के दौरे पर थे, और समूह- सखी महिलाएँ तीन घंटे सर्किट हाउस के बाहर इस उम्मीद से बैठीं रही कि मुख्यमंत्री उनकी समस्या का समाधान जरूर करेंगे। लेकिन अफ्सोस कि मुख्यमंत्री ने महिलाओं की तरफ जिन्हें सरकार नारी शक्ति का रूप मानती है, देखा तक नहीं। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने मीडिया तथा प्रशासन को अवगत कराते हुए कहा कि सरकार समूह सखी महिलाओं के वेतनमान बढाने को लेकर गंभीर नही है। और यही कारण है कि महिलाएँ संगठन के बैनर तले पिछले आठ महीने से प्रत्येक माह एक दिवसीय धरना देती आ रही हैं। यदि प्रशासन और सरकार महिलाओं की समास्याओं का समाधान नही करती है तो समूह सखी महिलाएँ बहुत जल्द अनिश्चित कालीन धरणा देने के लिए मजबूर होंगी। जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन तथा सरकार की होगी। इस अवसर पर जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, राष्ट्रीय प्रवक्ता श्री मंगी राम कश्यप प्रदेश अध्यक्ष श्री सुभाष बर्मन, सुमित कुमार, मिडिया प्रभारी श्री बोबी कुमार, समूह सखी अध्यक्षा श्रीमती बबीता कश्यप, बरखा, पूनम, भीमा, मीनाक्षी, राखी, सीमा, रेखा एवं गुड्डी आदि सैकड़ों महिलाएँ पैदल मार्च में शामिल रही।

पंजाब केसरी
THU,15 MAY 2025
EDITION: UTTAR PRADESH KESARI, PAGE NO. 2

समूह-सखी महिलाओं की समस्याओं को लेकर जनता देश संगठन ने दिया धरना

सहारनपुर, 14 मई (ब्यूरो): समूह-सखी महिलाओं की समस्याओं को लेकर आज जनता देश संगठन ने हकीकत नगर स्थित रामलीला मैदान में धरना दिया। इस दौरान उन्होंने मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन सिटी मैजिस्ट्रेट को सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से उन्होंने अवगत करवाया कि समूह-सखी महिलाएं जो कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत है, उनको उचित वेतन नहीं मिल रहा है जबकि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जिसमें प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना आदि है। बावजूद इसके इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रुपए प्रतिमाह दिया जाता है जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या कार्यक्रमों में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती है जिस कारण समूह-सखी महिलाएं अपना जीवन यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही है।



सिटी मैजिस्ट्रेट को ज्ञापन देते संगठन के पदाधिकारी। (संजय)

जनता देश संगठन ने सरकार से समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रुपए प्रतिमाह और विभाग में स्थायी नियुक्ति की मांग की है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार ने महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं किया तो वह कड़े कदम उठाने को बाध्य होंगे।

इस दौरान संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एड. पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, जिलाध्यक्ष सौरभ गौतम, समूह-सखी की अध्यक्ष बबीता कश्यप, सुमन, बरखा, शिखा, सीमा, कोमल, ऊषा आदि मौजूद रही।

नपुर नगर



समूह सखी महिलाओं के वेतन सम्बंधी मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। समूह सखी महिलाओं के वेतन सहित अन्य मांगों को लेकर जनता देश संगठन (जेडीएस) के बैनर तले प्रदेश के मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौपा। ज्ञापन में मांग की गई कि उनकी मांगों पर ध्यान देकर समस्याओ को जल्द समाधान कराया जाये। वेतन सहित अन्य मांगो को लेकर दिए गए ज्ञापन मे अवगत कराते हुए मांग की गई कि समूह - सखी महिलाओं (जो कि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत विभाग में कार्यरत हैं) को उचित वेतन नही मिल रहा है। जब कि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है। जैसे: प्रधानमंत्री सड़क सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, पशु टीकाकरण योजना, मिशन अंत्योदय योजना इत्यादि। बावजूद इसक इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रूपए प्रतिमाह दिया



जाता है। जब कि शहर में होने वाली कोई भी मिटिंग या प्रोग्रामों में होने वाला खर्च यह समूह - सखी स्वयं से निर्वहन करती है। जिस कारण समूह-सखी महिलाएं अपना जीवन-यापन उचित रूप से नही कर पा रही है। जनता देश संगठन (जेडीएस) समूह- सखी महिलाओं की निम्नलिखित मांगों का समर्थन करता है। और सरकार से यह मांग करता है कि समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार महिलाओं की समस्या का समाधान नही करती है। तो संगठन कड़े कदम उठाने को मजबूर होगा। ज्ञापन देने वालों में जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगे राम कश्यप, मुख्य सलाहकार रोजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, मण्डल अध्यक्ष श्रीपाल सिंह, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, मिड्डिया प्रभारी बॉबी कुमार, जिला उपाध्यक्ष बंटी कुमार, समूह-सखी संघर्ष समिति (एस -4) की अध्यक्षा बबीता देवी कश्यप, उमा, प्रवेश, ललिता, सोनिया, सुमन, बरखा, सोनिया, बालेश आदि मौजूद रही।

DAT NEWS
हर खबर आप तक

दैनिक अयोध्या टाइम्स
सच्चाई आपकी-आवाज हमारी

RNI NO.: UPHIN/2015/67284

वर्ष : 10 अंक : 280
कानपुर नगर से प्रकाशित
गुरुवार 12 दिसम्बर 2024
पृष्ठ : 08 मूल्य : 2 रुपये

गुफरान मलिक
मंडल ब्यूरो चीफ
सहारनपुर मंडल
समाचार एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें।
9412496725, 7860645182

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार, असम/त्रिपुरा, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, पंजाब, राजस्थान में प्रसारित

सहारनपुर में मनाया गया जनता देश संगठन का पांचवा स्थापना दिवस

रिपोर्ट गुफरान मलिक सहारनपुर मंडल ब्यूरो चीफ दैनिक अयोध्या टाइम्स हिंदी समाचार पत्र। आपको बता दे कि सहारनपुर में जनता देश संगठन का पांचवा स्थापना दिवस मनाया गया है। जनता देश संगठन की स्थापना 10 दिसंबर 2019 में की गई थी जिसकी कोर कमेटी तैयार हुई थी जिसमें सुरेश कुमार फौजी नफे सिंह सहित कई लोग शामिल थे। कार्यक्रम में काफी लोग पहुंचे खासकर महिलाओं ने काफी बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया।

जनता देश संगठन शिक्षा स्वास्थ्य और रोजगार पर खास ध्यान देता है सहारनपुर के पिलखनी में बने सेखुल हिंद मौलाना महमूद हसन मेडिकल कॉलेज की बहाली के लिए भी जनता देश संगठन ने काफी संघर्ष किया है। 10 दिसंबर 2024 को जनता देश संगठन को चलते हुए पूरे 5 साल हो गए हैं। जिसका सहारनपुर के अंबाला रोड किसान हाउस के पास एक बैंकेट हॉल में पांचवा स्थापना दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में डॉक्टर मोहम्मद एहतेशाम मलिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता सूरज जी ने की और संचालन मांगेराम ने किया कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉक्टर मोहम्मद एहतेशाम मलिक के साथ कई पार्षद भी कार्यक्रम में शामिल हुए जिनमें डॉक्टर मोहम्मद मोहतसीम पार्षद अहमद मलिक भी शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जनता देश संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने कहा है कि जनता देश संगठन सर्व समाज के सम्मान व अधिकार की लड़ाई लड़ रहा है। जनता देश संगठन का केवल एक ही मकसद है सर्व समाज को उसका अधिकार पूरे सम्मान के साथ दिया जाए।

कार्यक्रम को जनता देश संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे ने भी संबोधित किया पिंकी पवन शिंदे ने कहा है।

कि जनता देश संगठन भारत की हर मूलभूत समस्याओं पर आवाज उठाएगा उन्होंने कहा है कि सरकार को पढ़ने वाली सभी किताबों से जीएसटी हटानी चाहिए ताकि गरीब के बच्चे भी अच्छी से अच्छी किताब पढ़ सके पिंकी पवन शिंदे ने यह भी कहा है कि दुनिया के किसी भी मुल्क में पढ़ने वाली किताबों पर टैक्स नहीं है लेकिन भारत में पढ़ने वाली किताबों पर भी टैक्स लगा दिया है जिसकी वजह से गरीब के बच्चे किताबें नहीं पढ़ पा रहे हैं यह लगा हुआ टैक्स सरकार को हटाना होगा। इसके अलावा जनता देश संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे ने कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर सरकार को घेरा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि के रूप में डॉक्टर मोहम्मद एहतेशाम मलिक ने कहा है कि जनता देश संगठन के उद्देश्य जनहित में है जनता देश संगठन वो लड़ाई लड़ रहा है जिससे सर्व समाज का विकास होगा हम पूरी तरह से जनता देश संगठन का समर्थन करते हैं।



पंजाब केसरी
WED,15 JANUARY 2025
EDITION: UTTAR PRADESH KESARI, PAGE NO. 1

जनता देश संगठन के बैनर तले मांगों को लेकर समूह-सखी महिलाओं ने दिया धरना



हकीकत नगर रामलीला मैदान में धरना देती महिलाएं। (संजय)

सहारनपुर, 14 जनवरी (ब्यूरो): हकीकत नगर स्थित रामलीला मैदान में मांगों को लेकर आज जनता देश संगठन द्वारा धरना दिया गया। बाद में मुख्यमंत्री को सम्बोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से राज्य सरकार से यह मांग की गई कि समूह-सखी महिलाएं जोकि पिछले कई वर्षो से राष्ट्रीय ग्रामीण आजिविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत है, उनको उचित वेतन नहीं मिल रहा है जबकि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है तथा इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रुपए प्रतिमाह दिया जाता है जबकि शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या कार्यक्रम में होने वाला खर्च यह समूह-सखी स्वयं से निर्वहन करती हैं जिस कारण यह महिलाएं अपना जीवन-यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही हैं। जनता देश संगठन ने सरकार से समूह-सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रुपए प्रतिमाह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा (मातृत्व लाभ अधिनियम 1961) के तहत सम्पूर्ण सुविधाएं दिए जाने की मांग की।

इस दौरान संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग एड. पिंकी पवन शिंदे, रोजेश्वर दास सैनी, सुभाष बर्मन, सौरभ सिंह, बॉबी कुमार, बंटी कुमार, बबीता देवी कश्यप, रश्मि, सोनिया, मुनेश, रीना, सुमन, लता, प्रवेश, सुमन देवी आदि मौजूद रहे।

समूह सखी महिलाओं के सम्मान और अधिकारों को लेकर कलेक्ट्रेट पर गरजा जेडीएस, मानदेय बढ़ाने की उठी मांग

जनमत की पुकार:- सहारनपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत कार्यरत समूह सखी महिलाओं के मानदेय में वृद्धि तथा अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर जनता देश संगठन (जेडीएस) ने सोमवार को जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट पर धरना-प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से प्रशासन को सौंपते हुए समूह सखी महिलाओं की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। धरने को संबोधित करते हुए जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि समूह सखी महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की विभिन्न योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके बावजूद उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है, जो उनके परिश्रम और जिम्मेदारियों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने सरकार से समूह सखी महिलाओं का मानदेय बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि समूह सखी महिलाओं को सरकारी कर्मचारियों की तरह पहचान पत्र, निर्धारित वर्दी, नियमित अवकाश, मातृत्व अवकाश तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। संगठन का आरोप है कि पिछले लगभग 22 महीनों से लगातार इन मांगों को उठाया जा रहा है, लेकिन सरकार और संबंधित विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सुरेश कुमार ने बताया कि 28 दिसंबर 2025 को सहारनपुर दौरे पर आए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी इस संबंध में ज्ञापन सौंपा गया था। उस समय समस्याओं के समाधान का आश्वासन मिला था, लेकिन आज तक कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हो सकी। धरना प्रदर्शन के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से मिलने का प्रयास किया, लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी। बाद में सिटी मजिस्ट्रेट ने ज्ञापन प्राप्त कर उसे मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। जेडीएस पदाधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समूह सखी महिलाओं की मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन आंदोलन को और व्यापक रूप देगा। ज्ञापन में समूह सखी महिलाओं को नियमित मानदेय, बैंक खाते में प्रत्यक्ष भुगतान, पहचान पत्र, यूनिफॉर्म, मातृत्व अवकाश और अन्य सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई है। धरना-प्रदर्शन में राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग प्रदेश अध्यक्ष बबीता कश्यप, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता एवं समूह सखी महिलाएं मौजूद रहीं।

पंजाब केसरी
THU,05 DECEMBER 2024
EDITION: UTTAR PRADESH KESARI, PAGE NO. 1

अधिकारीगण सहित ग्राम प्रधान एवं सचिव उपस्थित रहे। (संजय)

जनता देश संगठन स्थापना दिवस पर जारी करेगा घोषणा-पत्र



सहारनपुर (ब्यूरो): हसनपुर चौक स्थित जनता देश संगठन कार्यालय पर आज प्रैसवार्ता का आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य आने वाले 10 दिसम्बर को संगठन के 5वें स्थापना दिवस पर घोषणा-पत्र जारी करना है। इस दौरान जे.डी.एस. के सभी पदाधिकारियों ने स्थापना दिवस पर होने वाले कार्यक्रमों एवं घोषणा-पत्र के बारे में विस्तृत जानकारी दी। पत्रकारों को जानकारी देते हुए जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला विंग सुश्री पिंकी पवन शिंद एडवोकेट, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, राजेश्वर दास सैनी, सुभाष बर्मन प्रदेश अध्यक्ष, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, बबीता कश्यप प्रदेश अध्यक्ष महिला विंग, श्रीमती कविता संगठन मंत्री, उमा देवी प्रचार मंत्री, प्रवेश विधानसभा अध्यक्ष, सुमन देवी विधानसभा उपाध्यक्ष महिला विंग आदि मौजूद रहे। (संजय)

जनता देश संगठन का पांचवा स्थापना दिवस 10 दिसम्बर को



सहारनपुर(पश्चिमी प्रान्त बुलेटिन सं.)। जनता देश संगठन के द्वारा संगठन के कार्यालय पर एक सार्वजनिक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेसवार्ता मे संगठन से जुड़े कई पदाधिकारी व कार्येकर्ता मौजूद रहे। प्रेसवार्ता मे जनता देश संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारीयो ने बताया की प्रेस वार्ता का मुख्य उदेश्य आने वाली 10 दिसम्बर 2024 को संगठन के पाँचवे स्थापना दिवस पर घोषणा पत्र जारी करना है। उन्होंने संगठन से जुड़े सभी पदाधिकारीयो से आह्वान किया की संगठन को मजबूती प्रदान करें। इस अवसर पर जनता देश संगठन के तमाम पदाधिकारी, संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग पिंकी पवन शिंद, राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगे राम कश्यप , राजेवर दास सैनी, मुख्य सलाहकार सुभाष बर्मन प्रदेश अध्यक्ष, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, बबीता कश्यप, प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग, कविता संगठन मंत्री उमा देवी प्रचार मंत्री, प्रवेश, सुमन देवी आदि सदस्यगण मौजूद रहे।

मानदेय वृद्धि व नियमितीकरण की मांग को लेकर समूह सखियों ने किया धरना-प्रदर्शन

दैनिक अयोध्या टाइम्स–
सहारनपुर। जनता देश संगठन व समूह सखी संघर्ष समिति से जुड़ी महिलाओं ने विभिन्न मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर नारेबाजी के बीच प्रदर्शन धरना दिया तथा मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौपकर समस्याओं का समाधान कराए जाने की मांग की।



समूह सखी संघर्ष समिति से जुड़ी महिलाएं आज जनता देश संगठन के बैनर तले जिला मुख्यालय पहुंची जहां उन्होंने हकीकत नगर स्थित धरना स्थल पर नारेबाजी के बीच प्रदर्शन करते हुए धरने पर बैठ गई। इस दौरान जनता देश संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौपते हुए कहा कि समूह सखी महिलाओं जोकि पिछले काफी सालों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत है, को उचित वेतन नही मिल रहा है। जबकि इन समूह सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन्हें बहुत ही न्यूनतन वेतन 800 रूपए प्रति माह दिया जाता है जोकि बिल्कुल भी उचित नहीं है। जबकि महानगर में होने वाली किसी भी बैठकध्कार्यक्रम में उनके कम से कम 50 रूपए प्रतिदिन खर्च हो जाते हैं जो उन्हें स्वयं निर्वहन करना पड़ता है। इस कावरण यह महिलाएं अपना जीवन यापन सही तरीके से नहीं कर पा रही है। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार से मांग की कि समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह किया जाए तथा विभाग में स्थायी नियुक्ति कर सभी सुविधाएं दिलाई जानी चाहिए। समूह सखी संघर्ष समिति की अध्यक्ष बबीता कश्यप ने कहा कि यदि सरकार महिलाओं की मांगों क समाधान नहीं करती तो संगठन कड़ा उठाने को मजबूर होगा। धरना–प्रदर्शन व ज्ञापन सौपने वालों में राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग सुश्री पिंकी पवन शिंदे, श्रीमती बबीता देवी कश्यप, अध्यक्षा समूह सखी राजेश्वर दास सैनी, मुख्य सलाहकार जेडीएस प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बर्मन, समूह सखी कविता, उषा, फूलबानो, अनीता, उमा देवी, दीपमाला, कोमल, सोनिया, मधुबाला, संजीता आदि मौजूद रही।

2 SAHARANPUR सहारन

मानदेय वृद्धि व नियमितीकरण की मांग को लेकर समूह सखियों ने किया धरना-प्रदर्शन



विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन व समूह सखी संघर्ष समिति से जुड़ी महिलाओं ने विभिन्न मांगों को लेकर जिला मुख्यालय पर नारेबाजी के बीच प्रदर्शन धरना दिया तथा मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपकर समस्याओं का समाधान कराए जाने की मांग की। समूह सखी संघर्ष समिति से जुड़ी महिलाएं आज जनता देश संगठन के बैनर तले जिला मुख्यालय पहुंची जहां उन्होंने हकीकत नगर स्थित धरना स्थल पर नारेबाजी के बीच प्रदर्शन करते हुए धरने पर बैठ गई। इस दौरान जनता देश संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपते हुए कहा कि समूह सखी महिलाओं जोकि पिछले काफी सालों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत हैं, को उचित वेतन नहीं मिल रहा है। जबकि इन समूह सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन्हें बहुत ही न्यूनतन वेतन 800 रूपए प्रति माह दिया जाता है जोकि बिल्कुल भी उचित नहीं है। जबकि महानगर में होने वाली किसी भी बैठक/कार्यक्रम में उनके कम से कम 50 रूपए प्रतिदिन खर्च हो जाते हैं जो उन्हें स्वयं निर्वहन करना पड़ता है। इस कावरण यह महिलाएं अपना जीवन यापन सही तरीके से नहीं कर पा रही है। उन्होंने केंद्र व राज्य सरकार से मांग की कि समूह सखी महिलाओं का बेसिक वेतन 18 हजार रूपए प्रति माह किया जाए तथा विभाग में स्थायी नियुक्ति कर सभी सुविधाएं दिलाई जानी चाहिए। समूह सखी संघर्ष समिति की अध्यक्ष बबीता कश्यप ने कहा कि यदि सरकार महिलाओं की मांगों क समाधान नहीं करती तो संगठन कड़ा उठाने को मजबूर होगा। धरना-प्रदर्शन व ज्ञापन सौंपने वालों में राष्ट्रीय प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग सुश्री पिंकी पवन शिंदे, श्रीमती बबीता देवी कश्यप, अध्यक्षा समूह सखी राजेश्वर दास सैनी, मुख्य सलाहकार जेडीएस प्रदेशाध्यक्ष सुभाष बर्मन, समूह सखी कविता, उषा, फूलबानो, अनीता, उमा देवी, दीपमाला, कोमल, सोनिया, मधुबाला, संजीता आदि मौजूद रही।

अयोध्या में हर वर्ष



शनिवार को सहारनपुर में हकीकत नगर स्थित श्री रामलीला मैदान में धरना देते जनता देश संगठन के कार्यकर्ता।

समूह सखी को स्थाई नियुक्ति देने की मांग

सहारनपुर। जनता देश संगठन के बैनर तले समूह सखी महिलाओं ने स्थाई नियुक्ति देने की मांग की है। मुख्यमंत्री के नाम दिए ज्ञापन में समूह सखी महिलाओं ने कहा कि वह राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत कार्यरत हैं और उनसे अलग अलग क्षेत्रों में काम लिया जाता है लेकिन वेतन के नाम पर महज 800 रुपए मिलते हैं। कहा उन्हें स्थाई नियुक्ति के साथ 18 हजार वेतन दिया जाए। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश फौजी, समूह सखी की अध्यक्ष बबिता कश्यप, राजेश्वर सैनी, राष्ट्रीय महासचिव पिंकी पवन शिंदे, मीनाक्षी रहे।

समूह सखियां

समूह सखियां स्वयं सहायता समूहों की रीढ़ मानी जाती हैं। इनका कार्यक्षेत्र गांवों तक सीमित है, लेकिन इनकी जिम्मेदारी अत्यंत व्यापक हैं। समूह सखियों के सामने अनेक समस्याएं है जिसमें वेतन का कम होना, समय पर वेतन न मिलना, वेतन बढ़ाए जाने, समय पर वेतन मिलने, अतिरिक्त कार्यों का कोई अलग से भुगतान नहीं होना बड़ी समस्या है।



रविवार को हिन्दुस्तान टीम के साथ अपनी समस्याओं को साझा करती समूह सखियां। साथ ही उसके समाधान के सुझाव भी दिए गए।

1173
समूह सखियों की जनपद में संख्या

800
रुपये मासिक वेतन

18000
हजार हो मानदेय



अपनी समस्याओं के बारे में जानकारी देती समूह सखियां।

समूह सखियां कर रही चुनौतियों का सामना

ग्रामीण भारत के सामाजिक और आर्थिक विकास में महिला सशक्तिकरण की महत्वपूर्ण भूमिका है। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जनपद में कार्यरत 1173 समूह सखियां इसी दिशा में सक्रियता से काम कर रही हैं। ये सखियां ग्रामीण क्षेत्रों में स्वयं सहायता समूहों को संगठित करती हैं, योजनाओं की निगरानी करती हैं और सरकारी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में सहयोग देती हैं। इनके जिम्मे लोकॉस एप पर डाटा अपलोड करना, सीसीएल (कम्यूनिटी कैडर लिस्ट) की निगरानी, लखपति दीदी योजना को आगे बढ़ाना, फैमिली आईडी तैयार कराना, मिशन अंत्योदय व जीरो पॉवर्टी प्रोजेक्ट जैसे विभिन्न कार्य आते हैं। लेकिन, इन कार्यों के पीछे मेहनत करने वाली ये माहिलाएं खुद कई समस्याओं से जूझ रही हैं। उनका मासिक वेतन महज 800 रुपये है, जो उनकी मेहनत और जिम्मेदारियों के मुकाबले बेहद कम है। समूह सखियों ने वेतन बढ़ाए जाने, समय पर वेतन मिलने, पर्सनल खाते में वेतन स्थानांतरित होने सहित कई सुझाव दिए हैं। यदि संबंधित संस्थाएं उनके वेतन, पहचान और सामाजिक सुरक्षा की मांगों पर गंभीरता से विचार करें, तो न केवल उनकी स्थिति में सुधार होगा बल्कि गांवों में महिला सशक्तिकरण और विकास की गति को और भी तेज किया जा सकता है।

समूह सखियां स्वयं सहायता समूहों की रीढ़ मानी जाती हैं। इनका कार्यक्षेत्र गांवों तक सीमित है, लेकिन इनकी जिम्मेदारी अत्यंत व्यापक है। वे न केवल समूहों की मासिक बैठकें आयोजित करती हैं, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए प्रशिक्षण, लोन सुविधा, और उद्यमिता विकास से संबंधित गतिविधियों में भी शामिल होती हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही लखपति दीदी योजना में भी उनकी प्रमुख भागीदारी है, जिसका उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार के जरिए आत्मनिर्भर बनाना है। इसके अतिरिक्त, फैमिली आईडी जैसे डाटा संकलन और प्रविष्टि वाले कार्य, मिशन अंत्योदय के तहत गांवों की आवश्यकताओं का मूल्यांकन, और जीरो पॉवर्टी मिशन के तहत जरूरतमंद परिवारों की पहचान जैसे कार्य भी इन्हीं पर निर्भर हैं। लोकॉस एप पर रिपोर्टिंग करना एक तकनीकी जिम्मेदारी है, जो डिजिटल दक्षता भी मांगती है। सबसे गंभीर समस्या जो सामने आती है, वह है अल्पत कम वेतन। महज 800 रुपये प्रतिमाह। इससे भी बड़ी समस्या यह है कि यह वेतन नियमित रूप से नहीं मिलता।



अतिरिक्त कार्यों का कोई अलग भुगतान नहीं

समूह सखियों को अक्सर ऐसे कार्यों में भी लगाया जाता है जो उनके मूल कार्यक्षेत्र से अलग होते हैं, जैसे रैलियों में भाग लेना, सरकारी और राजनीतिक आयोजनों में भीड़ जुटाना, या जन जागरूकता रैलियों का आयोजन करना। ये कार्य न केवल मानसिक और शारीरिक श्रम की मांग करते हैं, बल्कि इनमें समय और संसाधनों की भी आपूर्यकता होती है, जबकि इनके लिए कोई अतिरिक्त भुगतान नहीं किया जाता। यह न केवल शोषण की श्रेणी में आता है, बल्कि यह उनके आत्मसम्मान को भी ठेस पहुंचाता है।

सुझाव और शिकायतें

- समूह सखियों का वेतन बढ़ाया जाए
- समूह सखियों को समय पर वेतन मिले
- समूह सखी के पर्सनल खाते में वेतन मिले
- समूह सखियो को स्वास्थ्य बीमा का लाभ मिले
- रैली अथवा सरकारी कार्यक्रमों में भागेदारी के लिए दबाव न बनाया जाए
- समूह सखियों का वेतन बहुत कम है। गुजारा नहीं होता।
- समूह सखियों को समय पर वेतन नहीं मिलता है।
- समूह सखियों की वेतन से अधिक खर्च की समस्या
- समूह सखी का वेतन समूह के खाते में आता है
- रैली अथवा सरकारी राजनीतिक कार्यक्रम में भीड़ इकट्ठा करने का दबाव

दो से तीन माह तक नहीं होता भुगतान

कई बार दो से तीन महीने तक भुगतान नहीं होता, जिससे सखियों को आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ता है। समूह सखियों के अनुसार कई बार उन्हें अपने व्यक्तिगत खर्चों से यात्रा करनी पड़ती है, प्रिंटआउट, मोबाइल रिचार्ज, डाटा पैक, स्टेशनरी इत्यादि पर खर्च करना पड़ता है, जिसकी भरपाई उन्हें नहीं मिलती। इससे सीधा असर उनकी कार्यक्षमता और मानसिक स्थिति पर पड़ता है। समूह सखियों का कार्य ग्रामीण समाज में महिला नेतृत्व और सशक्तिकरण की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। वे न केवल सरकारी योजनाओं को धरातल पर क्रियान्वित करती हैं, बल्कि गांवों में महिला सशक्तिकरण, वित्तीय साक्षरता, और सामाजिक बदलाव की भी वाहक हैं। मौजूदा समय में जिस स्तर उन्हें कम वेतन, समय पर भुगतान की कमी, और अतिरिक्त कार्यों का बोझ उठाना पड़ रहा है, वह चिंता का विषय है। यदि सरकार व संबंधित संस्थाएं उनके वेतन, पहचान और सामाजिक सुरक्षा की मांगों पर गंभीरता से विचार करें।

बातों में झलका इनका दर्द



दो साल से समूह से जुड़ी हूं। सरकारी स्वास्थ्य बीमा योजनाओं में सखियों को शामिल किया जाए, ताकि वे इलाज और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आत्मनिर्भर हो।
–राव शिखा , देवबंद ब्लॉक



समूह सखियो को अक्सर ऐसे कार्यों में भी लगाया जाता है जो उनके मूल कार्यक्षेत्र से अलग होते हैं। इस संबंध में कई बार शिकायत की गई है। लेकिन समाधान नहीं हुआ है। –पूजा, गंगोह ब्लॉक



करीब दो साल से समूह से जुड़ी हूं। समूह सखियो की कई मांगे हैं। जिसके लिए वो संघर्षरत हैं। वेतन, पहचान और सामाजिक सुरक्षा की मांगो पर गंभीरता से विचार करे।
–सुनीता, गंगोह ब्लॉक



आठ सौ रुपये महीने का वेतन ऊंट के मुह में जीरे के समान है। जिस प्रकार के कार्य कराए जाते हैं। उसी प्रकार से वेतन नहीं मिलता है। वेतन बढ़ाने की आवश्यकता है।
–सोनिया गंगोह ब्लॉक



समूह सखियां वेतन बढ़ोतरी के लिए लंबे समय से मांग कर रही हैं। कई बार धरने–प्रदर्शन किए गए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन भी दिया है।
–पूनम, गंगोह ब्लॉक



आठ सौ रुपये वेतन मिलता है और वो भी समय पर नहीं मिलता। कई बार छह से सात महीने बाद वेतन मिलता है। वेतन समय पर मिलना चाहिए।
–बरखा, नकुड़ ब्लॉक



करीब तीन साल से समूह से जुड़ी हूं। वेतन व्यक्तिगत खाते में दिया जाए। इससे पारदर्शिता बनी रहेगी और भुगतान की निगरानी आसान होगी। –संगीता, गंगोह ब्लॉक



करीब तीन साल से समूह से जुड़ी हूं। समूह सखियो को पहचान पत्र, ड्रेस कोड और पदनाम के साथ काम करने का अधिकार दिया जाए, ताकि गांव स्तर पर पहचान बने। –ममतेश, देवबंद ब्लॉक



समूह सखी को जितना वेतन मिलता है उससे ज्यादा तो उसका खर्च हो जाता है। इतने कम वेतन में परिवार चलाना ना–मुमकिन है। वेतन बढ़ाया जाए।
–ममतेश, देवबंद



करीब दो साल से समूह से जुड़ी हूं। समूह सखियो का कार्य ग्रामीण समाज में महिला नेतृत्व और सशक्तिकरण की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। समस्याओं का समाधान होना चाहिए। मीटिंग अपेक्षा को जा रही है।
–सोनिया, देवबंद,



वेतन सीधे उनके व्यक्तिगत खातो में न जाकर स्वयं सहायता समूहो के खाते में आता है। इससे पारदर्शिता और समय पर भुगतान को लेकर कई बार विवाद और विलंब होता है।
–प्रियंका, गंगोह ब्लॉक



राजनीतिक रैली अथवा सरकारी कार्यक्रम में भीड़ जुटाने के लिए समूह सखियो पर दबाव बनाया जाता है। कई बार आने–जाने का खर्च भी अपनी जेब से देना पड़ता है।
–प्रियंका, गंगोह ब्लॉक



समूह सखियां वेतन बढ़ोतरी के लिए लंबे समय से मांग कर रही हैं। कई बार धरने–प्रदर्शन किए गए हैं। प्रशासनिक अधिकारियों को ज्ञापन भी दिया गया है। लेकिन आज तक समाधान नहीं मिला है।
–आरती, गंगोह ब्लॉक



करीब साढ़े तीन साल से समूह से जुड़ी हूं। समूह सखियों का कार्य ग्रामीण समाज में महिला नेतृत्व और सशक्तिकरण की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। समस्याओं का समाधान होना चाहिए। मीटिंग
नकुड़ ब्लॉक



समूह सखी को जितना वेतन मिलता है उससे ज्यादा तो उसका खर्च हो जाता है। इतने कम वेतन में परिवार चलाना नामुमकिन है। वेतन बढ़ाया जाए।
–[illegible], सरसावा ब्लॉक



समूह सखियों को समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों से शिकायत की है। लेकिन आज तक किसी समस्या का समाधान नहीं मिला है।
–[illegible], सरसावा ब्लॉक

POCO X6 NEO 5G 16/06/2025 17:19

पंजाब केसरी
MON,16 SEPTEMBER 2024
EDITION: UTTAR PRADESH KESARI, PAGE NO. 1

समूह-सखी महिलाओं की समस्याओं को लेकर डी.एम. को सौंपा ज्ञापन

सहारनपुर, 15 सितम्बर (ब्यूरो): जनता देश संगठन के बैनर तले समूह-सखी महिलाओं ने धरना प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा और समस्याओं के समाधान की मांग की। जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में बताया कि समूह-सखी महिलाओं जोकि पिछले कई वर्षों से राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत है उनको उचित वेतन नहीं मिल रहा है जबकि इन समूह-सखी महिलाओं से हर क्षेत्र में कार्य करवाया जाता है तथा इन्हें न्यूनतम वेतन महज 800 रुपए प्रतिमाह प्राप्त होता।

शहर में होने वाली कोई भी मीटिंग या प्रोग्राम में होने वाला खर्च यह स्वयं निर्वहन करती हैं जिस कारण से यह महिलाएं अपना जीवन-यापन उचित रूप से नहीं कर पा रही हैं। जनता देश संगठन ने समूह-सखी महिलाओं को बेसिक वेतन 18 हजार रुपए पति माह, विभाग में स्थायी नियुक्ति तथा मातृत्व लाभ अधिनियम 1961 के तहत संपूर्ण सुविधाएं प्राप्त होनी चाहिए। यदि सरकार उपरोक्त महिलाओं की समस्या का समाधान नहीं करती है तो संगठन कड़े कदम उठाने को मजबूर होगा।



सहारनपुर: धरना देती महिलाएं। (संजय)

ज्ञापन देने वालों में संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) राष्ट्रीय महासचिव एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा महिला विंग पिंकी पवन शिंदे, बबीता देवी कश्यप, अध्यक्षा समूह-सखी रोजेश्वर दास सैनी, मुख्य सलाहकार मंडल अध्यक्ष अनुज कर्णवाल, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, मीडिया प्रभारी मानविक सिंह व रश्मी सैनी आदि शामिल रहे।

सखी समूह ने मांगा 18 हजार रुपये वेतन

जागरण संवाददाता, सहारनपुरः राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत विभाग में कार्यरत समूह सखी महिलाओं का वेतन 18 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने और स्थाई नियुक्ति दिए जाने की मांग को लेकर जनता देश संगठन ने प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपा।

जनता देश संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन सिदे के नेतृत्व में सोमवार को समूह सखी से जुड़ी महिलाएं हकीकत नगर स्थित धरनास्थल पर एकत्र हुई। धरने के बाद महिलाएं कलेक्ट्रेट पहुंचीं और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशिक्षु अधिकारी अपूर्वा को दिया। ज्ञापन में कहा कि समूह सखी महिलाओं को मात्र 800 रुपये मानदेय दिया जाता है। बेसिक वेतन 18 हजार रुपये प्रतिमाह करने की मांग रखी। अध्यक्ष सुरेश कुमार, प्रवक्ता मांगेराम कश्यप, बबीता देवी कश्यप, राजेश्वर, सुभाष बर्मन, कविता, उषा, फूलबानो, अनिता, उमा देवी, दीपमाला, कोमल, सोनिया, मधुबाला, संगीता आदि मौजूद रही।



धरना स्थल पर मांगों को लेकर जनता देश संगठन के बैनर तले प्रदर्शन करतीं समूह सखी की महिलाएं ● जागरण

पदोन्नति एवं एएसपी देने की मांग

सहारनपुर : न्यू माधोनगर निवासी रहतूलाल ने मुख्य सचिव वन विभाग के नाम भेजे ज्ञापन में कहा कि उसके बेटे पुष्पेंद्र कुमार लेमन वन विभाग में कनिष्ठ सहायक हैं, जिसे 30 सितंबर 2024 को 17 वर्ष दो माह सेवा में पूरे हो गए। वन विभाग के मंडलीय स्तर कार्यालय में जिन कर्मचारियों की सेवा 10 वर्ष से कम की है, उनकी पदोन्नति की गई है। परंतु पुष्पेंद्र की सेवा 17 वर्ष से भी अधिक होने पर भी उसको द्वितीय एएसपी एवं पदोन्नति नहीं दी गई।

दैनिक जागरण 15/10/2024 पेज 9

जेडीएस ने समूह सखी महिलाओं के मानदेय बढ़ाने को लेकर सरकार पर बनाया दबाव

मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन, चेतावनी–मांगें पूरी न हुईं तो सड़कों पर उतरेगा संगठन

पहल टुडे,



सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत कार्यरत समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन ने आरोप लगाया कि वर्षों से कार्य कर रही समूह सखी महिलाओं को बेहद कम मानदेय दिया जा रहा है, जिससे उनका जीवन यापन प्रभावित हो रहा है।आईटीसी रोड स्थित संगठन कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि जेडीएस के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर कहा कि समूह सखी महिलाएं लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की विभिन्न योजनाओं को जमीन तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। इसके बावजूद उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है, जो वर्तमान महंगाई के दौर में बेहद कम है।संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि समूह सखी महिलाओं से गांवों और शहरों में आयोजित बैठकों, कार्यक्रमों और सरकारी योजनाओं से जुड़े विभिन्न कार्य कराए जाते हैं। इतना ही नहीं, कई कार्यक्रमों में आने-जाने और अन्य व्यवस्थाओं का खर्च भी महिलाओं को स्वयं वहन करना पड़ता है। ऐसे में इतनी कम राशि में उनका परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि संगठन पिछले डेढ़ वर्षों से समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया।

संगठन ने सरकार से समूह सखी महिलाओं के लिए सम्मानजनक वेतन तय करने और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की है।जेडीएस पदाधिकारियों ने बताया कि इससे पहले 28 दिसंबर 2025 को सहारनपुर दौरे पर आए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी ज्ञापन सौंपा गया था। उस दौरान उपमुख्यमंत्री ने महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे और प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग एवं समूह-सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा बबीता कश्यप ने कहा कि यदि सरकार जल्द मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो संगठन सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगा और प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन तथा पुतला दहन किया जाएगा।ज्ञापन सौंपने के दौरान जेडीएस के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित संगठन के कई पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग जेडीएस ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

(पब्लिक एशिया ब्यूरो)



सहारनपुर। जनता देश संगठन ने बृहस्पतिवार को सहारनपुर जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कार्यरत समूह सखी महिलाओं का वेतन बढ़ाने की मांग की। संगठन का कहना है कि पिछले कई वर्षों से कार्यरत इन महिलाओं को मात्र 800 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है, जो वर्तमान समय में बेहद कम है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि समूह सखी महिलाओं से विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कराया जाता है तथा शहर में होने वाली बैठकों और कार्यक्रमों का खर्च भी उन्हें स्वयं वहन करना पड़ता है।

कम वेतन के कारण महिलाएं आर्थिक समस्याओं से जूझ रही हैं और उनका जीवन यापन प्रभावित हो रहा है। जेडीएस के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि संगठन पिछले डेढ़ वर्षों से महिलाओं के वेतन वृद्धि के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन प्रदेश सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार जल्द मांगें पूरी नहीं करती है तो संगठन सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन और पुतला दहन करेगा। संगठन ने यह भी बताया कि 28 दिसंबर 2025 को सहारनपुर दौरे पर आए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी ज्ञापन सौंपा गया था। उस दौरान उप मुख्यमंत्री ने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग प्रदेश अध्यक्षा एवं समूह सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा श्रीमती बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर जेडीएस ने सौंपा ज्ञापन

- मुख्यमंत्री के नाम डीएम को दिया ज्ञापन, मांगें पूरी न होने पर आंदोलन और पुतला दहन की चेतावनी



भास्कर ब्यूरो

सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआर एलएम) के तहत कार्यरत समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन ने आरोप लगाया कि वर्षों से कार्य कर रही समूह सखी महिलाओं को बेहद कम मानदेय दिया जा रहा है, जिससे उनका जीवन यापन प्रभावित हो रहा है। आईटीसी रोड स्थित संगठन कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि जेडीएस के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर कहा कि समूह सखी महिलाएं लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की विभिन्न योजनाओं को जमीन तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। इसके बावजूद उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है, जो वर्तमान महंगाई के दौर में बेहद कम है। संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि समूह सखी महिलाओं से गांवों और शहरों में आयोजित बैठकों, कार्यक्रमों और सरकारी योजनाओं से जुड़े विभिन्न कार्य कराए जाते हैं। जेडीएस पदाधिकारियों ने बताया कि इससे पहले 28 दिसंबर 2025 को सहारनपुर दौरे पर आए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी ज्ञापन सौंपा गया था। उस दौरान उपमुख्यमंत्री ने महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे और प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग एवं समूह-सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा बबीता कश्यप ने कहा कि यदि सरकार जल्द मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो संगठन सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगा और प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन तथा पुतला दहन किया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जेडीएस के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित संगठन के कई पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग, जेडीएस ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन



विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन ने बृहस्पतिवार को सहारनपुर जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कार्यरत समूह सखी महिलाओं का वेतन बढ़ाने की मांग की। संगठन का कहना है कि पिछले कई वर्षों से कार्यरत इन महिलाओं को मात्र 800 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है, जो वर्तमान समय में बेहद कम है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि समूह सखी महिलाओं से विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कराया जाता है तथा शहर में होने वाली बैठकों और कार्यक्रमों का खर्च भी उन्हें स्वयं वहन करना पड़ता है। कम वेतन के कारण महिलाएं आर्थिक समस्याओं से जूझ रही हैं और उनका जीवन यापन प्रभावित हो रहा है। जेडीएस के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि संगठन पिछले डेढ़ वर्षों से महिलाओं के वेतन वृद्धि के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन प्रदेश सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार जल्द मांगें पूरी नहीं करती है तो संगठन सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन और पुतला दहन करेगा। संगठन ने यह भी बताया कि 28 दिसंबर 2025 को सहारनपुर दौरे पर आए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी ज्ञापन सौंपा गया था। उस दौरान उप मुख्यमंत्री ने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग प्रदेश अध्यक्षा एवं समूह सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा श्रीमती बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आलम, संगठन

समूह-सखी महिलाओं का वेतन बढ़ाने की मांग

सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने गुरुवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन भेजकर एनआरएलएम के तहत कार्यरत समूह-सखी महिलाओं का वेतन बढ़ाने की मांग की। संगठन ने आरोप लगाया कि महिलाओं से विभिन्न कार्य कराए जाते हैं, लेकिन उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है। बैठक व कार्यक्रमों का खर्च भी उन्हें स्वयं उठाना पड़ता है। इस दौरान सुरेश कुमार, एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, बबीता कश्यप, सुभाष बर्मन व सौरभ सिंह आदि रहे।

समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर जेडीएस ने सौंपा ज्ञापन

सहारनपुर, 14 मई (तरुणमित्र)। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत कार्यरत समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन ने आरोप लगाया कि वर्षों से कार्य कर रही समूह सखी महिलाओं को बेहद कम मानदेय दिया जा रहा है, जिससे उनका जीवन यापन प्रभावित हो रहा है।

आईटीसी रोड स्थित संगठन कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि जेडीएस के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर कहा कि समूह सखी



महिलाएं लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की विभिन्न योजनाओं को जमीन तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। इसके बावजूद उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है, जो वर्तमान महंगाई के दौर में बेहद कम है।

संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि समूह सखी महिलाओं से गांवों और शहरों में आयोजित बैठकों, कार्यक्रमों और सरकारी योजनाओं से जुड़े विभिन्न कार्य कराए जाते हैं। इतना ही नहीं, कई कार्यक्रमों में आने-जाने और अन्य व्यवस्थाओं का खर्च भी महिलाओं को स्वयं वहन करना पड़ता है। ऐसे में इतनी कम राशि में उनका परिवार चलाना मुश्किल हो गया है।

उन्होंने कहा कि संगठन पिछले डेढ़ वर्षों से समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। संगठन ने सरकार से समूह सखी महिलाओं के लिए सम्मानजनक वेतन तय करने और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की है।

जेडीएस पदाधिकारियों ने बताया कि इससे पहले 28 दिसंबर 2025 को सहारनपुर दौरे पर आए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी ज्ञापन सौंपा गया था। उस दौरान उपमुख्यमंत्री ने महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे और प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग एवं समूह-सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा बबीता कश्यप ने कहा कि यदि सरकार जल्द मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो संगठन सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगा।

पेज 1 का शेष...

समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग, जेडीएस ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन



विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन ने बृहस्पतिवार को सहारनपुर जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कार्यरत समूह सखी महिलाओं का वेतन बढ़ाने की मांग की। संगठन का कहना है कि पिछले कई वर्षों से कार्यरत इन महिलाओं को मात्र 800 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है, जो वर्तमान समय में बेहद कम है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि समूह सखी महिलाओं से विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कराया जाता है तथा शहर में होने वाली बैठकों और कार्यक्रमों

कि संगठन पिछले डेढ़ वर्षों से महिलाओं के वेतन वृद्धि के लिए लगातार प्रयास कर

28 दिसंबर 2025 को सहारनपुर दौरे पर आए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला

समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर जेडीएस ने सौंपा ज्ञापन

- मुख्यमंत्री के नाम डीएम को दिया ज्ञापन, मांगें पूरी न होने पर आंदोलन और पुतला दहन की चेतावनी



भास्कर ब्यूरो

सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआर एलएम) के तहत कार्यरत समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन ने आरोप लगाया कि वर्षों से कार्य कर रही समूह सखी महिलाओं को बेहद कम मानदेय दिया जा रहा है, जिससे उनका जीवन यापन प्रभावित हो रहा है। आईटीसी रोड स्थित संगठन कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि जेडीएस के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर कहा कि समूह सखी महिलाएं लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की विभिन्न योजनाओं को जमीन तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। इसके बावजूद उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है, जो वर्तमान महंगाई के दौर में बेहद कम है। संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि समूह सखी महिलाओं से गांवों और शहरों में आयोजित बैठकों, कार्यक्रमों और सरकारी योजनाओं से जुड़े विभिन्न कार्य कराए जाते हैं। जेडीएस पदाधिकारियों ने बताया कि इससे पहले 28 दिसंबर 2025 को सहारनपुर दौरे पर आए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी ज्ञापन सौंपा गया था। उस दौरान उपमुख्यमंत्री ने महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे और प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग एवं समूह-सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा बबीता कश्यप ने कहा कि यदि सरकार जल्द मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो संगठन सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगा और प्रदेश सरकार के खिलाफ प्रदर्शन तथा पुतला दहन किया जाएगा।

ज्ञापन सौंपने के दौरान जेडीएस के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित संगठन के कई पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

बुलेटिन
हिन्दी साप्ताहिक
क – ओमवीर सिहं 9927210238

समूह-सखी महिलाओं के मानदेय बढ़ाने के लिए जिला अधिकारी द्वारा मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन दिया



विशेषज्ञ बुलेटिन

सहारनपुर-जनता देश संगठन (जेडीएस) के द्वारा १४ मई २०२६ को सहारनपुर (जेडीएस) के प्रतिनीधी मण्डल ने २८ दिसम्बर २०२५ का जिला सहारनपुर आये उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य से जिला अधिकारी के द्वारा मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ के नाम ज्ञापन सौपकर, समूह-सखी महिलाओं की समस्याओं से अवगत कराया।उप मुख्यमंत्री ने आश्वासन भी दिया था कि राज्य सरकार इसे गंभीरता से लेगी तथा जल्द ही समूह-सखी महिलाओं की समस्याओं का समाधान करेगी। लेकिन अभी तक भी महिलाओं का वेतन सरकार द्वारा नही बढ़ाया गया। यदि सरकार हमारी मांगे स्वीकार नही करती है तो संगठन बहुत जल्द सड़कों पर उतरेगा और सरकार के पुतले दहन करेगा। अवसर पर जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी),राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे,मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन,प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग एवं अध्यक्षा समूह-सखी संघर्ष समिति श्रीमति बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह,प्रदेश उपाध्यक्ष बाबी कुमार सिंह,जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह,आदि सदस्यगण मौजूद रहे।

समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर जेडीएस ने सौंपा ज्ञापन

सहारनपुर, 14 मई (तरुणमित्र)। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत कार्यरत समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर गुरुवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपा। संगठन ने आरोप लगाया कि वर्षों से कार्य कर रही समूह सखी महिलाओं को बेहद कम मानदेय दिया जा रहा है, जिससे उनका जीवन यापन प्रभावित हो रहा है।

आईटीसी रोड स्थित संगठन कार्यालय से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि जेडीएस के पदाधिकारियों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर कहा कि समूह सखी



महिलाएं लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की विभिन्न योजनाओं को जमीन तक पहुंचाने का कार्य कर रही हैं। इसके बावजूद उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है, जो वर्तमान महंगाई के दौर में बेहद कम है।

संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि समूह सखी महिलाओं से गांवों और शहरों में आयोजित बैठकों, कार्यक्रमों और सरकारी योजनाओं से जुड़े विभिन्न कार्य कराए जाते हैं। इतना ही नहीं, कई कार्यक्रमों में आने-जाने और अन्य व्यवस्थाओं का खर्च भी महिलाओं को स्वयं वहन करना पड़ता है। ऐसे में इतनी कम राशि में उनका परिवार चलाना मुश्किल हो गया है।

उन्होंने कहा कि संगठन पिछले डेढ़ वर्षों से समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन सरकार की ओर से अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। संगठन ने सरकार से समूह सखी महिलाओं के लिए सम्मानजनक वेतन तय करने और उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की है।

जेडीएस पदाधिकारियों ने बताया कि इससे पहले 28 दिसंबर 2025 को सहारनपुर दौरे पर आए उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी ज्ञापन सौंपा गया था। उस दौरान उपमुख्यमंत्री ने महिलाओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे और प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग एवं समूह-सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा बबीता कश्यप ने कहा कि यदि सरकार जल्द मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है तो संगठन सड़क पर उतरकर आंदोलन करेगा।

पेज 1 का शेष...

समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग जेडीएस ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

(पब्लिक एशिया ब्यूरो)



सहारनपुर। जनता देश संगठन ने बृहस्पतिवार को सहारनपुर जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कार्यरत समूह सखी महिलाओं का वेतन बढ़ाने की मांग की। संगठन का कहना है कि पिछले कई वर्षों से कार्यरत इन महिलाओं को मात्र 800 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है, जो वर्तमान समय में बेहद कम है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि समूह सखी महिलाओं से विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कराया जाता है तथा शहर में होने वाली बैठकों और कार्यक्रमों का खर्च भी उन्हें स्वयं वहन करना पड़ता है।

कम वेतन के कारण महिलाएं आर्थिक समस्याओं से जूझ रही हैं और उनका जीवन यापन प्रभावित हो रहा है। जेडीएस के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि संगठन पिछले डेढ़ वर्षों से महिलाओं के वेतन वृद्धि के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन प्रदेश सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार जल्द मांगें पूरी नहीं करती है तो संगठन सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन और पुतला दहन करेगा। संगठन ने यह भी बताया कि 28 दिसंबर 2025 को सहारनपुर दौरे पर आए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी ज्ञापन सौंपा गया था। उस दौरान उप मुख्यमंत्री ने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग प्रदेश अध्यक्षा एवं समूह सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा श्रीमती बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

आलम, संगठन मंत्री [illegible]

समूह-सखी महिलाओं का वेतन बढ़ाने की मांग

सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने गुरुवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन भेजकर एनआरएलएम के तहत कार्यरत समूह-सखी महिलाओं का वेतन बढ़ाने की मांग की। संगठन ने आरोप लगाया कि महिलाओं से विभिन्न कार्य कराए जाते हैं, लेकिन उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है। बैठक व कार्यक्रमों का खर्च भी उन्हें स्वयं उठाना पड़ता है। इस दौरान सुरेश कुमार, एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, बबीता कश्यप, सुभाष बर्मन व सौरभ सिंह आदि रहे।

समूह सखी महिलाओं के वेतन बढ़ाने की मांग, जेडीएस ने मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन



विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन ने बृहस्पतिवार को सहारनपुर जिला अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम ज्ञापन सौंपकर राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत कार्यरत समूह सखी महिलाओं का वेतन बढ़ाने की मांग की। संगठन का कहना है कि पिछले कई वर्षों से कार्यरत इन महिलाओं को मात्र 800 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जा रहा है, जो वर्तमान समय में बेहद कम है। संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि समूह सखी महिलाओं से विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कराया जाता है तथा शहर में होने वाली बैठकों और कार्यक्रमों का खर्च भी उन्हें स्वयं वहन करना पड़ता है। कम वेतन के कारण महिलाएं आर्थिक समस्याओं से जूझ रही हैं और उनका जीवन यापन प्रभावित हो रहा है। जेडीएस के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि संगठन पिछले डेढ़ वर्षों से महिलाओं के वेतन वृद्धि के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, लेकिन प्रदेश सरकार इस मुद्दे को गंभीरता से नहीं ले रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार जल्द मांगें पूरी नहीं करती है तो संगठन सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन और पुतला दहन करेगा। संगठन ने यह भी बताया कि 28 दिसंबर 2025 को सहारनपुर दौरे पर आए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी ज्ञापन सौंपा गया था। उस दौरान उप मुख्यमंत्री ने समस्या के समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन अभी तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग प्रदेश अध्यक्षा एवं समूह सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा श्रीमती बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर जेडीएस राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित पदाधिकारी नजरबंद, संगठन ने जताया विरोध



विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) को सोमवार को मुख्यमंत्री के सहारनपुर दौरे के दौरान संगठन के अन्य पदाधिकारियों के साथ आईटीसी रोड स्थित संगठन कार्यालय पर प्रशासन द्वारा नजरबंद किए जाने का दावा किया गया है। संगठन ने इस कार्रवाई पर कड़ा विरोध जताते हुए इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताया है। जेडीएस की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे ने कहा कि किसी भी नागरिक को उसकी गतिविधियों के कारण इस प्रकार प्रतिबंधित करना लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उन्होंने प्रशासनिक कार्रवाई की आलोचना करते हुए इसे आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर अंकुश बताया। संगठन के मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी और प्रदेश अध्यक्ष सुभाष वर्मन ने कहा कि जेडीएस पिछले सात वर्षों से स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार तथा महिला समूहों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को उठाता रहा है। उनका आरोप है कि जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के कारण संगठन को लगातार प्रशासनिक दबाव का सामना करना पड़ रहा है।

कीर्ति प्रकाश

जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष को पदाधिकारियों सहित किया नजरबंद



सहारनपुर। जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी को पदाधिकरियों के साथ आई.टी. सी.मार्ग स्थित संगठन कार्यालय पर प्रशासन के द्वारा दिनभर के लिए नजरबंद कर लिया गया। यह चौकसी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहारनपुर आगमन के चलते बढ़ाई गई थी।

संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे ने इसे देश के आम नागरिक की मौलिकता का खुला अलंघन व मानवता का हनन कहकर सरकार की कड़ी आलौचना की है। गौरतलब है कि जनता देश संगठन पिछले सात वर्षों से देश की आम समस्याओं को लेकर सरकार की कार्यशैली पर एक प्रश्नचिन्ह लगाता आया है। फिर चाहे वह स्वास्थ्य से जुड़ा मसला हो, शिक्षा से जुड़ा हो या फिर रोज़गार से संबंधित समूह-सखी महिलाओं के वेतनमान से जुड़ी समस्याओं का मामला हो, संगठन ने हमेशा आगे बढ़कर देश की आवाम की आवाज़ को सरकार तक पहुंचाया है। संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने सरकार से पूछा है कि क्या हाउस अरेस्ट ही समस्या का हल है और सरकार को लगता है कि ऐसा करने से सब कुछ ठीक हो जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस दिन देश का आम नागरिक नींद से जाग गया, वह तुमसे या किसी से भी अधिकारों की भीख नहीं मांगेगा, बल्कि भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकेगा।

सीएम के दौरे पर जेडीएस अध्यक्ष फौजी सुरेश कुमार नजरबंद, संगठन ने बताया मौलिक अधिकारों का हनन

सहारनपुर (दैनिक अयोध्या टाइम्स)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहारनपुर दौरे के चलते जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी को पदाधिकारियों समेत सोमवार को दिनभर नजरबंद रखा गया। प्रशासन ने उन्हें आईटीसी मार्ग स्थित संगठन कार्यालय में नजरबंद किया।

संगठन की राष्ट्रीय महासचिव व महिला विंग अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे ने इसे आम नागरिक के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन और मानवता का हनन बताया। उन्होंने सरकार की कड़ी आलोचना की।

संगठन के संस्थापक सुरेश कुमार फौजी ने कहा कि क्या हाउस अरेस्ट ही समस्या का हल है। उन्होंने कहा कि जिस दिन देश का आम नागरिक जाग गया, वह अधिकारों की भीख नहीं मांगेगा, बल्कि भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकेगा। जिन्हें जनता मूर्ख लगती है, वे 1857 और 1947 का



स्वतंत्रता संग्राम याद करें, जब तानाशाही का अंत हुआ था।

मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी और प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन ने तंज कसा कि दिए की धधकती लौ बता रही है कि अब दिया बुझने वाला है। गौरतलब है कि जेडीएस पिछले सात साल से स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और समूह–सखी महिलाओं के वेतनमान जैसे मुद्दों पर सरकार की कार्यशैली पर सवाल उठाता रहा है।

संगठन का कहना है कि इसी कारण वह सरकार की आंख का रोड़ा बना हुआ है।

संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष सहित पदाधिकारियों को किया गया नजरबंद, सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

मुख्यमंत्री के दौरे के बीच जेडीएस कार्यालय पर प्रशासन की कार्रवाई

खबरों का दंगल संवाददाता
रवि प्रकाश

सहारनपुर, 1 जून। जनता देश संगठन (जेडीएस) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) तथा संगठन के अन्य पदाधिकारियों को सोमवार को प्रशासन द्वारा आईटीटी रोड स्थित संगठन कार्यालय पर दिनभर नजरबंद किए जाने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सहारनपुर दौरे के मद्देनजर सुरक्षा एवं सतर्कता के तहत यह कार्रवाई की गई।

इस संबंध में जारी प्रेस विज्ञप्ति में संगठन की राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंद्रे ने प्रशासनिक कार्रवाई की कड़ी आलोचना करते हुए इसे आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों का हनन बताया। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में अपनी बात रखने का अधिकार सभी नागरिकों को प्राप्त है और इस प्रकार की कार्रवाई लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है।



जनता देश संगठन कार्यालय में नजरबंदी के दौरान मौजूद पदाधिकारी व पुलिसकर्मी ।

नई दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा, उत्तराखंड, राजस्थान से प्रकाशित

देश का विश्वसनीय राष्ट्रीय अखबार

अनुपम संदेश

नई दिल्ली, मंगलवार, 12 मई 2026 | वर्ष-14 | अंक- 220 | कुल पृष्ठ-12 | मूल्य : 02/-

झारखंड, बंगाल, मध्यप्रदेश में प्रचारित | मोदी देश की जनता के हाथ कटोरा देकर ही दम लेंगे: मनीष त्यागी | पृष्ठ - 05



जनता देश संगठन ने सहारनपुर डीएम अरविंद कुमार चौहान से की भेंट, महिला उत्थान पर होगा काम



खबरों का दंगल संवाददाता रवि प्रकाश

सहारनपुर। जनता देश संगठन ब्जेडीएसक्ष के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को अरविंद कुमार चौहान से शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने गुलदस्ता भेंट कर डीएम का स्वागत किया और जनपद का पदभार संभालने पर शुभकामनाएं दीं।

इस दौरान संगठन और प्रशासन के बीच विभिन्न सामाजिक विषयों पर चर्चा हुई। संगठन पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी को अपनी कार्यशैली और सामाजिक गतिविधियों से अवगत कराया।

जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान ने जनता देश संगठन का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया। उन्होंने भविष्य में प्रशासन और संगठन के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित कर सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने का आश्वासन दिया। जनता देश संगठन ने बताया कि वह जल्द ही प्रशासन के सहयोग से महिला उत्थान, महिला सुरक्षा और जागरूकता अभियान को लेकर ठोस कदम उठाएगा, ताकि समाज में महिलाओं को सुरक्षित और सशक्त वातावरण मिल सके।

जनता देश संगठन का प्रतिनिधि मंडल ने नवागंतुक जिला अधिकारी से की शिष्टाचार भेंट

अनुपम संदेश । सहारनपुर। आज जनता देश संगठन (जेडीएस) का एक प्रतिनिधि मंडल जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान से मिला और शिष्टाचार भेंट कर तथा गुलदस्ता भेंट किया।



श्री चौहान द्वारा जिला सहारनपुर का पद भार संभालने पर उन्हें शुभकामनाएं दी और साथ ही साथ समाजिक विषयों पर गहन चर्चा की। शिष्टाचार भेंट के दौरान प्रतिनिधि मंडल ने नवागंतुक जिला अधिकारी अरविन्द कुमार चौहान को संगठन की कार्य शैली से अवगत कराया। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान ने जनता देश संगठन का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया और भविष्य मे प्रशासन और संगठन के साथ सामंजस्य बैठाकर सामाजिक कार्य करने का आश्वाशन भी दिया। प्रतिनिधि मंडल ने अवगत कराया कि संगठन शीघ्र ही प्रशासन के साथ मिलकर महिला उत्थान एवं महिला सुरक्षा के लिए सुरक्षात्मक कदम उठाने जा रहा है। जिसमें प्रशासन का सहयोग अति आवश्यक है।

जनता देश संगठन ने डीएम अरविंद कुमार चौहान से की भेंट, महिला उत्थान पर होगा काम

(दैनिक अयोध्या टाइम्स), सहारनपुर। जनता देश संगठन (जेडीएस) के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान से



शिष्टाचार भेंट की। प्रतिनिधिमंडल ने गुलदस्ता भेंट कर डीएम का स्वागत किया और जनपद का पदभार संभालने पर शुभकामनाएं दीं। इस दौरान सामाजिक विषयों पर चर्चा हुई। संगठन ने डीएम को अपनी कार्यशैली से अवगत कराया। जिलाधिकारी ने जनता देश संगठन का धन्यवाद और आभार जताया। उन्होंने भविष्य में प्रशासन और संगठन के साथ सामंजस्य बैठाकर सामाजिक कार्य करने का आश्वासन दिया। संगठन ने बताया कि वह जल्द प्रशासन के साथ मिलकर महिला उत्थान और महिला सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाएगा।

जिलाधिकारी से मिला जेडीएस का प्रतिनिधिमंडल

विश्व मानव संवाददाता।

सहारनपुर। जनता देश संगठन का एक प्रतिनिधि मंडल अध्यक्ष सुरेश फौजी के नेतृत्व में जिलाधिकारी अरविन्द्र कुमार चौहान से मिला और विभिन्न जनहित के मुद्दे पर बात कर सामाजिक रूप से होने वाले कार्यों में सहयोग आश्वासन दिया। आज संगठन अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी की अगुवाई कार्यकर्ता जिला मुख्यायलय पहुंचे और जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान से शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत किया और जिला सहारनपुर का पद भार संभालने पर उज्जवल भविष्य की कामना की और साथ ही साथ समाजिक विषयों पर गहन चर्चा की तथा संगठन की कार्य शैली से अवगत कराया। जिलाधिकारी अरविन्द कुमार चौहान ने जनता देश संगठन का आभार व्यक्त किया। और भविष्य मे प्रशासन और संगठन के साथ सामंजस्य बैठाकर सामाजिक कार्य करने का आश्वाशन भी दिया। संगठन शीघ्र ही प्रशासन के साथ मिलकर महिला उत्थान एवं महिला सुरक्षा के लिए सरक्षात्मकी कदम उठाने जा रहा है।

मौसम
दिल्ली/एनसीआर
अधिकतम ता. 18,0°C न्यूनतम ता. 14,0°C

दैनिक
इंडिया सावधान न्यूज

RNI No. : UPHIN/2016/71004 www.indiasavdhan.com राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

वर्ष: 09 अंक: 92, मंगलवार 14 अप्रैल, 2026 पृष्ठ: 8 मूल्य: 2 रुपए गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित, लखनऊ, दिल्ली, मुम्बई, हरियाणा से एक साथ प्रसारित



मा० मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर गौतम बुध नगर में औद्योगिक असामंजस्य के समाधान हेतु गठित की गई उच्च स्तरीय समिति

जेडीएस ने की समूह-सखी महिलाओं के वेतन वृद्धि की मांग

इंडिया सावधान न्यूज

सहारनपुर। जनता देश संगठन ने समूह-सखी महिलाओं के मानदेय में वृद्धि की मांग को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम एक ज्ञापन जिलाधिकारी को सौंपा। चेतावनी दी यदि सरकार हमारी मांगे स्वीकार नहीं करती है तो संगठन बहुत जल्द सड़कों पर उतरेगा और सरकार के पुतले दहन करेगा। संगठन का कहना है कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत कार्यरत इन महिलाओं को वर्तमान में बहुत कम मानदेय मिल रहा है, जिससे उनका जीवन यापन मुश्किल हो गया है। ज्ञापन में बताया कि विभाग द्वारा समूह-सखी महिलाओं से विभिन्न प्रकार के कार्य कराए जाते हैं। इसके बावजूद उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है। संगठन का आरोप है कि यह राशि मौजूदा समय में बेहद कम है और इससे महिलाएं अपनी आजीविका ठीक से नहीं चला पा रही हैं। उन्हें



शहर में होने वाली बैठकों और कार्यक्रमों में आने-जाने व अन्य खर्च भी कई बार स्वयं वहन करने पड़ते हैं। चेतावनी दी यदि सरकार हमारी मांगे स्वीकार नहीं करती है तो संगठन बहुत जल्द सड़कों पर उतरेगा और सरकार के पुतले दहन करेगा। इस अवसर पर जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी, राष्ट्रीय महासचिव एवं अध्यक्षा महिला विंग एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, प्रदेश अध्यक्षा महिला विंग एवं अध्यक्षा समूह-सखी संघर्ष समिति श्रीमति बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, आदि सदस्यगण मौजूद रहे।

गौतमबुद्धनगर
मंगलवार 16 जून, 2
www.indiasavdhan.

समूह सखी महिलाओं का मानदेय बढ़ाने की मांगए मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन



राजीव मोंगरा

सहारनपुर(वेलकम इंडिया)। जनता देश संगठन ने सोमवार को समूह सखी महिलाओं की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया। आज संगठन अध्यक्ष सुरेश फौजी के नेतृत्व में समूह सखी महिला आज जिला मुख्यालय पहुंची और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में मांग करते हुए कहा कि।

संगठन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ;एनआरएलएमद्ध के अंतर्गत कार्यरत समूह सखी महिलाओं का मानदेय बढ़ाने तथा उनकी समस्याओं के समाधान की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि समूह सखी महिलाएं पिछले कई वर्षों से विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैंए लेकिन उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा हैए जो वर्तमान परिस्थितियों में बेहद कम है। संगठन का आरोप है कि महिलाओं से विभिन्न विभागीय कार्य लिए जाते हैंए इसके बावजूद उनके मानदेय में वृद्धि नहीं की गई है। जनता देश संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन पिछले 22 महीनों से समूह सखी महिलाओं के मानदेय वृद्धि के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इससे पूर्व 28 दिसंबर 2025 को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी इस संबंध में ज्ञापन सौंपा गया थाए जिसमें शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया था। हालांकि अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। संगठन ने सरकार से समूह सखी महिलाओं की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए उनके मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि करने तथा उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की। इस अवसर पर जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार ;फौजीद्धए राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदेए मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनीए प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मनए महिला विंग की प्रदेश अध्यक्षा एवं समूह सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा बबीता कश्यपए जिला अध्यक्ष सौरभ सिंहए प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंहए जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

समूह सखी महिलाओं के मानदेय की मांग को लेकर दिया धरना

सहारनपुर जिला प्रभारी निशांत गुप्ता



सहारनपुर। जनता देश संगठन ने सोमवार को समूह सखी महिलाओं की समस्याओं को लेकर जिला मुख्यालय पर धरना देकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपकर समस्याओं के समाधान की मांग की। जनता देश संगठन अध्यक्ष सुरेश फौजी के नेतृत्व में समूह सखी महिलाएं जिला मुख्यालय पहुंची और अपनी मांगों को लेकर धरना प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में उन्होंने मांग करते हुए कहा कि। संगठन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत कार्यरत समूह सखी महिलाओं का मानदेय बढ़ाने तथा उनकी समस्याओं के समाधान की मांग की। ज्ञापन में कहा कि समूह सखी महिलाएं पिछले कई वर्षों से विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं, लेकिन उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है, जो वर्तमान परिस्थितियों में बेहद कम है। संगठन का आरोप है कि महिलाओं से विभिन्न विभागीय कार्य लिए जाते हैं, इसके बावजूद उनके मानदेय में वृद्धि नहीं की गई है। जनता देश संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन पिछले 22 महीनों से समूह सखी महिलाओं के मानदेय वृद्धि के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इससे पूर्व 28 दिसंबर 2025 को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी इस संबंध में ज्ञापन सौंपा गया था, जिसमें शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया था। इस अवसर पर जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी), राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्षा एवं समूह सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

स्वराज जागरण www.swarajjagran.in
सहारनपुर-आसपास

समूह सखी महिलाओं का मानदेय बढ़ाने की मांगए मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

» स्वराज जागरण ब्यूरो।

सहारनपुर। जनता देश संगठन ने सोमवार को समूह सखी महिलाओं की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन किया और मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को दिया। आज संगठन अध्यक्ष सुरेश फौजी के नेतृत्व में समूह सखी महिला आज जिला मुख्यालय पहुंची और अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन किया।

मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन में मांग करते हुए कहा कि, संगठन ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन एनआरएलएमद्ध के अंतर्गत कार्यरत समूह सखी महिलाओं का मानदेय बढ़ाने तथा उनकी समस्याओं के समाधान की मांग की। ज्ञापन में कहा गया कि समूह सखी महिलाएं पिछले कई वर्षों से विभिन्न सरकारी योजनाओं और कार्यक्रमों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैंए लेकिन उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा हैए जो वर्तमान परिस्थितियों में बेहद कम है। संगठन का आरोप है कि महिलाओं से विभिन्न विभागीय कार्य लिए जाते हैंए इसके बावजूद उनके मानदेय में वृद्धि नहीं की गई है।

जनता देश संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि संगठन पिछले 22 महीनों से समूह सखी महिलाओं के मानदेय वृद्धि के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

इससे पूर्व 28 दिसंबर 2025 को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी इस संबंध में ज्ञापन सौंपा गया थाए जिसमें शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया गया था। हालांकि



अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया है। संगठन ने सरकार से समूह सखी महिलाओं की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए उनके मानदेय में सम्मानजनक वृद्धि करने तथा उनकी समस्याओं का शीघ्र समाधान करने की मांग की।

इस अवसर पर जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजीद्धए राष्ट्रय महासचिव एवं महिला विंग की अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदेए मुख्य सलाहकार राजेश्व दास सैनीए प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मनए महिला विंग की प्रदेश अध्यक्षा एवं समूह सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा बबीता कश्यपए जिला अध्यक्ष सौरभ सिंहए प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंहए जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

समूह सखी महिलाओं ने मानदेय बढ़ाने को लेकर सौंपा ज्ञापन



सहारनपुर जनवाणी: जनता देश संगठन के नेतृत्व में सोमवार को समूह सखी महिलाओं ने जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा। ज्ञापन में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत कार्यरत समूह सखी महिलाओं का मानदेय बढ़ाने और उनकी समस्याओं के समाधान की मांग की गई।ज्ञापन में कहा गया कि समूह सखी महिलाएं विभिन्न सरकारी योजनाओं और विभागीय कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं, लेकिन उन्हें वर्तमान में केवल 800 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है। संगठन ने महिलाओं की जिम्मेदारियों और बढ़ती महंगाई को देखते हुए मानदेय में वृद्धि की मांग की है। साथ ही बताया गया कि इस संबंध में पूर्व में 28 दिसंबर 2025 को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी ज्ञापन सौंपा गया था। प्रदर्शन और ज्ञापन कार्यक्रम का नेतृत्व जनता देश संगठन के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार फौजी ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय महासचिव एवं महिला विंग की अध्यक्षा एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग की प्रदेश अध्यक्षा एवं समूह सखी संघर्ष समिति की अध्यक्षा बबीता कश्यप, जिला अध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंह तथा जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह सहित संगठन के पदाधिकारी, सदस्य और बड़ी संख्या में समूह सखी महिलाएं मौजूद रहीं।

जेडीएस ने डीएम को सौंपा ज्ञापन : समूह सखी महिलाओं का वेतन बढ़ाने की मांग



सहारनपुर (दैनिक अयोध्या टाइम्स)। जनता देश संगठन (जेडीएस) ने सोमवार को जिलाधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को ज्ञापन भेजकर समूह सखी महिलाओं का वेतन बढ़ाने की मांग की। संगठन ने कहा कि राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के तहत वर्षों से कार्यरत समूह सखी महिलाओं को महज 800 रुपये प्रतिमाह वेतन मिल रहा है। जबकि उनसे हर क्षेत्र में काम लिया जाता है। संगठन 22 माह से वेतन वृद्धि के लिए प्रयासरत है, लेकिन सरकार गंभीर नहीं है। आरोप है कि प्रशासन का रवैया भी नकारात्मक है। जिस दिन महिलाएं हर माह की 14 तारीख को धरने पर जाती हैं, उसी दिन उन्हें जानबूझकर बैठकों व कार्यक्रमों में बुलाया जाता है। डराया–धमकाया भी जाता है। संगठन ने सवाल उठाया कि 800 रुपये में महिलाओं का कौन सा उत्थान हो रहा है।

जेडीएस ने बताया कि 28 दिसंबर 2025 को उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को सहारनपुर आगमन पर ज्ञापन देकर समस्या बताई थी। उन्होंने समाधान का आश्वासन दिया था, लेकिन वेतन नहीं बढ़ा। संगठन ने कहा कि सीएम योगी और पीएम मोदी के दौरे अक्सर होते हैं, मगर समूह सखी महिलाओं की पीड़ा जस की तस है। रैलियों में भीड़ के लिए इन महिलाओं को अनिवार्य रूप से बुलाया जाता है। जेडीएस ने चेताया कि जनता नेताओं को मुकुट भी बना सकती है और जमींदोज भी कर सकती है। सेवा के लिए आए हैं तो अच्छे प्रतिनिधि बनकर सेवा करें। ज्ञापन देने वालों में जेडीएस संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार 'फौजी', राष्ट्रीय महासचिव व महिला विंग अध्यक्ष एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष वर्मन, प्रदेश महिला विंग अध्यक्ष व समूह सखी संघर्ष समिति अध्यक्ष बबीता कश्यप, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंह, जिला उपाध्यक्ष अर्जुन सिंह, कामक, ऊषा, रश्मि, सपना, कलतेश, अंजू, दुर्गा, अमृता आदि मौजूद रहीं।

समूह सखी महिलाओं के सम्मान और अधिकारों को लेकर कलेक्ट्रेट पर गरजा जेडीएस, मानदेय बढ़ाने की उठी मांग

खबरों का दंगल
संवाददाता रवि प्रकाश

सहारनपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन द्धएनआरएलएमञ्ज के अंतर्गत कार्यरत समूह सखी महिलाओं के मानदेय में वृद्धि तथा अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर जनता देश संगठन द्धजेडीएसञ्ज ने सोमवार को जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट पर धरना-प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से प्रशासन को सौंपते हुए समूह सखी महिलाओं की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। धरने को संबोधित करते हुए जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार द्धफौजीञ्ज ने कहा कि समूह सखी महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की विभिन्न योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके बावजूद उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है, जो उनके परिश्रम और जिम्मेदारियों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने सरकार से समूह सखी महिलाओं का मानदेय बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग की।



उन्होंने कहा कि समूह सखी महिलाओं को सरकारी कर्मचारियों की तरह पहचान पत्र, निर्धारित वर्दी, नियमित अवकाश, मातृत्व अवकाश तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। संगठन का आरोप है कि पिछले लगभग 22 महीनों से लगातार इन मांगों को उठाया जा रहा है, लेकिन सरकार और संबंधित विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सुरेश कुमार ने बताया कि 28 दिसंबर 2025 को सहारनपुर दौरे पर आए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी इस संबंध में ज्ञापन सौंपा गया था। उस समय समस्याओं के समाधान का आश्वासन मिला था, लेकिन आज तक कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हो सकी। धरना प्रदर्शन के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से मिलने का प्रयास किया, लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी। बाद में सिटी मजिस्ट्रेट ने ज्ञापन प्राप्त कर उसे मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया।

जेडीएस पदाधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समूह सखी महिलाओं की मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन आंदोलन को और व्यापक रूप देगा।

ज्ञापन में समूह सखी महिलाओं को नियमित मानदेय, बैंक खाते में प्रत्यक्ष भुगतान, पहचान पत्र, यूनिफॉर्म, मातृत्व अवकाश और अन्य सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई है।

धरना-प्रदर्शन में राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग प्रदेश अध्यक्ष बबीता कश्यप, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता एवं समूह सखी महिलाएं मौजूद रहीं।

समूह सखी महिलाओं के सम्मान और अधिकारों को लेकर कलेक्ट्रेट पर गरजा जेडीएस, मानदेय बढ़ाने की उठी मांग

जनमत की पुकार:- सहारनपुर। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (एनआरएलएम) के अंतर्गत कार्यरत समूह सखी महिलाओं के मानदेय में वृद्धि तथा अन्य सुविधाओं की मांग को लेकर जनता देश संगठन (जेडीएस) ने सोमवार को जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट पर धरना-प्रदर्शन किया। संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से प्रशासन को सौंपते हुए समूह सखी महिलाओं की समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। धरने को संबोधित करते हुए जेडीएस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश कुमार (फौजी) ने कहा कि समूह सखी महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की विभिन्न योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इसके बावजूद उन्हें मात्र 800 रुपये प्रतिमाह मानदेय दिया जा रहा है, जो उनके परिश्रम और जिम्मेदारियों के अनुरूप नहीं है। उन्होंने सरकार से समूह सखी महिलाओं का मानदेय बढ़ाकर 18 हजार रुपये प्रतिमाह किए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि समूह सखी महिलाओं को सरकारी कर्मचारियों की तरह पहचान पत्र, निर्धारित वर्दी, नियमित अवकाश, मातृत्व अवकाश तथा अन्य आवश्यक सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। संगठन का आरोप है कि पिछले लगभग 22 महीनों से लगातार इन मांगों को उठाया जा रहा है, लेकिन सरकार और संबंधित विभाग द्वारा अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। सुरेश कुमार ने बताया कि 28 दिसंबर 2025 को सहारनपुर दौरे पर आए उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को भी इस संबंध में ज्ञापन सौंपा गया था। उस समय समस्याओं के समाधान का आश्वासन मिला था, लेकिन आज तक कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हो सकी। धरना प्रदर्शन के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी से मिलने का प्रयास किया, लेकिन मुलाकात नहीं हो सकी। बाद में सिटी मजिस्ट्रेट ने ज्ञापन प्राप्त कर उसे मुख्यमंत्री तक पहुंचाने का आश्वासन दिया। जेडीएस पदाधिकारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि समूह सखी महिलाओं की मांगों पर जल्द निर्णय नहीं लिया गया तो संगठन आंदोलन को और व्यापक रूप देगा। ज्ञापन में समूह सखी महिलाओं को नियमित मानदेय, बैंक खाते में प्रत्यक्ष भुगतान, पहचान पत्र, यूनिफॉर्म, मातृत्व अवकाश और अन्य सामाजिक सुरक्षा सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई है। धरना-प्रदर्शन में राष्ट्रीय महासचिव एडवोकेट पिंकी पवन शिंदे, मुख्य सलाहकार राजेश्वर दास सैनी, प्रदेश अध्यक्ष सुभाष बर्मन, महिला विंग प्रदेश अध्यक्ष बबीता कश्यप, जिलाध्यक्ष सौरभ सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष बॉबी कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में संगठन के कार्यकर्ता एवं समूह सखी महिलाएं मौजूद रहीं।